{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 05 नवम्बर 2026
कार्तिक कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 45
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,301.40
निफ्टी	-	23,960.60
सोना	-	1,51,006
चांदी	-	2,00,000
डॉलर	-	94.30

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

रूसी विदेश मंत्री का फर्जी वीडियो साझा करने पर प्रशांत भूषण के खिलाफ एफआईआर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट के जाने-माने वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के खिलाफ गंभीर आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। उन पर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव का एक डिजिटल रूप से छेड़छाड़ किया गया वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने का आरोप है। वीडियो में कथित तौर पर भारत के खिलाफ आपत्तिजनक और आलोचनात्मक टिप्पणियां की गई थीं, जिसके बाद यह विवाद उत्पन्न हो गया। यह मामला तब सामने आया जब दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने 3 नवंबर को साइबर गश्त के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रूप से निगरानी करते हुए एक पोस्ट देखी। एट दी रेट दकोट्सन्यूज नामक हैंडल से की गई इस पोस्ट में दावा किया गया था कि रूसी विदेश मंत्री का छेड़छाड़ किया गया वीडियो प्रशांत भूषण के एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल से साझा किया गया है।

देश में बन रही पहली समुद्री रेल-टनल

सावली। नवी मुंबई के सावली में देश की पहली समुद्री रेल सुरंग बनाई जा रही है। इस सुरंग से देश की पहली बुलेट ट्रेन गुजरेगी। सुरंग बनाने का काम जमीन से 114 मीटर नीचे चल रहा है, यानी इतनी गहराई, जितनी 35 मंजिला ऊंची इमारत होती है। समुद्र के अंदर सुरंग बनाने का यह छठा प्रोजेक्ट है। दुनिया में सबसे ज्यादा 2 समुद्री सुरंगें जापान में हैं। इसके अलावा चीन, नार्वे में एक-एक समुद्री सुरंग है। ब्रिटेन और फ्रांस के बीच भी एक समुद्री सुरंग बनी है। भारी गर्मी और घुटन के बीच करीब 1,200 मजदूर और इंजीनियर दिन-रात इस काम में जुटे हैं। सावली से शीलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर लंबी सुरंग पहले ही तैयार हो चुकी है। अब समुद्र के अंदर 7 किलोमीटर लंबी सुरंग खोदी जा रही है, जिसके लिए 3,000 टन भारी मशीन लगातार खुदाई कर रही है।

अमूल ने घी-बटर महंगा किया

नई दिल्ली। अमूल ने घी और बटर 3 से 50 रुपए तक महंगा कर दिया है। एक किलो घी का कार्टन 630 से बढ़कर 680 रुपए का हो गया है। बटर के 100 ग्राम पैक की कीमत 63 से बढ़कर 66 रुपए हो गई है। दाम बढ़ने की वजह गुजरात-राजस्थान में नकली घी के खिलाफ कार्रवाई के बाद ब्रांडेड घी की बढ़ी मांग है। इससे सितंबर 2025 की जीएसटी कटौती का फायदा भी काफी कम हो गया है। सितंबर 2025 में जीएसटी की दर घटने के बाद अमूल ने 700 डेयरी प्रोडक्ट्स के दाम कम किए थे। डेयरी प्रोडक्ट्स पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया था। उस समय एक लीटर घी के कार्टन की कीमत 650 से घटकर 610 हो गई थी।

कुछ ना कहना



मिडटर्म चुनाव में ट्रंप को बड़ा झटका, डेमोक्रेट्स ने सीनेट और हाउस दोनों पर किया कब्जा, ईरान में सत्ता परिवर्तन का था ख्वाब, लेकिन युद्ध के बाद पहले ही चुनाव में ट्रंप और नेतन्याहू के बुरे दिन आए

अब खुद ही हारे ट्रंप-नेतन्याहू

मिडटर्म इलेक्शन में रिपब्लिकन की हार के बाद ईरान में लगे पोस्टर-हम ट्रंप को मार देंगे

वाशिंगटन/तेहरान/तेल अवीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड जे. ट्रंप और रिपब्लिकन पार्टी को मतदाताओं ने बड़ा झटका दिया है। डेमोक्रेटिक पार्टी ने अमेरिकी सीनेट पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। डेमोक्रेट्स ने सीनेट की कम से कम छह सीटें रिपब्लिकन पार्टी से छीन ली हैं। इनमें टेक्सास और कंसास जैसे राज्य भी शामिल हैं, जिन्हें लंबे समय से रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ माना जाता रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) पर भी नियंत्रण हासिल करने की मजबूत स्थिति में आ गई है। ईरान में सत्ता बदलने का सपना लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मिलकर ऐसा युद्ध शुरू किया, जिसने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया। दोनों नेताओं को उम्मीद थी कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को रास्ते से हटाने और देश के सैन्य ठिकानों को तबाह करने के बाद वहां की सत्ता कमजोर पड़ जाएगी। ईरान की जनता सड़कों पर उतरेगी, सरकार के खिलाफ विद्रोह होगा और आखिरकार 1979 से चले आ रहे इस्लामिक शासन का अंत हो जाएगा। लेकिन ऐसा तो हुआ नहीं ऊपर से ट्रंप-नेतन्याहू दोनों को अपने देश में हार का सामना करना पड़ा है।

ट्रंप ने तो ईरान के लोगों से अपनी सरकार पर कब्जा करने तक की अपील कर दी थी। नेतन्याहू भी लगातार ईरान की मौजूदा व्यवस्था को खत्म करने की बात करते रहे। लेकिन दोनों की सारी उम्मीदों पर पानी फिर गया। खामेनेई की मौत के बावजूद ईरान की राजनीतिक व्यवस्था खत्म नहीं हुई और सत्ता का ढांचा कायम रहा। लेकिन, ईरान के उलट इसका असर अब दोनों देशों की राजनीति पर दिखाई देने लगा है। अमेरिका के मिडटर्म इलेक्शन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हार के बाद ईरान में लगा एक पोस्टर सुर्खियों में है। पोस्टर पर हम ट्रंप को मार देंगे लिखा है। पोस्टर में ट्रंप को लोहे के रॉड के पीछे कैद दिखाया गया है। ट्रंप एक हाथ से लोहे के रॉड को पकड़कर दुखी खड़े हैं। यह पोस्टर तेहरान के एंघेलाब चौक पर लगाया गया है। इस पोस्टर में ट्रंप के बगल में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीर लगाई गई है। नेतन्याहू की तस्वीर में क्रॉस का निशान है। इसी तरह अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की तस्वीर पोस्टर में है। दरअसल, इजराइल के चुनाव में नेतन्याहू भी सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है।



दोनों देशों के चुनाव में नेताओं की कुर्सी पर सवाल

दूसरी तरफ, युद्ध की कीमत, आर्थिक दबाव और राजनीतिक फैसलों को लेकर ट्रंप और नेतन्याहू को अपने ही देशों में सवालों का सामना करना पड़ रहा है। इजराइल के 27 अक्टूबर के चुनाव में नेतन्याहू का गठबंधन बहुमत से दूर रह गया है। अमेरिका में 3 नवंबर के मिड टर्म इलेक्शन भी ट्रंप के लिए बड़ी राजनीतिक परीक्षा बने हैं। ऐसे में सवाल है कि ईरान की सत्ता बदलने निकले इन दोनों नेताओं की अपनी कुर्सी कितनी सुरक्षित रह गई है?

तमाम कोशिशों के बावजूद नहीं बदली व्यवस्था

युद्ध के दौरान ट्रंप और नेतन्याहू ने अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन तो किया, लेकिन उन्हें ये समझ नहीं आया कि किसी देश के नेता को मार देना और उसकी पूरी राजनीतिक व्यवस्था को बदल देना दो अलग-अलग बातें हैं। ईरान में सत्ता का आधार केवल खामेनेई नहीं, बल्कि धार्मिक संस्थाओं, सुरक्षा बलों और ताकतवर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का पूरा नेटवर्क है। यही वजह है कि नेतृत्व को बड़ा झटका लगने के बाद भी व्यवस्था नहीं टूटी।

100 दिनों में बदलेगा बाजार का खेल

न के नतीजों के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति का संसद में इकबाल काफी कम हो जाएगा। जिस बेबाकी के साथ तक ट्रंप अभी तक फैसले ले रहे थे, वो अब नहीं ले सकेंगे। उम्मीद अब इस बात की भी की जा रही है कि आने वाले कुछ दिनों में ट्रंप ईरान से चल रहे वॉर को पूरी तरह से खत्म करने की दिशा में भी बढ़ जाएंगे। अगर ऐसा हुआ तो आने वाले 100 दिन सिर्फ अमेरिका के लिए ही नहीं बल्कि भारत और बाकी दुनिया के लिए भी काफी अहम होंगे। जानकारों की मानें तो अमेरिकी चुनावों के नतीजों के बाद अगले 100 दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में 20 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल सकती है। जी हां, ईरान के साथ वॉर खत्म होते ही कच्चे तेल की सप्लाई में तेजी देखने को मिलेगी, होमुर्ज संकट खत्म हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर महंगाई का असर कम होने के बाद सोने और चांदी दोनों की कीमतों में तेजी भी देखने को मिल सकती है। यहां एक बार अहम है। महंगाई अभी भी लोगों के लिए परेशान करने वाली है।

कांग्रेस की इंसाफ रैली में राहुल गांधी बोले

पंजाब में कत्ल करना बना फैशन

संगरूर। पंजाब के संगरूर में कांग्रेस की इंसाफ रैली हो रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी रैली को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशद्रोही हैं। वह डोनाल्ड ट्रम्प के इशारे पर काम कर रहे हैं। इस दौरान वह पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर



सिंह को स्टेज पर लाए। राहुल गांधी ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला के साथ जो हुआ, वह आज पंजाब में एक फैशन बन गया है। पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा है। भगवंत मान दिल्ली में थे तो हमें चुटकले सुनाते थे। सुबह 11 बजे उनके मुंह से शराब की बदबू आती थी। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में वोट चोरी हुई है और कई जगह वोट चोरों की सरकार चल रही है। उन्होंने दिल्ली में बैठी सरकार वोट चोरों की सरकार है।

राहुल गांधी ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला के साथ जो हुआ, वह आज पंजाब में एक फैशन बन गया है। उन्हें भी मार दिया गया। यह केवल एक घटना नहीं, बल्कि पंजाब की मौजूदा स्थिति को दिखाती है। उन्होंने कहा कि बहुत समय पहले जब मैंने पंजाब में नशे का मुद्दा उठाया था तो विपक्ष के लोगों ने कहा था कि यहां नशा नहीं फैल रहा है और राहुल गांधी को कुछ पता नहीं है। हमें एक बात समझनी होगी कि पंजाब में इंडस्ट्री, फैक्ट्रियां और खेती होगी, तभी रोजगार के अवसर पैदा होंगे। अगर ये सब नहीं होंगे तो नशा और गैंगस्टरवाद बढ़ेगा और सड़कों पर गोलियां चलेंगी।

पंजाब में नशा सबसे बड़ा मुद्दा

उन्होंने कहा कि पंजाब आने से पहले हमारी नेताओं के साथ बातचीत हुई थी। हमने सभी से पूछा कि राज्य का सबसे बड़ा मुद्दा क्या है। सभी ने नशे को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। जब आम आदमी पार्टी की सरकार बनी थी तो लोगों ने उस पर और भगवंत मान पर भरोसा किया था। सरकार ने वादा किया था कि पंजाब से नशा खत्म कर देंगे। अब बताएं कि पंजाब से कौन-कौन सा नशा खत्म हुआ है। मौजूदा सरकार पंजाब से नशा खत्म नहीं कर सकती।

दिल्ली में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा

ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से नाम कटा, तो घबराएं नहीं, हम मामला सुन रहे हैं

नई दिल्ली। दिल्ली में वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाकर्ताओं ने चुनाव आयोग के 3 नवंबर के स्पष्टीकरण पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आयोग ने एसआईआर के ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए पुराने वोटरों को दोबारा नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने को कहा है, जबकि कोर्ट ने पिछली सुनवाई में कहा था कि 2026 की वोटर लिस्ट में शामिल रहे और एसआईआर के दौरान नाम कटने वाले लोगों को नए वोटर की तरह फॉर्म-6 भरने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। अब मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है। कोर्ट चुनाव आयोग से फॉर्म भरने की समयसीमा बढ़ाने के लिए कह सकता है। दरअसल, चुनाव आयोग ने 3 नवंबर को कहा था अगर आपका नाम स्क्रूक की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में नहीं है, तो आप फॉर्म-6 भरकर दोबारा नाम जुड़वा सकते हैं। चाहे आप 10 साल से वोटर रहे हों, फिर भी फॉर्म-6 ही भरना होगा। इसको झूठा शपथ पत्र नहीं माना जाएगा, न ही कोई केस होगा।

फॉर्म-6 में गलत जानकारी देने पर 1 साल तक की सजा

फॉर्म 6 में लिखना पड़ता है कि मेरा नाम पहली बार वोटर लिस्ट में जोड़ा जा रहा है। कानूनी पेंच की वजह से फॉर्म-6 पर सेक्शन 31 के तहत लिखा होता है - गलत जानकारी दी तो 1 साल तक की सजा। लोग सोच रहे थे कि हम तो पुराने वोटर हैं, पहली बार वाला कॉलम टिक करेंगे तो केस हो जाएगा। इस डर से लाखों लोग फॉर्म नहीं भर रहे थे।

सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष को दिया निर्देश

निर्मला सप्रे की सदस्यता पर दो महीने में करें फैसला

भोपाल। मध्य प्रदेश के सागर जिले की बीना विधानसभा सीट से विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता और दल-बदल याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया है कि वे दो महीने के भीतर निर्मला सप्रे की सदस्यता के मामले में नियमानुसार फैसला लें। यह आदेश प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता उमंग सिंघार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया गया है।

गौरतलब है कि निर्मला सप्रे ने वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर बीना सीट से जीत दर्ज की थी। हालांकि, चुनाव जीतने के कुछ समय बाद ही वे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गई थीं। इसके बाद कांग्रेस ने इसे दल-बदल कानून (दसवीं अनुसूची) का उल्लंघन बताते हुए उनकी विधानसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की थी। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस संबंध में याचिका दायर की थी।

हाईकोर्ट के रुख पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने पैरवी की। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट टिप्पणी करते हुए कहा कि संविधान की दसवीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) से जुड़े मामलों का शीघ्र और समयबद्ध निराकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है। अदालत ने कहा कि भले ही हाईकोर्ट ने इस मामले में तात्कालिकता (अर्जेंसी) न मानी हो, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में दल-बदल से जुड़े मामलों को लंबित नहीं रखा जा सकता।

सुनवाई हो चुकी है पूरी

निर्मला सप्रे की सदस्यता के मामले में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर सुनवाई की प्रक्रिया पूरी कर चुके हैं। उमंग सिंघार दोबारा सभी दस्तावेज भी प्रस्तुत कर चुके हैं। उधर, निर्मला सप्रे भी अपने पक्ष से अवगत करा चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि सप्रे ने हाई कोर्ट में अपने जवाब में कहा था कि वह कांग्रेस में ही हैं।

ज्ञानेश कुमार पर 20 साल पुराने आरोप की होगी जांच

तिरुवनंतपुरम। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। केरल सरकार ने उनके खिलाफ करीब 20 साल पुराने रिश्वत के आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं। राज्य के गृहमंत्री रमेश चेन्निथला ने विजिलेंस विभाग को मामले की जांच करने के निर्देश दिए हैं। आरोप उस समय के हैं, जब ज्ञानेश कुमार केरल में लोक निर्माण विभाग के सचिव थे। कोल्लम के ठेकेदार साजन ने आरोप लगाया है कि सड़क निर्माण परियोजना का काम पूरा होने के बाद भुगतान जारी करने के बदले उनसे दो करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी गई थी।

यह मामला केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (यस्ज्ञक) से जुड़ा है। आरोप है कि परियोजना के तहत करीब 17 करोड़ रुपये के बिल इंजीनियरों ने मंजूर कर दिए थे, लेकिन भुगतान के चेक रोक दिए गए। ठेकेदार का दावा है कि रिश्वत की मांग पूरी नहीं होने के कारण भुगतान अटका रहा और इसका असर परियोजना से जुड़ी मलेशियाई कंपनी के ठेकेदारों और कर्मचारियों पर पड़ा।

कंपनी के प्रोजेक्ट इंजीनियर की आत्महत्या से जुड़ा आरोप

ठेकेदार साजन के मुताबिक, कंपनी के प्रोजेक्ट इंजीनियर ली सी बीन ने उन्हें बताया था कि रिश्वत दिए बिना भुगतान के चेक जारी नहीं किए जा रहे हैं। साजन ने पैसे देकर मामला सुलझाने की बात कही, लेकिन कंपनी के अधिकारियों ने रिश्वत देने से इनकार कर दिया। आरोप है कि बकाया भुगतान करने के लिए ली सी बीन ने बेंगलुरु स्थित कंपनी के दूसरे प्रोजेक्ट से पैसे की व्यवस्था की थी। इसके बावजूद आर्थिक दबाव बना रहा। साजन का दावा है कि भुगतान में देरी और कथित रिश्वत मांगने से परेशान होकर ली ने 2006 में आत्महत्या कर ली थी। उनके सुसाइड नोट में ज्ञानेश कुमार का नाम होने का भी दावा किया गया है। ली के मलेशिया में रहने वाले परिवार ने भी कंपनी के कर्मचारियों को इस बारे में जानकारी दी थी।

पुरानी जांच पर भी उठाए सवाल

साजन ने आरोप लगाया है कि मामले में पहले हुई विजिलेंस जांच अधूरी थी। इसमें उनसे और घटना की जानकारी रखने वाले अन्य लोगों से पूछताछ नहीं की गई थी। अब उन्होंने ली के परिवार, कंपनी के पूर्व कर्मचारियों और दूसरे गवाहों को जांच में पेश करने की बात कही है।

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के बाद बॉलीवुड में दहशत, अब आयुष्मान खुराना को मिली धमकी, करोड़ों की फिरौती मांगने का दावा

मुंबई। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी की घटना के बाद बॉलीवुड में दहशत का माहौल है। फिल्मी सितारों को धमकियां मिलने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब अभिनेता आयुष्मान खुराना को भी धमकी भरा ऑडियो मैसेज मिलने का मामला सामने आया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस ऑडियो मैसेज के जरिए अभिनेता से करोड़ों रुपये की फिरौती मांगी गई है। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने बॉलीवुड कलाकारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मिली जानकारी के अनुसार, आयुष्मान खुराना को किसी अज्ञात व्यक्ति ने ऑडियो मैसेज भेजकर धमकी दी है। ऑडियो में धमकी देने वाले व्यक्ति ने कथित तौर पर खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया है। साथ ही अभिनेता से करोड़ों रुपये की फिरौती मांगे जाने की बात भी सामने आई है। इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। मुंबई पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। धमकी भरे ऑडियो में लिए गए नाम और पुलिस रिकॉर्ड में मौजूद संदिग्ध आरोपी की



आवाज का मिलान किया जा रहा है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ऑडियो में आवाज किसकी है और धमकी देने वाले व्यक्ति का वास्तव में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से कोई संबंध है या नहीं।

- तुषार कपूर को भी मिली थी धमकी

इससे पहले अभिनेता तुषार कपूर को भी धमकी भरा ऑडियो मैसेज मिलने की खबर सामने आई थी। उस ऑडियो में धमकी देने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान हैरी बॉक्सर के रूप में बताई थी। हालांकि, शुरुआती जांच में पुलिस ने तुषार कपूर को भेजे गए ऑडियो मैसेज के फर्जी होने की आशंका जताई थी।

- कलाकारों की सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

गौरतलब है कि अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर गोलीबारी की घटना और उसके बाद आयुष्मान खुराना तथा तुषार कपूर को मिली कथित धमकियों ने फिल्म इंडस्ट्री में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। कलाकारों को धमकाकर दहशत फैलाने की कोशिश करने वाले लोगों और गिरोहों का पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि इन सभी घटनाओं के पीछे एक ही गिरोह का हाथ है या अलग-अलग लोग गैंग के नाम का इस्तेमाल कर कलाकारों को डराने और उनसे फिरौती वसूलने की कोशिश कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस की जांच जारी है और धमकी देने वालों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

महादेव बेटिंग ऐप केस में बड़ी कार्रवाई, रवि उप्पल दुबई में गिरफ्तार, भारत लाने की तैयारी तेज

नई दिल्ली। महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप मामले में भारतीय जांच एजेंसियों को बड़ी सफलता मिली है। ऐप के सह-संस्थापक और मामले के प्रमुख आरोपियों में शामिल रवि उप्पल को दुबई में गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई है। उसकी गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) उसे भारत लाने की कोशिशों में जुट गए हैं।

यह घटनाक्रम महादेव ऐप के दूसरे प्रमुख आरोपी सौरभ चंद्राकर के ओमान से भारत प्रत्यर्पण के कुछ ही दिन बाद सामने आया है। हालांकि, भारतीय एजेंसियों की रवि उप्पल की गिरफ्तारी की जानकारी अनौपचारिक माध्यमों से मिली है। संयुक्त अरब अमीरात की ओर से अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ईडी के आरोपों के मुताबिक, रवि उप्पल बेटिंग नेटवर्क के संचालन और वित्तीय लेन-देन में अहम भूमिका निभाता था। उस पर करोड़ों रुपये के कथित हवाला



नेटवर्क को संभालने और छत्तीसगढ़ के नेताओं तथा नौकरशाहों से संपर्क बनाए रखने की जिम्मेदारी होने का आरोप है। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि उससे पूछताछ में अवैध कमाई के लेन-देन, हवाला नेटवर्क और इस कारोबार से जुड़े लाभार्थियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां मिल सकती हैं।

रवि उप्पल के खिलाफ अक्टूबर 2023 में इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। इसके बाद दिसंबर 2023 में उसे दुबई में हिरासत में लिया गया, लेकिन करीब 45 दिन बाद रिहा कर दिया गया था। जांच में यह भी सामने आया था कि रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर के पास वानुअतु के पासपोर्ट हैं। इस मामले में एक अन्य आरोपी विकास छपरिया के भी दुबई में होने की जानकारी है। भारतीय एजेंसियां उसे भी भारत लाने की कोशिश कर रही हैं।

दीपावली पर पटाखा दुकानों के लिए प्रशासन ने जारी किए सख्त दिशा-निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आदित्य सिंह ने दीपावली पर्व को देखते हुए बालाघाट जिले में अस्थाई पटाखा दुकानों के संचालन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सभी अनुविभागीय दंडाधिकारियों को अपने-अपने अनुभाग में अस्थाई पटाखा दुकानों के लिए उपयुक्त स्थल का चयन कर दुकानें स्थापित कराने तथा स्थल के नक्शे की प्रति जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। सभी दुकानें आबादी क्षेत्र से बाहर स्थापित की जाएंगी। इस वर्ष दीपावली पर्व 8 नवंबर 2026 को मनाया जाएगा। पर्व के दौरान आतिशबाजी एवं पटाखों के विक्रय के लिए अस्थाई अनुज्ञप्तियां 3 नवंबर से 21 नवंबर 2026 तक की अवधि के लिए जारी की गई हैं। अस्थाई दुकानों का संचालन विस्फोटक नियम 2008 के प्रावधानों तथा पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा। जारी निर्देशों के अनुसार, पटाखों की दुकानें अज्वलनशील सामग्री से निर्मित सुरक्षित शेड में संचालित की जाएंगी। प्रत्येक दुकान के बीच कम से कम 3 मीटर की दूरी तथा संरक्षित स्थलों से 50 मीटर की दूरी रखना अनिवार्य होगा। अस्थाई शेड एक-दूसरे के आमने-सामने नहीं बनाए जाएंगे। एक क्लस्टर में अधिकतम 50 अस्थाई दुकानों की ही अनुमति दी जाएगी। पटाखा दुकानों में सुरक्षा दृष्टि के अंदर तेल के दीपक, गैस लैंप और खुली बिजली की बत्तियों का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। विद्युत



व्यवस्था के लिए चिन्हित अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिजली के तार दीवार या छत पर सुरक्षित तरीके से लगाए जाएंगे तथा प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज अथवा सर्किट ब्रेकर की व्यवस्था रहेगी। दुकानदारों को अपनी दुकानों में पानी से भरे ड्रम या बाल्टियां और कम से कम दो से तीन बाल्टी रेत रखना अनिवार्य होगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी पटाखा दुकान के 50 मीटर के दायरे में आतिशबाजी जलाना प्रतिबंधित रहेगा। पटाखा बिक्री क्षेत्र में प्रवेश के दौरान लाइटर, माचिस एवं अन्य ज्वलनशील सामग्री ले जाने की अनुमति नहीं होगी। बिक्री परिसर में पटाखों का प्रदर्शन भी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रत्येक दुकान पर धूम्रपान निषेध का बोर्ड लगाना तथा अस्थाई पटाखा अनुज्ञप्ति को दुकान में प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा। पटाखा दुकानों के समूह वाले प्रत्येक परिसर में प्राथमिक चिकित्सा, एंबुलेंस तथा कम से कम दो दमकल गाड़ियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य किया जा सके। प्रशासन ने सभी अस्थाई पटाखा अनुज्ञप्तिधारियों एवं व्यापारियों को निर्देशित किया है कि वे संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय दंडाधिकारी, तहसीलदार, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद अधिकारी अथवा ग्राम पंचायत सचिव द्वारा निर्धारित स्थलों पर ही पटाखों की दुकानें संचालित करें। सड़क किनारे, घरों में अथवा किराना दुकानों पर पटाखों का विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित अधिकारियों को विस्फोटक नियम 2008 के तहत जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने तथा पटाखा बिक्री परिसरों का समय-समय पर भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का उद्देश्य दीपावली पर्व के दौरान आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना और किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकना है।

पटवारी गौरव धोंडे को तहसीलदार कार्यालय किरनापुर में किया गया संलग्न, ओमेश सहारे को अतिरिक्त प्रभार

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। 4 नवंबर 2026। किरनापुर तहसील के ग्राम पौनी के किसानों द्वारा पटवारी गौरव धोंडे के विरुद्ध राजस्व संबंधी कार्यों में अनियमितता के आरोप लगाए जाने पर कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने किरनापुर एसडीएम को इसकी जांच करने के निर्देश दिये हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में किरनापुर एसडीएम श्री कमल सिंहसहार द्वारा पटवारी गौरव धोंडे को आगामी आदेश तक तहसीलदार कार्यालय किरनापुर की कानूनगो शाखा में संलग्न कर दिया गया है। वहीं उनके पटवारी हल्का नंबर 82 पौनी एवं हल्का नंबर 83 पीपलगांववंजुर्ग (अतिरिक्त प्रभार) का दायित्व पटवारी उमेश सहारे को सौंपा गया है। ग्राम पौनी के लगभग चार कृषकों ने पटवारी गौरव धोंडे के विरुद्ध जमीन के खसरा अभिलेखों में कूआं-बोरवेल की प्रविष्टि, भू-अभिलेखों में त्रुटिपूर्ण नाम सुधारने तथा अन्य कार्यों के एवज में रुपये लिए जाने की शिकायत की थी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार जैराज कमानी पिता श्री तरुण भूपतराय कमानी निवासी 24 राय स्ट्रीट एल.आर. सरानी कोलकाता वेस्ट बंगाल 700020 द्वारा भूमिस्वामी परवेज खान पिता जमील अहमद निवासी वार्ड नंबर 14 उकवा (सोनपुरी) तहसील परसवाड़ा जिला बालाघाट म.प्र. के स्थामित्व एवं कब्जे की भूमिस्वामी हक की भूमि मौजा मोहद्दा प.ह.नं.-18/26, रा.नि.मं. बैहर तहसील बैहर जिला बालाघाट में स्थित भूमि खसरा नं. 24/2 रकबा 1.821 हेक्टेयर लगान 0.65 पै. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा किया है और शीघ्र ही उक्त वर्णित भूमि के विक्रयपत्र का पंजीयन क्रेता/मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में निष्पादित करवा लिया जावेगा। उक्त भूमि के क्रय विक्रय/पंजीयन के संबंध में हित रखने वाले जिस किसी व्यक्ति को अथवा वित्तीय संस्था या बैंक को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस सूचना प्रकाशन के 10 दिवस के भीतर मेरे अधोलिखित पते पर मय मूल दस्तावेज सहित उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है निर्धारित समयावधि के पश्चात की गयी कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नही की जावेगी एवं पक्षकारगण पर बंधनकारी नहीं रहेगा।

सबब सूचना जारी हो।

बैहर
दिनांक-04.11.2026

भवदीय
जी.एल. गौतम अधिवक्ता
वार्ड नं0 04 नरसिंगटोला बैहर
तह. बैहर जिला बालाघाट
मो.नं.-9993882366

न्यायालय अपर कलेक्टर जिला बालाघाट, मध्यप्रदेश

ईश्तेहार प्रकाशन

प्रकरण कमांक/0195/बी-121/2026-27
मौजा चोटटे तहसील लालबर्रा
जिला बालाघाट (म.प्र.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदक / दत्तकदाता श्री ओमकार राहंगडाले पिता श्री राधेलाल राहंगडाले एंव श्रीमति दिपिका राहंगडाले पति श्री ओमकार राहंगडाले दोनों जाति पंवार निवासीगण बोटटे तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट द्वारा अनावेदक / दत्तकग्रहिता दिपिका पति स्व. श्री मुकेश पारधी निवासी कोरसे तहसील वारासिवनी जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा आवेदैक की पुत्री इशिका पारधी जिसकी उम्र 08 वर्ष जन्मतिथि 20/04/2018 को गोद लिये जाने हेतु हिन्दु दत्तक तथा भरण-पोषण अधिनियम, 1956 (1956 का अधिनियम संख्यांक 78) 1 के अध्याय 2 में दिये गये उपबंधो के तहत गोदनामा विलेख पंजीयन अंतर्गत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार को आपत्ति होने पर स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में सुनवाई 16 / 11 / 2026 तक आपत्ति प्रस्तुत करते है बाद समयावधि में कोई विचार नही किया जावेगा।

दिनांक 04/11/2026 को हस्ताक्षर एंव पदमुद्रा से जारी किया गया।

अपर कलेक्टर
जिला बालाघाट(म.प्र.)

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/8419/अति.कले. / बि.पंजी / 2026-27 बालाघाट दिनांक 04/11/2026

आम-सूचना

हिन्दू विवाह रजिस्ट्रेशन नियम 1984 के नियम (1) 4 के अन्तर्गत प्रारूप एक में विवाह के रजिस्ट्रीकरण हेतु आवेदकगण श्री आनंद करणवीर सिंह ठाकुर पिता श्री करणवीर सिंह ठाकुर उम्र 50 वर्ष निवासी छोटा ताजवाग भोसले नगर नागपुर तहसील व जिला नागपुर (महा.) एवं आवेदिका रश्मि राजपुत पिता श्री ओमप्रकाश सिंह राजपुत उम्र 42 वर्ष जाति राजपूत निवासी वार्ड नं0 01 बूढी बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट (म0प्र0) ने उपस्थित होकर आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें उन्हें विवाह पंजीयन जारी किया जाना है। विवाह पंजीयन हेतु सुनवाई दिनांक 20/11/2026 को नियत की गई है।

अतः उक्त विवाह पंजीयन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है तो वह सुनवाई दिनांक 20/11/2026 तक न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी बालाघाट के समक्ष न्यायालयीन समय प्रातः 11:00 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला बालाघाट(म.प्र.)

जागपुर में 10 नवंबर को सजेगा 'सुरमय मेला', 25 कलाकार देंगे धमाकेदार रंगारंग प्रस्तुति

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय से महज 5 किमी दूर ग्राम जागपुर (हिंदीटोला) में आगामी 10 नवंबर को सुरमय मेला के नाम से सांस्कृतिक लोक कला मंच का भव्य आयोजन किया जाएगा। सार्वजनिक मड़ई-मेला उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में 25 कलाकारों द्वारा धमाकेदार रंगारंग प्रस्तुतियां दी जाएंगी।



गीत-संगीत और लोक कला से सजे इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। कार्यक्रम में कलाकार अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। सुरमय मेला के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ ही लोगों को मनोरंजन का अवसर प्रदान किया जाएगा।कार्यक्रम ग्राम जागापुर (हिंदीटोला), जिला बालाघाट में आयोजित होगा।कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी सार्वजनिक मड़ई-मेला उत्सव समिति ने संभाली है। समिति के अध्यक्ष आशीष करकाड़े, उपाध्यक्ष लोकेश बारीकर, कोषाध्यक्ष हेमचंद सहारे, सचिव संजय चौहान एवं फूलेन्द्र बांगड़े सहित सहसचिव और कार्यकारिणी सदस्य आयोजन की तैयारियों में जुटे हैं।वहीं कार्यकारिणी में डॉ. संतोष खरोले, धरम राठा, राजेश बारीकर, अनिल उपवंशी, विजय खरोले, अजय कारमपे, राम गिरी गोस्वामी एवं योगेश करकाड़े सहित अन्य सदस्य शामिल हैं।10 नवंबर को होने वाले इस सांस्कृतिक आयोजन में 25 कलाकारों की प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। ग्रामीण अंचल में गीत-संगीत और लोक कला की रंगीन शाम सजाने की तैयारी की जा रही है। समिति अध्यक्ष उपाध्यक्ष कोषाध्यक्ष सचिव सह सचिव कार्यकारिणी सहित अन्य सदस्य युवराज कनोजे, अंकेश नेवारे, अरूण दुबे, गोलू बागडे गुरु सहारे ,प्रमोद वरकड़े, राजा बोरकर, रविंद्र सेंदे, रितांशु गेडाम, रितांशु बारेकर, हितेश सहारे,दिलीप खरोले, अतुल गौरे, पवन मसराम, आदित्य नेवारे, दुर्गा प्रसाद चौहान सहित अन्य सदस्य ग्राम पंचायत जागपुर में उक्त कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

शिक्षा जगत में पी.सी. त्यागी का योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा- भावभीने माहौल में हुआ गरिमामय विदाई समारोह

पद्मेश न्यूज। बैहर। स्थानीय पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सीमव्यार को वरिष्ठ व्याख्याता एवं लिंगा हाई स्कूल के प्राचार्य श्री पी.सी. त्यागी के सेवानिवृत्त होने पर उनके सम्मान में गरिमामय एवं भावुक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। लंबे समय तक शिक्षा जगत में अपनी निष्ठा, समर्पण और कर्तव्यपरायणता के साथ सेवाएं देने वाले श्री त्यागी को विद्यालय परिवार एवं छात्राओं ने भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर पूरा वातावरण आत्मीयता, सम्मान और भावुकता से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विकासखंड अधिकारी बैहर श्री नरेंद्र वैद्य, विद्यालय के प्राचार्य श्री एन.सी. पटले तथा समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण, पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात छात्राओं द्वारा स्वागत गीत एवं विदाई गीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं। गीतों के माध्यम से छात्राओं ने अपने प्रिय शिक्षक के प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता का भाव प्रकट किया।

समारोह को संबोधित करते हुए संस्था के प्राचार्य श्री एन.सी. पटले ने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल कक्षा में पाठ्यक्रम पूरा कराना नहीं होता, बल्कि वह विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, व्यक्तित्व विकास और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव भी रखता है। श्री पी.सी. त्यागी ने अपने लंबे सेवाकाल में जिस समर्पण, अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और प्रभावी अध्यापन शैली का परिचय दिया है, वह हम सभी के लिए सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति शासकीय सेवा का एक पड़ाव है, लेकिन एक अच्छे शिक्षक के विचार, संस्कार और मार्गदर्शन विद्यार्थियों के जीवन में हमेशा जीवित रहते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित सहकर्मियों एवं वरिष्ठ शिक्षकों ने श्री त्यागी के साथ बिताए गए अपने अनुभवों और यादगार शैक्षणिक पलों को साझा किया। वक्ताओं ने उनके सरल, सहज, सौम्य एवं मिलनसार व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने सेवाकाल में शिक्षा के प्रति पूरी निष्ठा से कार्य किया और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को हमेशा प्राथमिकता दी। उनके कार्य करने की शैली, अनुशासनप्रियता तथा सहयोगात्मक व्यवहार ने विद्यालयीन वातावरण को सकारात्मक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।



विदाई समारोह का सबसे भावुक क्षण उस समय देखने को मिला, जब छात्राओं ने अपने प्रिय शिक्षक के प्रति अपने मन के भाव व्यक्त किए। छात्राओं ने कहा कि शिक्षक के रूप में श्री त्यागी से उन्हें न केवल विषय संबंधी ज्ञान प्राप्त हुआ, बल्कि जीवन में अनुशासन, मेहनत, संस्कार और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिली। उनके मार्गदर्शन और स्नेह को छात्राओं ने अपने जीवन की अनमोल पूंजी बताया। इस दौरान कई भावुक क्षण भी देखने को मिले।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार की ओर से सेवानिवृत्त शिक्षक श्री पी.सी. त्यागी को शाल, श्रीफल एवं स्मृति स्वरूप उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं छात्राओं ने उनके स्वस्थ, सुखमय, आनंदमय एवं दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती अंजुम कुरैशी ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन के साथ समारोह का समापन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, कर्मचारीगण एवं छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

विदाई के इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने श्री त्यागी को भावपूर्ण विदाई देते हुए यह संदेश दिया कि एक शिक्षक भले ही शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो जाता है, लेकिन उसके द्वारा दिए गए ज्ञान, संस्कार और शिक्षा की रोशनी पीढ़ियों तक समाज को आलोकित करती रहती है।

5वीं नेशनल कराटे चैंपियनशीप में बालाघाट के खिलाड़ियों ने जीते 29 पदक

12 स्वर्ण, 12 रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर मध्य प्रदेश को दिलाया गौरव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित 5वीं नेशनल कराटे चैंपियनशिप में बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 29 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में जिले के 15 खिलाड़ियों ने भाग लेकर 12 स्वर्ण, 12 रजत और 5 कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। वहीं मध्य प्रदेश की टीम ने प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। मध्य प्रदेश कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन तथा छत्तीसगढ़ शुतो कान स्पोर्ट्स कराटे-डु इंडिया एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक रायपुर के ग्राम चंदखुरी स्थित कौशल्या भवन में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का संचालन रायपुर जिला एसोसिएशन के अध्यक्ष शिहान ईशांत महंत के नेतृत्व में किया गया। इसमें झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी के मार्गदर्शन में तथा मुख्य कराटे प्रशिक्षक संतोष पारधी एवं सहायक प्रशिक्षक शुभम मानेधर के नेतृत्व में प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। खिलाड़ियों ने कराटे की दोनों विधाओं काता एवं कुमिते में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक हासिल किए।



इन खिलाड़ियों ने जीते पदक

प्रतियोगिता में डाली महोरकर ने 1 स्वर्ण और 1 रजत, नेहा झाड़े ने 2 रजत, रिया राकेसिया ने 1 स्वर्ण और 1 रजत, ईशा अग्रवाल ने 1 रजत और 1 कांस्य, चार्वी बोपचे ने 2 स्वर्ण, निमा बैनी बंगड़े ने 1 रजत और 1 कांस्य, तनीषा बांगड़े ने 1 स्वर्ण और 1 रजत, शिवम खवनकर ने 1 रजत, मान्या कटरे ने 2 स्वर्ण, आराध्या धुवारे ने 2 रजत, प्रज्ञा यादव ने 1 स्वर्ण और 1 कांस्य, रिहान गंगभोज ने 2 रजत, काव्य राणा ने 1 स्वर्ण और 1 कांस्य, एंजेल कांवरे ने 1 स्वर्ण और 1 कांस्य तथा अक्षरा पाचे ने 1 स्वर्ण और 1 रजत पदक अर्जित किया। बालाघाट के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर संस्था के संरक्षक अनिल धुवारे, अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया, सह सचिव चंद्रकांत पिपलेवार, कोषाध्यक्ष सरिता सोनकर, जिला खेल अधिकारी राहुल बारेसा एवं खेल विभाग के समस्त स्टाफ ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

धान उपार्जन के लिए शेष किसान 11 नवंबर तक करा सकेंगे पंजीयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए पंजीयन से वंचित रह गए बालाघाट जिले के किसानों को शासन ने एक और अवसर प्रदान किया है। शासन द्वारा किसानों के पंजीयन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 4 नवंबर 2026 निर्धारित कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि समर्थन मूल्य पर धान विक्रय के लिए किसानों के पंजीयन को प्रारंभिक अंतिम तिथि 10 अक्टूबर निर्धारित की गई थी। इसके बाद पंजीयन से वंचित किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शासन ने पंजीयन की अवधि बढ़ाकर 4 नवंबर तक कर दी थी। इसके बावजूद बालाघाट जिले में कुछ किसान अपना पंजीयन नहीं करा पाए हैं। ऐसे किसानों की सुविधा को देखते हुए शासन ने एक बार फिर पंजीयन की तिथि में वृद्धि की है। अब 4 नवंबर तक पंजीयन नहीं करा पाए किसान अपने निर्धारित पंजीयन केंद्र पर पहुंचकर 11 नवंबर तक समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए पंजीयन करा सकते हैं। जिले के शेष रह गए किसानों से अपील की गई है कि वे बढ़ाई गई अवधि का लाभ उठाते हुए निर्धारित समय-सीमा में अपना पंजीयन अवश्य करा लें, ताकि समर्थन मूल्य पर धान विक्रय करने में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो।

संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयन

पद्मेश न्यूज। हट्टा। मध्य प्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 15.10.2026 को किया गया था। उक्त प्रतियोगिता में उत्कर्ष प्रदर्शन के आधार पर शासकीय महाविद्यालय हट्टा की छात्रा हिना मात्रे का चयन संभाग स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। जो प्रतियोगिता सिवनी जिले में आयोजित होगी। हिना मात्रे बालाघाट जिले की महिला कबड्डी टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। छात्रा के चयन पर संस्था की प्राचार्य डॉ. दिशा हरिनखेरे कोड़ा अधिकारी डॉ. सचिन तिवारी एवं संस्था के सभी स्टाफ एवं ग्राम हट्टा के सभी खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी।



चौकीदार की आवश्यकता है

शादी के भवन के लिए चौकीदार, परिवार सहित रहने वाले को प्राथमिकता दी जावेगी

8966935382, 9301240270

मकान बेचना है

स्टेट बैंक कालोनी, पालीटेक्निक कालेज के पास गायत्खुरी रोड बालाघाट में पूर्वमुखी दो मंजिला भवन बेचना है। प्लाट का साईज 50×70 ग्राउंड फ्लोर का कारपेट एरिया 1100 एवं प्रथम फ्लोर का कारपेट एरिया 1200 वर्गफिट है।

संपर्क
9826320168

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
गुरुवार 05 नवम्बर 2026

बालाघाट एक्सप्रेस सिटी न्यूज

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

दीपावली को लेकर बाजार हुआ गुलगार,पर्व की तैयारी में जुटे लोग

पर्व विशेष पर दिख रही महगाई का मार,रंगोली के दामो में हुआ इजाफा, अन्य सामग्री भी महंगी, धनतेरस से कारोबार में उछाल आने की उम्मीद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली 2026 का काउंटडाउन अब शुरू हो चुका है।कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि यानी 8 नवंबर दिन रविवार को दिवावाली मनाई जाएगी।दीपो के महोत्सव दीपावली को अब महज 3 दिन शेष रह गए है। जिसके चलते जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में इस पर्व की तैयारिया जोरों पर है।वही आगामी इस पर्व को देखते हुए बाजार एक बार फिर गुलजार हो गया है।जैसे-जैसे दीपावली का त्योहार नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे तैयारियों का सिलसिला तेज होता जा रहा है। घर, दूकान, प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, रंगाई-पुताई के साथ सजावट का सिलसिला तेज हो गया है। व्यापारी और लोग त्योहार से पहले की तैयारियों में व्यस्त नजर आ रहे हैं।शहर हो या गांव सभी जगह दीपोत्सव की तैयारियां युद्ध स्तर पर की जा रही है।वही बाजार में भी चहल-पहल बढ़ गई।





रंगोली की सजने लगी दुकाने

पांच दिवसीय दीपोत्सव की शुरुआत 6 नवंबर धनतेरस से होगी। पहले दिन धनतेरस, दूसरे दिन रूप चौदस, तीसरे दिन महालक्ष्मी पूजा, चौथे दिन पड़वा/गोवर्धन पूजा और पांचवें अंतिम दिन भाईदूज के साथ उत्सव का समापन होगा।प्रकाश पर्व दीपोत्सव के लिए लोगों ने अपने घरद्वदूकान व प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, रंग-रोगन के साथ सजावट शुरू कर दी है। दीपावली के त्योहार को खास बनाने के लिए लोग किसी भी तरह की कमी नहीं रहने देना चाहते हैं।बाजार में भी रंगरोगन और सजावटी वस्तुओं की दुकानों पर रौनक देखने को मिल रहा है। कोई तरह-तरह के कलर खरीद रहा है तो कोई सजावटी वस्तुएं। बाजार में रंगोली के रंगों की दुकानें भी सज गई हैं। कुम्हार परिवार के साथ दीयों की बिक्री के लिए दुकाने सजाए हुए है।वही हर कोई घर-आंगन को आकर्षक रूप देने में जी जान से जुटे हुआ है।

फिर बढ़ी मंहगाई

दीपावली को लेकर जहां एक ओर लोगो में खासा उत्साह है तो वही दूसरी ओर सामग्रियो के दामो का असर भी इस पर्व पर साफ देखा जा रहा है जहां रंगोली सहित अन्य वस्तुओं के दामो में 30 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी जा रही है हालांकि इसके बावजूद भी लोग खरीदारी में जुटे हुए हैं। बात अगर महंगाई की करें तो रंगोली बनाने में लगने वाले उपकरण ,विभिन्न रंग ,डीजल और कच्चे मटेरियल का दाम पहले के मुकाबले महंगा हो चुके है वही व्यापारियों को पहले के मुकाबले अधिक ट्रांसपोर्ट चार्ज की देना पड़ रहा है जिसके चलते रंगोली के दामों में भी 5 प्रतिशत की वृद्धि देखी जा रही है पहले 3रु प्रति ग्लास में मिलने वाली रंगोली अब 5 रु प्रति ग्लास बेची जा रही है वहीं अन्य वस्तुओं के दामों में भी वृद्धि हो चुकी है।

डीजल मिलकर बना रहे कलर

बताया जा रहा है कि रंगोली लाने के बाद उसके विभिन्न कलर बनाने के लिए मिट्टी तेल का उपयोग किया जाता है लेकिन वर्तमान समय में मिट्टी तेल नहीं मिल रहा है जिसकी चलते दुकानदार मिट्टी तेल की जगह कलर बनाने के लिए अब महंगे डीजल का उपयोग कर रहे हैं। वह लागत भी रंगोली में जोड़ी जा रही है जिसके चलते रंगोली इस वर्ष पिछले वर्ष की मुकाबला महंगी है। वहीं स्थानीय स्तर गायखुरी में रंगोली का निर्माण पिछले कई वर्षों से बंद हो चुका है जिसके चलते बाहर से रंगोली लानी पड़ रही है और भाड़ा अधिक होने के चलते भाड़ा का चार्ज भी रंगोली में जुड़ रहा है।

लोगों का रुझान खरीदारी की तरफ नही है

स्थानीय दुकानदारो के अनुसार दीपावली को अभी 3 दिन शेष हैं। दीपावली नजदीक आ रही है लेकिन लोगों का रुझान खरीदारी की तरफ नहीं है ये सॉ मैटेरियल नागपुर, केवलारी से लाते हैं।वही रंगोली बनाने में लगने वाला मटेरियल भी महंगा हो चुका है जिसके कारण रंगोली पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष महंगी है ग्राहक बोलते हैं कि पिछले वर्ष रंगोली का कम रेट था इस वर्ष ज्यादा रेट ज्यादा है। फिलहाल शुरुआती मार्केट में रुझान ठीक नही हैं ।

मटेरियल महंगा होने के चलते बढ़ी है महंगाई- दुर्गा प्रसाद

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान दुकानदार दुर्गा प्रसाद राउत ने बताया कि वे करीब 15 वर्षों से रंगोली बेचने का कार्य कर रहे हैं रंगोली की कीमतें हर वर्ष बढ़ रही है इस वर्ष भी मटेरियल महंगा हो चुका है वही पेट्रोल डीजल महंगा होने के चलते भाड़ा भी महंगा हो चुका है ग्राहक भी बोल रहे हैं कि महंगाई बढ़ गई है लेकिन जब हमें ही महंगा माल आ रहा है तो हम पुराने रेट में रंगोली कैसे बेच सकते हैं। उन्होंने बताया कि वे पिपरवानी से रंगोली ला रही हैं पहले 1500 से 1800 रुपए बोरी रंगोली मिलती थी। लेकिन अब वही रंगोली 2200 से 2500 रु बोरी मिल रही है फिलहाल ग्राहक नहीं आ रहे हैं और अगर आते भी हैं तो बहुत ज्यादा मोल भाव करते हैं हमे धनतेरस से मार्केट में उछाल आने की संभावना है फिलहाल व्यापार ठंडा पड़ा है।

बिना वैध मंडी अनुज्ञा पत्र के 293 क्विंटल मक्का का परिवहन करते ट्रक पकड़ा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कृषि उपज के अवैध परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए मंडी समिति और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए 293 क्विंटल मक्का का अवैध परिवहन कर रहे एक ट्रक को पकड़ा है। बालाघाट-गोंदिया मार्ग पर मर्री टोल प्लाजा के पास की गई इस कार्रवाई में परिवहनकर्ता फर्म से 74 हजार 734 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी के निर्देशन में मंडी समिति एवं राजस्व विभाग का संयुक्त दल 3 अक्टूबर 2026 की रात्रि में मंडी क्षेत्र का निरीक्षण कर रहा था। इसी दौरान मर्री टोल प्लाजा पर ट्रक क्रमांक एमएच 40 बीजी 4165 को रोककर जांच की गई। जांच में ट्रक में 293 क्विंटल मक्का लोड पाया गया। यह मक्का सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा से राजनांदगांव ले जाया जा रहा था। परिवहन के दौरान ट्रक चालक के पास वैध मंडी अनुज्ञा पत्र नहीं पाया गया। इस पर मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19(6) के उल्लंघन का प्रकरण तैयार कर परिवहनकर्ता फर्म मेसर्स शंकरलाल साहू, कान्हीवाड़ा से 74,734 रुपये का दांडिक मंडी शुल्क वसूल किया गया। संयुक्त कार्रवाई में मंडी सचिव उत्तम प्रसाद नाटोनिया, मंडी निरीक्षक भानेश्वर तुरकर एवं मनोज पटले, राजस्व निरीक्षक हितेंद्र सिंह मर्सकोले तथा उपनिरीक्षक जीवनसिंह कुसरे शामिल रहे। एसडीएम एवं मंडी समिति के भारसाधक अधिकारी गोपाल सोनी ने निर्देश दिए हैं कि मंडी समिति बालाघाट के अंतर्गत बालाघाट, लामता, चांगोटोला, लांजी, किरनापुर एवं रजेगांव मंडी क्षेत्रों में कृषि उपज के अवैध परिवहन और अवैध भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रखी जाए।



मेले-मड़ई और सामाजिक आयोजनों में स्थायी पुलिस पटेलों की भूमिका तय करने की मांग

ग्रामीण पटेल कल्याण संघ ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन, गांवों में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस पटेलों को सहभागी बनाने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के दीपावली के बाद से ही मंडई और मेलो का दौर शुरू हो जाता है।गांवों में आयोजित होने वाले मेले, मड़ई, दीपावली सहित अन्य सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में स्थायी पुलिस पटेलों की भूमिका सुनिश्चित करने की मांग उठी है। ग्रामीण पटेल कल्याण संघ मध्यप्रदेश ने इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालाघाट को ज्ञापन सौंपकर जिले के समस्त थानों में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है।ग्रामीण पटेल कल्याण संघ के पदाधिकारियों ने सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में समय-समय पर विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों में गांव की शांति व्यवस्था बनाए रखना पुलिस प्रशासन के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। ऐसे में गांव के स्थायी पुलिस पटेलों की सहभागिता सुनिश्चित किए जाने से व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है।



समस्त थानों को जारी किए जाए दिशा निर्देश

ज्ञापन में कहा गया है कि गांवों में आयोजित होने वाले मेले, मड़ई और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान किसी भी प्रकार की जांच-पड़ताल अथवा शांति व्यवस्था से संबंधित गतिविधियों में स्थायी पुलिस पटेलों को शामिल किया जाना चाहिए। पुलिस प्रशासन द्वारा ग्राम के स्थायी पुलिस पटेलों को सहयोगी बनाकर कार्य किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में शांति व्यवस्था कायम रखने में बेहतर समन्वय स्थापित हो सके।संघ ने मांग की है कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इस ज्ञापन को संज्ञान में लेते हुए उचित कार्रवाई करें और बालाघाट जिले के सभी थानों में पत्र जारी कर आवश्यक निर्देश प्रदान करें। साथ ही की गई कार्रवाई से ग्रामीण पटेल कल्याण संघ मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत को अवगत कराने का अनुरोध किया गया है। ग्रामीण पटेल कल्याण संघ ने पुलिस प्रशासन से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी पुलिस पटेलों की भूमिका को महत्व देते हुए उन्हें सामाजिक आयोजनों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के कार्य में सहभागी बनाने की अपेक्षा जताई है।इस दौरान संघ प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल शरणागत, जिलाध्यक्ष कृष्णा कुमार लिल्हारे, तृ. अध्यक्ष उदेलाल डहरे, तृ. सचिव चुड़ामन सिकरे, राम प्रसाद बघेल, ठानीलाल टेकरेले, दिपचन्द रगरिगे, प्रान्तिय सचिव विश्वनाथ नगपुरे, और सुरेन्द्र सिंह चौहान सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राम्हेपुर पहुंच मार्ग पर सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार सहित दो घायल-दोनों जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत गढ़ी-मोतीनाला मार्ग पर स्थित ग्राम राम्हेपुर पहुंच मार्ग के समीप मंगलवार की शाम सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल हो गए। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने सड़क पर पैदल जा रहे एक युवक को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई, जिससे मोटरसाइकिल चालक भी सड़क पर गिरकर घायल हो गया। दुर्घटना में घायल दोनों युवकों को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। दोनों घायल जिनमे राम सिंह पिता विश्रम सैयाम 35 वर्ष ग्राम अरंडी थाना गढ़ी तथा विनोद पिता सुरेंद दास सोनवानी 18 वर्ष ग्राम कुकर्रा, ब्राम्हण टोला थाना गढ़ी निवासी है जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राम सिंह सैयाम और विनोद सोनवानी मजदूरी का कार्य करते हैं बताया गया है कि 3 नवंबर को गढ़ी में साप्ताहिक बाजार लगा हुआ था। इसी बाजार में शामिल होने के लिए राम सिंह सैयाम मोटरसाइकिल से गढ़ी आया था जबकि विनोद सोनवानी पैदल ही बाजार पहुंचा था। बाजार में खरीदारी करने



के बाद विनोद पैदल अपने गांव की ओर जाने के लिए निकला। वहीं शाम करीब 6 बजे राम सिंह भी अपनी मोटरसाइकिल से ग्राम अरंडी स्थित अपने घर के लिए रवाना हुआ इसी दौरान गढ़ी से मोतीनाला मार्ग पर ग्राम राम्हेपुर पहुंच मार्ग के समीप राम सिंह की मोटरसाइकिल आगे चल रहे विनोद सोनवानी से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई तथा घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।द्वारंभ में दोनों घायलों को गढ़ी अस्पताल ले जाकर भर्ती किया गया।जहां चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।इसके बाद उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें बैहर के शासकीय अस्पताल रैफर किया गया। बैहर से बेहतर उपचार के लिए दोनों को जिला अस्पताल बालाघाट भेजा गया। जहां उनका उपचार किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर गढ़ी पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। पुलिस दुर्घटना के कारणों एवं परिस्थितियों की जानकारी जुटा रही है।

दो मोटरसाइकिल की भिड़ंत में सब्जी व्यवसायी घायल-जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट-बैहर रोड पर आर्वलाझरी के पास पुराने वेयरहाउस के सामने दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार शरद पिता चैतराम लिल्हारे 44 वर्ष ग्राम आर्वलाझरी निवासी घायल हो गए। उन्हें डायल 112 की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शरद लिल्हारे सब्जी का व्यवसाय करते हैं। 4 नवंबर की सुबह वे मोटरसाइकिल से सब्जी खरीदने बालाघाट आए थे। सब्जी खरीदने के बाद सुबह करीब 10 बजे वे अपनी मोटरसाइकिल से वापस गांव आर्वलाझरी लौट रहे थे। इसी दौरान बैहर रोड पर पुराने वेयरहाउस के सामने आर्वलाझरी के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि शरद मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़े और घायल हो गए। वहीं, दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार युवक दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि शरद की मोटरसाइकिल को टक्कर मारने वाला युवक भी आर्वलाझरी गांव का निवासी है। घटना



की सूचना मिलने पर डायल 112 मौके पर पहुंची और घायल शरद को उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया जहां उन्हें भर्ती कराया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल के बयान दर्ज कर मामले की आगे की कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित थाना भरवेली पुलिस को प्रकरण भेज दिया है।

जहरीले सांप के काटने से 3 साल 9 माह के मासूम की मौत-गांव में पसरा मातम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के गढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिजोरा के कोलियरा टोला में जहरीले सांप के काटने से 3 वर्ष 9 माह के मासूम बालक अर्चित पिता गंगाराम परते की दर्दनाक मौत हो गई। घटना 3 नवंबर की शाम की बताई जा रही है। खेलते-खेलते घर के पास मवेशियों को बांधने वाले कोठे की ओर पहुंचे मासूम को जहरीले सांप ने दाहिने हाथ में डस लिया। परिजन तत्काल उसे उपचार के लिए गढ़ी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मासूम की असमय मौत से परिवार में मातम छा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालकअर्चित अपने माता-पिता की तीन संतानों में सबसे छोटा था। उसके पिता गंगाराम परते खेती-किसानी का कार्य करते हैं और परिवार का भरण-पोषण करते हैं।बताया गया है कि 3 नवंबर को दोपहर करीब 4:30 बजे अर्चित अपने घर में खेल रहा था। इस दौरान उसकी मां घरेलू कामकाज में व्यस्त थी। खेलते-खेलते अर्चित घर के पास स्थित मवेशियों को बांधने वाले कोठे की ओर चला गया। इसी दौरान वहां मौजूद किसी जहरीले सांप ने उसके दाहिने हाथ में काट लिया। सांप के काटने के बाद मासूम किसी तरह घर पहुंचा और अपनी मां को बताया कि उसे बड़े सांप ने काट लिया है। मासूम की बात सुनकर परिजन घबरा गए और बिना देर किए उसे तत्काल उपचार के लिए गढ़ी के अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार शुरू किया गया लेकिन हालत बिगड़ने के कारण उसे बचाया नहीं जा सका। उपचार के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया।घटना की सूचना मिलने पर गढ़ी पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई की।4 नवंबर को पुलिस द्वारा पंचनामा कार्रवाई के बाद मासूम अर्चित के शव का पोस्टमार्टम कराया गया और शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच में लिया है। मासूम की असमय मौत से माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में कुछ समय पहले तक बच्चे की किलकारियां गूंजती थीं, वहां अब मातम पसरा हुआ है। इस हृदयविदारक घटना से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

बडगुल नाले के पास पेड़ पर लटका मिला व्यक्ति का शव





पुत्र की मौत के बाद से मानसिक तनाव में था मृतक, पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत बुट्टा ह. के गौंडीटोला के बडगुल नाला के पास स्थित एक पेड़ पर 59 वर्षीय व्यक्ति का फांसी पर लटका हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया, जिसकी पहचान सूरजाटोला मोहगांव ध. निवासी सदन दमाहे के नाम से हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरजाटोला मोहगांव (ध.) निवासी 59 वर्षीय सदन दमाहे खेती-किसानी के साथ ही मजदूरी का कार्य करता था, उसके परिवार में पत्नि और बच्चें है। बुधवार को रोजाना की तरह वह साइकिल लेकर घर से निकला था। जिससे परिजनों को लगा कि वह काम पर जा रहा है। वहीं करीब प्रात: 8.30 बजे बुट्टा ह. के गौंडीटोला स्थित बडगुल नाले की ओर कुछ ग्रामीण शौच के लिए गये थे। इस दौरान उन्होने नाले के पास एक पेड़ पर एक व्यक्ति को फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर एकल हो गये और गांव में यह खबर आग की तरह फैल गई। ग्रामीणों ने शव की पहचान सदन दमाहे के रूप में की और तुरंत इसकी सूचना उसके परिजनों व पुलिस को दी।

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा

घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक अनिल मडावी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा और आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी की। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टर के द्वारा मृत व्यक्ति का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक सदन दमाहे के पुत्र की गत 15 से 20 दिन पूर्व ही मृत्यु हो गई थी। इस अप्रत्याशित घटना के बाद से वह लगातार गहरे मानसिक तनाव में चल रहा था। आशंका जताई जा रही है कि इसी मानसिक तनाव या किसी अन्य अज्ञात कारणों के चलते उसने यह कदम उठाया है। फि लहाल लालबर्रा पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच की जा रही है - अनिल

दूरभाष पर चर्चा में सहायक उपनिरीक्षक अनिल मड़ावी ने बताया कि बुधवार की सुबह जानकारी मिली थी कि गौंडीटोला बुट्टा ह. स्थित नाले के पास पेड़ में एक व्यक्ति फांसी पर लटका हुआ है, जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही की गई। वहीं मृतक की पहचान 59 वर्षीय सदन दमाहे के नाम से हुई है, जिसके पुत्र का विगत दिवस मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद से वह मानसिक तनाव में था। आशंका व्यक्त की जा रही है किसी मानसिक तनाव में आकर फांसी लगाई होगी, जिससे उसकी मौत हुई है। पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

बघोली में 'लोक स्वरांजलि' पारम्परिक लोक कला मंच (छत्तीसगढ़ी) कार्यक्रम 12 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बघोली में तीसरी मंडई उत्सव के अवसर पर आगामी 12 नवंबर को रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति की सुप्रसिध्द लोक कला मंच 'स्वरांजलि' सिहावा नगरी, धमतरी का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। वहीं ग्राम बघोली में विगत 30 वर्षों से छत्तीसगढ़ अंचल के सुप्रसिध्द और पारंपरिक अनेकानेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां निरंतर आयोजित की जाती रही हैं। ग्रामीण संस्कृति और लोक कलाओं के संरक्षण की यह परंपरा इस क्षेत्र की एक खास पहचान बन चुकी है, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से दर्शक पहुंचते हैं। चर्चा में आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी कमलेश खरोले ने बताया कि बघोली में दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए आगामी 12 नवंबर को रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोकनृत्य और संस्कृति के सुप्रसिध्द लोक कला मंच 'स्वरांजलि' सिहावा नगरी, धमतरी का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आयोजित कार्यक्रम के संचालक एवं कलाकार अपने पारंपरिक सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कर्मा गीत, जस, सुवा, गौरा-गौरी, राउत नाचा, पंथी गीत और छत्तीसगढ़ी लोक नाटक की प्रस्तुति देंगे। वहीं कार्यक्रम के संचालक एवं कलाकार इसका निर्देशन हरीश मरकाम द्वारा किया जाता है। इसके प्रमुख गायकों और कलाकारों में राजेश पटेल,



विजय साहू, यमुना वट्टी, रिया दुबे, लोकेश्वरी यादव और मनोहर नेताम शामिल हैं जो अपने सुमधुर गीतों से पूरी रात समां बांधेंगे। इस अवसर पर जिलेवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष कन्हैयालाल धानेश्वर, उपाध्यक्ष जागेश्वर चौधरी, रूपचंद रहांगडाले, सचिव चैनलाल चौधरी, डॉ. दीपक पटले, कोषाध्यक्ष देवराम साहू (उपसरपंच), संरक्षक अरजद पापा पटेल (सरपंच) एवं समस्त पंचगण एवं ग्रामीणजनों ने की है।

मिरेगांव में दिन-रात की मंडई 10 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत मिरेगांव के आखर चौक में मंडई-मेला समिति के तत्वाधान में 10 नवंबर को दिन-रात की मंडई के अवसर पर रात 9 बजे से छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में मंडई मेला समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी प्रथम मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए 10 नवंबर को रात 9 बजे से गवई के चिन्हा छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें गायक राहुलसिंह अड्डमे सहित अन्य कलाकारों के द्वारा सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर खेलीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील मंडई मेला समिति मिरेगांव अध्यक्ष विरेन्द्र गौतम, टेकचंद बांगरे, नीरकुमार बघेल, प्रशांत चंद्रवार, मोहनलाल मानेश्वर, धनीराम निन्हारे, तेजराम राउत, संतोष चंद्रवार, जयदीप खरे, संजय मानेश्वर, श्रीकांत चंद्रवार, आदर्श ठहरवाल, रोहित मानेश्वर, प्रदीप नागोसे, प्रदीप बांगरे, फूलचंद सोनेकर, प्रदीप नागोसे सहित अन्य सदस्यगण एवं ग्रामीणजनों ने की है।

पूर्व सरपंच ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय में करोड़ों रूपयों की लागत से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण कार्य किया जा रहा है। ग्राम पंचायत नगपुरा के पूर्व सरपंच सतानंद दमाहे ने मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर लालबर्रा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के नये भवन निर्माण



कार्य में लगी ठेकेदार एजेंसी पर स्टीमेट को दरकिनार कर मनमाने ढंग से और घटिया सामग्री का उपयोग करने का आरोप लगाया है। जिसकी उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्यवाही एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने की मांग की है। शिकायतकर्ता पूर्व सरपंच सतानन्द दमाहे ने बताया कि लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में करोड़ो रूपयों की लागत से नवीन अस्पताल भवन का निर्माण किया जा रहा है, लेकिन इस निर्माण कार्य में ठेकेदार एजेंसी द्वारा सुनिश्चित जगह पर बिल्डिंग का निर्माण नही किया जा रहा है। वही ठेकेदार एजेंसी द्वारा भवन के अंदर कमरों की चौड़ाई व बिल्डिंग की हाईट में भी परिवर्तन किया गया है। आगे बताया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार के स्टीमेट आधारित अनुपात का पालन नहीं किया जा रहा है। भवन निर्माण के लिए ठेकेदार द्वारा चोरी.छिपे नाले की मिट्टी वाली रेत मंगवाई जा रही है और घटिया किस्म के सीमेंट का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही निर्धारित मोटाई और गुणवत्ता वाले लोहे का भी उपयोग नही किया जा रहा है, इस तरह से करोड़ो रूपयों की लागत से बन से सामुदायिक भवन निर्माण कार्य में अनियमितता बरती जा रही है। श्री दमाहे ने बताया कि मंगलवार को कलेक्टर को ज्ञापन सौपकर लालबर्रा में बन रहे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन निर्माण कार्य में एजेंसी द्वारा स्टीमेट आधारित मटेरियल सीमेंट, लोहा, रेत, गुणवत्ताहीन मटेरियल का इस्तेमाल कर शासकीय राशि का दुरूपयोग किये जाने की शिकायत की है। उक्त निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों पर दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की है।

ड्रा से खोला गया 48 पटाखा दुकानों का आबंटन

उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में लगेगी अस्थाई पटाखा दुकानें

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के खेल मैदान में बुधवार को दोपहर में अस्थाई पटाखा दुकान लगाने के लिए ड्रा खोला गया। यह ड्रा खोलने की प्रक्रिया नायब तहसीलदार विनोदकुमार कौरव, पुलिसकर्मी एवं अस्थाई लाइसेंसधारी पटाखा दुकानदारों की उपस्थिति में खोला गया। जिसमें ड्रा के माध्यम से 48 अस्थाई पटाखा दुकानों का आबंटन किया गया। पटाखा दुकानदारों को शासन के नियमों का पालन करते हुए मुख्यालय स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में 48 दुकानें खोलने के निर्देश दिये गये और समस्त सावधानियां बरतने की बात कही गई। वहीं पटाखा दुकान के लिए ड्रा खुलने के बाद प्रशासन के द्वारा उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान का दुकानदारों के साथ निरीक्षण कर दुकान लगाने के लिए जगह का लेआउट देने की कार्यवाही की गई। साथ ही एक-दो दिनों के अंदर दीपावली पर्व के लिए दुकानदार पटाखा की दुकान तैयार कर पटाखा विक्रय करेंगें। वहीं पटाखा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने राजस्व एवं प्रशासन से मांग की है कि किराना एवं अन्य दुकानों में अवैध रूप से पटाखों का विक्रय किया जाता है। उस पर प्रतिबंध लगाकर दण्डात्मक कार्यवाही करने की मांग की है। चर्चा में पटाखा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली पर्व पर शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा के खेल मैदान में पटाखों की दुकानें लगेगी इसलिए प्रशासन के द्वारा ड्रा के माध्यम से दुकाने आबंटित किया गया है और इस बार 48 दुकानें लगेगी। साथ ही यह भी बताया कि प्रशासन के द्वारा स्थल निरीक्षण कर दुकान लगाने के लिए जगह आबंटित की है और प्रशासन ने निर्देश दिये है कि शासन के नियमों का पालन करते हुए सुरक्षा की दृष्टि से रेत, बालियों में पानी, फायर सेफ्टी सहित सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम रखने कहा गया है। आगे बताया कि प्रशासन से मांग है कि बाजार क्षेत्र स्थित कुछ दुकानों में अवैध रूप से पटाखों का विक्रय किया जाता है उन पर प्रतिबंध लगाये। इस अवसर पर अस्थाई लाइसेंसधारी पटाखा दुकानदार एवं प्रशासनिक अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।





नियमों का पालन करते हुए लगायेंगे पटाखा दुकानें - मनीष

पटाखा दुकानदार मनीष कुशवाहा ने बताया कि लालबर्रा तहसील कार्यालय में राजस्व विभाग के अधिकारियों के समक्ष पटाखा एसोसिएशन के सदस्यों की उपस्थिति में ड्रा के माध्यम से 48 अस्थाई पटाखा दुकानों का आबंटन किया गया है और हाई स्कूल मैदान में दुकाने लगेंगी। साथ ही यह भी बताया कि तहसीलदार के द्वारा सभी दुकानदारों को निर्देश दिये गये है कि दुकानों के सामने पानी, रेत, फायर की व्यवस्था एवं दुकान के चारों ओर टीन से ढकी होनी चाहिए और शासन के नियमानुसार दुकानें लगाकर पटाखा का विक्रय किया जायेगा।

उत्कृष्ट विद्यालय में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत नगर के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरूआत स्कूल प्राचार्य सनत दुबे की अध्यक्षता और मेडिकल ऑफिसर डॉ. मुकेश चौहान की विशेष उपस्थिति में हुई। शिविर के दौरान मेडिकल टीम में शामिल डॉ. मुकेश चौहान, डॉ. कामिनी टेम्भरे, एएनएम अनीता मानेश्वर और डॉ. अविनाश मैश्राम द्वारा अध्ययनरत विद्यार्थियों का गहन स्वास्थ्य परीक्षण व हेल्थ स्क्रीनिंग की गई। इस स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान बच्चों में होने वाली बीमारियां, जन्मजात विकृतियां, पोषक तत्वों की कमी और शारीरिक-मानसिक विकास संबंधी देरी को पहचान पर विशेष जोर दिया गया। वहीं सामान्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रसित विद्यार्थियों को चिकित्सकों द्वारा उचित स्वास्थ्य मार्गदर्शन के साथ नि:शुल्क दवाएं वितरित की गईं। साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान जिन बच्चों में गंभीर या जटिल स्वास्थ्य समस्याएं पाई जायेगी, उन्हें विशेषज्ञ इलाज और बेहतर देखभाल के लिए जिला चिकित्सालय रेफर किया जायेगा। चिकित्सकों ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत यह स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आगामी 10 दिनों तक क्षेत्र के अलग-अलग विद्यालयों में आयोजित किया जायेगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों में पनपने वाली बीमारियों और स्वास्थ्य समस्याओं को समय रहते पहचान कर उन्हें तुरंत और समुचित उपचार उपलब्ध कराना है। चर्चा में आयुष मेडिकल ऑफिसर डॉ. मुकेश चौहान ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्कूलों और आंगनवाड़ी केन्द्रों में शिविर आयोजित कर बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण और स्क्रीनिंग की जा रही है। इसी कड़ी में बुधवार को लालबर्रा के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया और स्कूल में करीब 1600 बच्चें दर्ज है, जिनका स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।





डॉ. चौहान ने बताया कि इस स्वास्थ्य परीक्षण में बच्चों में मुख्य रूप से सर्दी, जुकाम, वायरल संक्रमण, त्वचा से संबंधित बीमारियों, हृदय से संबंधित समस्याएं, एनीमिया और विटामिन की कमी जैसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। वहीं गंभीर रूप से ग्रसित बच्चों को जिला अस्पताल या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा रेफर किया जाता है। साथ ही बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित उचित मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया और यह शिविर आगामी 10 दिनों तक अलग-अलग स्कूलों में आयोजित किया जायेगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करना तथा समय पर बीमारी की पहचान कर उन्हें उचित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।



मंगेझरी से भद्रीटोला और बलीपाटटोला पहुंच मार्ग जर्जर

ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी, कार्य के बाद भी नहीं सुधरी सड़क की हालत





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मंगेझरी की बस्ती से भद्रीटोला एवं बलीपाटटोला जाने वाला पहुंच मार्ग लंबे समय से जर्जर अवस्था में है। सड़क पर जगह जगह छोटे-बड़े गड्ढे होने से ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे और ऊबड़-खाबड़ मार्ग के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से सड़क के डामरीकरण की मांग की जा रही है लेकिन अब तक समस्या का स्थाई समाधान नहीं हो पाया है।

मुरूम डालने के बाद भी नहीं सुधरी स्थिति

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत मंगेझरी एक बड़ी पंचायत है जिसके अंतर्गत कई टोले आते हैं। मंगेझरी बस्ती से भद्रीटोला एवं बलीपाटटोला के लिए जाने वाला मार्ग पूरी तरह खराब हो चुका है। सड़क पर गड्ढों के साथ ही कच्चा और ऊबड़ खाबड़ हिस्सा होने से वाहन चालकों को काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। हाल ही में मार्ग पर मुरूम डाली गई है लेकिन इससे भी आवागमन की समस्या दूर नहीं हुई। बारिश के दिनों में सड़क की हालत और बदतर हो जाती है तथा कीचड़ और गड्ढों के कारण लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। इस सड़क की समस्या को लेकर पूर्व में विद्यार्थियों के द्वारा भी आंदोलन और हड़ताल की गई थी। इसके बाद खनिज मद से सड़क निर्माण के लिए १०९ लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे। बताया जाता है कि कार्य मूल्यांकन के आधार पर करीब ३१ लाख रुपये के कार्य भी कराए गए, लेकिन इसके बावजूद मार्ग की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। आज भी ग्रामीणों को जर्जर कच्चे रास्ते से ही आवागमन करना पड़ रहा है। जर्जर सड़क का असर ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ रहा है। भद्रीटोला एवं बलीपाटटोला के निवासियों को वारासिवनी या अन्य स्थानों पर जाने के लिए यात्री वाहन पकड़ने हेतु मंगेझरी बस्ती तक पहुंचना पड़ता है। गांव में संचालित आंटो भी खराब सड़क के कारण इन टोलों तक नहीं जाते। ऐसी स्थिति में लोगों को करीब दो किलोमीटर पैदल चलकर बस्ती तक आना पड़ता है। यह मार्ग नहर के किनारे से होकर गुजरता है सड़क पर गड्ढे और खराब सतह होने के कारण दोपहिया वाहन चालकों के वाहन फिसलने की आशंका बनी रहती है। बारिश के दौरान स्थिति और अधिक खतरनाक हो जाती है। हालांकि अब तक किसी बड़ी जनहानि की जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन ग्रामीणों को हमेशा दुर्घटना का डर बना रहता है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग साइकिल, मोटरसाइकिल, कार, ट्रैक्टर सहित अन्य वाहनों से आवागमन करते हैं। यह मार्ग आगे विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ते हुए सीधे बालाघाट की ओर निकलता है। मंगेझरी बस्ती से आलेझरी तक भी सड़क की स्थिति खराब बनी हुई है। ऐसे में केवल मुरूम डालकर समस्या का समाधान संभव नहीं है। ग्रामीणों एवं राहगीरों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि पूरे मार्ग का स्थायी निर्माण कर डामरीकरण कराया जाए ताकि भद्रीटोला एवं बलीपाटटोला सहित आसपास के ग्रामीणों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके और दुर्घटनाओं की आशंका से भी निजात मिल सके।

सड़की की जर्जर हालत से ग्रामीणों में आक्रोश है-कोठुलाल कटरे

ग्रामीण कोठूलाल कटरे ने बताया कि रास्ता बहुत खराब है गड्ढे ही गए हैं गिट्टी के छोटे-बड़े पत्थर बाहर आ गए हैं साइकिल अनियंत्रित हो जाती है कई बार तो मोटरसाइकिल भी अनियंत्रित हो जाती है। अभी तो चलने लायक मार्ग है बरसात में यह मार्ग पूरा खराब हो जाता है, कीचड़ से भरा रहता है आना जाना नहीं हो पाता है बहुत ही मजबूरी में आते जाते हैं। इसके निर्माण के लिए विद्यार्थियों के द्वारा आंदोलन भी किया गया था। पर हुआ कुछ नहीं यथावत स्थिति आज भी बनी हुई है समस्या उस समय भी उतनी ही थी आज भी उतनी ही है कोई फर्क नहीं पड़ा है। हर ग्रामीण को यहां परेशानी है और विभिन्न ग्राम के लोग रोजाना आना-जाना करते हैं इस मार्ग को बनाना चाहिए।

मार्ग की स्थिति बहुत खराब है कच्चा मार्ग है गड्ढे हो गए है-शंकरलाल अर्जे

राहगीर शंकरलाल अर्जे ने बताया कि ससाह में दो से तीन बार इस मार्ग से आना जाना करना पड़ता है। बाईपास के रूप में यह मार्ग है जो सीधा बालाघाट निकलता है आलेझरी तक यह मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है पूरा कच्चा है गड्ढे हो गए हैं पत्थर बाहर निकल गए हैं करीब ७ किलोमीटर इस प्रकार की समस्या बनी हुई है। यहां के ग्रामीणों की हर समय समस्या है सभी प्रकार के वाहन यहां से आना जाना करते हैं, जो सीधे बालाघाट जाते हैं परंतु इस मार्ग किनारे रहने वाले लोगों को पैदल बस्ती तक आंटो पकड़ने जाना होता है। इस मार्ग की स्थिति बहुत समय से खराब है अभी तो थोड़ी मुरम्म डाल दिए हैं तो अच्छे से आना जाना हो रहा है। वरना नहर में गिरने या गड्ढों में गिरने का डर बना रहता है। हम तो यही चाहते हैं कि इस मार्ग का डामरीकरण करना चाहिए यातायात यहां से बंद चुका है।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल की मासिक बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल की मासिक बैठक भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई। उक्त बैठक प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के निर्देशानुसार आयोजित की गई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, पार्टी की आगामी कार्ययोजनाओं एवं संगठन को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान संगठन को बूथ स्तर पर सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से शक्ति केंद्र प्रभारियों, बूथ अध्यक्षों एवं फ्रंट प्रभारियों को विशेष दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही सभी मोर्चों के अध्यक्ष, संयोजक एवं सह संयोजक तथा महिला मोर्चा की समस्त पदाधिकारियों को संगठनात्मक गतिविधियों को सक्रियता से संचालित करने एवं पार्टी की आगामी कार्ययोजनाओं को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ, विषय को लेकर आगामी कार्यक्रम को रूपरेखा तैयारियों एवं संगठनात्मक जिम्मेदारियों के केन्द्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को घर घर एवं जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया एवं अन्य कई विषयों को लेकर भी विशेष चर्चा की गई। भाजपा नगर मंडल की बैठक के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की माताजी काशी बाई चौहान के निधन एवं पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष खैरलांजी गिरीश बिसेन के निधन पर २ मिनट का मौन रखकर समस्त भाजपाईयों ने श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान किशोर अमुले, संदीप मिश्रा, कन्हैया खैरवार, राजीव गोयल, संजय गुप्ता, विक्की एडे, मिथलेश बुरडे, विनय मुराना, आलोक खरे, कन्हैया नगपुरे, लोकेश ठाकरे, संतोष आड़े, भोजलाल बिसेन, योगेंद्र लिमजे, प्रवीण खरोले, एम एल चावके, मीनाक्षी ठाकरे, श्रीमती कंचन नेवारे, श्रीमती सुजाता डहरवाल, श्रीमती रेखा गोखले, विनोद मिश्रा, मयंक मिश्रा, सत्यम शर्मा, रिंकू चापकर, नरेंद्र परिहार, जितेंद्र नगरगड़े, विजेश बिसेन, सुनील झिलपे, रामसिंह धाकड़, संजय बुरडे, मधु जैन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।





मजदूरों का भुगतान नहीं होने पर जनपद सीईओ ने दिखाई सख्ती

रोजगार सहायक और पंचायत सचिव का ७ दिन का वेतन काटा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत कोचेवाही में मजदूरों की मजदूरी का भुगतान नहीं होने की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए



जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते ने सख्त रुख अपनाया है। ३ नवंबर को ग्राम पंचायत के निरीक्षण के दौरान मजदूरों द्वारा पूर्व में किए गए कार्यों की मजदूरी नहीं मिलने की शिकायत किए जाने पर जनपद सीईओ ने संबंधित ग्राम रोजगार सहायक एवं पंचायत सचिव को कारण बताओ कार्यवाही के तहत ज्ञापन जारी किया है। साथ ही दोनों का नवंबर माह का ७ दिवस का वेतन अवैतनिक करने के निर्देश दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार जनपद सीईओ ममता कुलस्ते ने ३ नवंबर २०२६ को ग्राम पंचायत कोचेवाही का निरीक्षण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में मजदूरों ने पूर्व में किए गए कार्यों की मजदूरी का भुगतान नहीं होने की शिकायत की। मजदूरों ने बताया कि उनके द्वारा कार्य किए जाने के बावजूद उन्हें अब तक मजदूरी की राशि प्राप्त नहीं हुई है। इस संबंध में संबंधित कर्मचारियों को पहले भी अवगत कराया गया था लेकिन इसके बाद भी भुगतान को लेकर कोई उचित कार्यवाही नहीं की गई। मामले की गंभीरता से लेते हुए जनपद सीईओ ने ग्राम रोजगार सहायक पालसिंह पटले एवं ग्राम पंचायत सचिव उर्वी कालरे को अलग अलग पत्र जारी किया। पत्र में उल्लेख किया कि मजदूरों की शिकायत मिलने के बाद भी उनके भुगतान के संबंध में उचित कार्यवाही नहीं की गई और ना ही सहायक लेखाधिकारी से संपर्क कर भुगतान की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इसके चलते निरीक्षण दिनांक तक अधिकांश मजदूरों का भुगतान अप्राप्त बना हुआ है। जनपद सीईओ ने इसे अपने पदीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही मानते हुए दोनों कर्मचारियों का नवंबर २०२६ माह का ७ दिवस का वेतन अवैतनिक किए जाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही एक सप्ताह के भीतर समस्त मजदूरों से संपर्क कर उनकी लंबित मजदूरी के भुगतान की कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया है।

तीन दिवसीय दिवाली महोत्सव का बचपन प्ले स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता सम्पन्न

मिठाई, तोरण और रंगोली प्रतियोगिता में माताओं ने दिखाया हुनर





पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। बचपन प्ले स्कूल में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय दिवाली महोत्सव का रंगोली प्रतियोगिता के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य श्रीमती अमिता पारधी सहित अन्य गणमान्यजनों की उपस्थिति में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। तीन दिनों तक आयोजित इस महोत्सव में विद्यार्थियों की माताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। महोत्सव के प्रथम दिन मिठाई निर्माण प्रतियोगिता, दूसरे दिन तोरण निर्माण प्रतियोगिता तथा अंतिम दिन रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई। रंगोली प्रतियोगिता में माताओं ने सांस्कृतिक, देशभक्ति, धार्मिक एवं अन्य आकर्षक विषयों पर मनमोहक रंगोलियां उकेरीं। प्रतिभागियों के द्वारा रंगों और कलात्मक कल्पनाओं का सुंदर समन्वय प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता के बाद बाहरी निर्णायक मंडल ने सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का बारीकी से अवलोकन कर अंक प्रदान किए, तथा श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर विजेताओं का चयन किया। तीनों प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्रदान किया गया। वहीं अन्य प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। सभी विजेताओं को उपहार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिताओं में यह रहे विजेता

इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में आयोजित मिठाई निर्माण प्रतियोगिता में सोनाली रुसिया ने प्रथम, पूजा श्रीवास एवं नरेंद्र खंडेलवाल ने द्वितीय तथा रिंसु ठाकरे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार तोरण निर्माण प्रतियोगिता में पल्लवी खंडेलवाल एवं पारुल सोहाने ने प्रथम, साक्षी जैन एवं प्रीति कटरे ने द्वितीय तथा राखी ठाकरे, शिल्पा चिमनानी एवं प्रभा बिसेन ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं रंगोली प्रतियोगिता में रीना रहांगडाले एवं रीना आहूजा ने प्रथम, मुनमुन जैन, किरण रिजवानी एवं अपर्णा डोमडे ने द्वितीय तथा सृष्टि मंडलेकर एवं प्रिया यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दीपावली की परंपराओं से बच्चों को परिचित कराना मुख्य उद्देश्य- अमिता पारधी

प्राचार्य श्रीमती अमिता पारधी ने बताया कि दीपावली पर्व के आगमन को देखते हुए प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी तीन दिवसीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें मिठाई निर्माण, तोरण निर्माण एवं रंगोली निर्माण जैसी गतिविधियां शामिल की गईं। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों की दीपावली पर्व से जुड़ी परंपराओं, रचनात्मक गतिविधियों और सांस्कृतिक महत्व से परिचित कराना है, ताकि वे इन कार्यों को सीख सकें और अपनी संस्कृति से जुड़ाव महसूस करें। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की माताओं ने बड़ी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा के माध्यम से बच्चों का उत्साहवर्धन किया। तीनों दिन निष्पक्ष मूल्यांकन के लिए बाहरी निर्णायक मंडल को आमंत्रित किया गया था। जिनके द्वारा प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों का आकलन कर परिणाम घोषित किए गए। अंत में सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए तीन दिवसीय दिपावली महोत्सव का समापन किया गया।

टवेरा वाहन और मोटरसाइकिल की भिड़ंत में ३२ वर्षीय युवक की मौत

बालाघाट से अपने गांव हथोड़ा लौटते समय ग्राम बुदबुदा के पास हुआ हादसा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी कटंगी मार्ग पर स्थित ग्राम बुदबुदा में ४ नवंबर की शाम करीब ७ बजे टवेरा वाहन और मोटरसाइकिल के बीच हुई जोरदार टक्कर में ३२ वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की



पहचान आनंद पिता हीरालाल चौधरी ३२ वर्ष निवासी ग्राम हथोड़ा थाना तिरोड़ी के रूप में हुई है। वह बालाघाट में मार्केटिंग का कार्य करता था और काम समाप्त कर मोटरसाइकिल से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार आनंद चौधरी ४ नवंबर को बालाघाट से अपनी मोटरसाइकिल के द्वारा ग्राम हथोड़ा के लिए रवाना हुआ था। शाम करीब ७ बजे जब वह वारासिवनी कटंगी मार्ग पर ग्राम बुदबुदा के समीप पहुंचा तभी उसकी मोटरसाइकिल की एक अज्ञात टवेरा वाहन से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल सवार आनंद गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद टवेरा वाहन के मालिक के द्वारा घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए सिविल अस्पताल वारासिवनी पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी अस्पताल प्रबंधन के द्वारा वारासिवनी पुलिस एवं मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे जहां युवक की मौत की खबर से परिवार में शोक छा गया। वहीं पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही करते हुए परिजनों को मौजूदगी में मृतक के शव को सिविल अस्पताल के शव विच्छेदन गृह स्थित फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया गया है। ५ नवंबर को सुबह करीब १० बजे शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा। इसके बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस के द्वारा मामले में आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

विकसित भारत युवा संसद में वेदिका मिश्रा ने जिले में हासिल किया प्रथम स्थान

भोपाल विधानसभा भवन में करेंगी बालाघाट के युवाओं का प्रतिनिधित्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। विकसित भारत युवा संसद की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में वारासिवनी निवासी वेदिका मिश्रा ने लगभग ६० प्रतिभागी विद्यार्थियों के बीच प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का गौरव बढ़ाया है। बालाघाट जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्यार्थियों के बीच आयोजित इस प्रतियोगिता में वेदिका ने अपने प्रभावशाली वक्तृत्व कौशल, विषय की गहन समझ और तार्किक विचारों के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने के बाद अब वेदिका को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश विधानसभा भवन में आयोजित आगामी चरण में भाषण प्रस्तुत कर बालाघाट जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। विधानसभा भवन जैसे महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक परिसर में अपनी बात रखने का यह अवसर उनके लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होने के साथ ही जिले के युवाओं के लिए भी गौरव का विषय है। वेदिका मिश्रा की शैक्षणिक , साहित्यिक और सामाजिक गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी रही है। उन्होंने महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा से पत्रकारिता एवं जनसंचार में पोस्ट ग्रेजुएशन की शिक्षा पूर्ण की है। पत्रकारिता की विद्यार्थी रही वेदिका की रुचि लेखन, जनसरोकारों, समसामयिक विषयों और सार्वजनिक वक्तृत्व में रही है। वे विभिन्न राष्ट्रीय युवा मंचों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा चुकी हैं। वाद, विवाद, भाषण और युवा संवाद जैसे मंचों पर उनकी सक्रिय सहभागिता रही है। वेदिका की यह उपलब्धि केवल प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने तक सीमित नहीं है बल्कि छोटे शहरों और कस्बों से निकलकर प्रदेश के बड़े लोकतांत्रिक मंचों तक पहुंचने की आकांक्षा रखने वाले युवाओं के लिए भी प्रेरणादायी है। अब भोपाल विधानसभा भवन में होने वाले आगामी चरण में वे अपने विचारों के माध्यम से बालाघाट जिले के युवाओं का प्रतिनिधित्व करेंगी। वारासिवनी की वेदिका मिश्रा की इस उपलब्धि से क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। परिजनों, शुभचिंतकों और क्षेत्रवासियों ने उनकी सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आगामी चरण के लिए शुभकामनाएं दी हैं।



कब तक अभियान और अनुदान के भरोसे होगा जल संरक्षण?

जल संकट अब किसी एक गांव, शहर या प्रदेश की समस्या नहीं रह गया है, देश के अनेक जिले आज तेजी से सूखाग्रस्त घोषित हो रहे हैं। अनियमित मानसून एवं भूजल के लगातार गिरते स्तर से आने वाले समय की बड़ी चुनौती हमारे सामने खड़ी है। बारिश का मौसम अभी समाप्त हो हुआ है और जल का पर्याप्त संचय नहीं कर पाने का परिणाम हमारे सामने है। आज सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कब तक जल संरक्षण के नाम पर हम अभियान, सरकारी योजनाएं और आर्थिक अनुदान के भरोसे बैठे रहेंगे? क्या जल संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी है? इसलिए अब प्रत्येक नागरिक की अपनी भूमिका निभानी होगी, क्योंकि जल ही जीवन है और यही हमारे कल को निर्धारित करेगा। भारत में विभिन्न राज्यों के अनेक जिलों में सूखे की स्थिति नीचे जायेंगे, जो आगामी शीघ्र ऋतु में गंभीर जल संकट का रूप ले सकती है। हाल के दिनों में महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित देश के कई राज्यों में सूखे के हालात ने इस सवाल को और गंभीर बना दिया है। महाराष्ट्र में सितंबर 2026 में पहले 265 तालुकाओं को सूखाग्रस्त घोषित किया गया, वहीं अक्टूबर में इस सूची का विस्तार करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 305 तालुकाओं को सूखा प्रभावित क्षेत्र में शामिल करने की जानकारी दी। प्रभावित किसानों को तत्काल राहत देने के लिए 5 हजार रुपये की अग्रिम सहायता के साथ ही भू-राजस्व, फसल ऋण और बिजली बिलों में रियायत जैसे कदम उठाए गए। यह स्थिति बताती है कि सूखे का दायरा कितना व्यापक हो सकता है और उसका असर केवल खेतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आम जनजीवन को भी प्रभावित करता है। मध्य प्रदेश में भी कम बारिश के कारण कई क्षेत्रों में चिंता की स्थिति बनी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में कम वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की समीक्षा की गई। प्रभावित जिलों में सूखे के आकलन के लिए वैज्ञानिक मापदंडों के आधार पर स्थानीय स्तर पर सर्वे कराने और किसानों को राहत देने की दिशा में कार्यवाही पर जोर दिया गया। दूसरी ओर सिंचाई परियोजनाओं को मजबूत करने के लिए 3,378 करोड़ 69 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई। यह स्पष्ट है कि सरकारें संकट के समय राहत और दीर्घकालीन सिंचाई व्यवस्था के लिए प्रयास कर रही हैं, लेकिन केवल राहत और परियोजनाओं से जल संकट का स्थायी समाधान संभव नहीं है। सूखे की स्थिति सामने आने के बाद राहत पैकेज, मुआवजा, टैंकरों से जलापूर्ति और आर्थिक बजट की जरूरत पड़ती है। ये सभी कदम संकट के समय आवश्यक हैं। किसानों को राहत मिलनी चाहिए और आम नागरिकों को पेयजल उपलब्ध कराना सरकार का दायित्व है। लेकिन हमें यह भी समझना होगा कि संकट आने के बाद राहत देना और संकट आने ही न देने के लिए पानी सहेजना, दोनों अलग-अलग विषय हैं। यदि हर साल बारिश के बाद पानी बिना एकत्र किये ही बहकर निकलता रहेगा और भूजल का दोहन उसकी भरपाई से अधिक होगा तो देश की निर्मलता सरकारी योजनाओं और अनुदान पर बहती जाएगी। देश के प्रत्येक नागरिक को जल संरक्षण के लिए अपनी सोच बदलने का समय आ गया है। अब जल संरक्षण को किसी सरकारी अभियान, योजना या अनुदान तक सीमित न रखकर व्यक्तिगत जिम्मेदारी और सामाजिक संकल्प बनाना होगा। प्रत्येक नागरिक को यह समझना होगा कि जितना पानी वह उपयोग करता है, उसके संरक्षण और पुनर्भरण में भी उसकी उतनी ही भागीदारी होनी चाहिए। इसी सोच को 'अपनी जरूरत-अपना जल' के सिद्धांत के रूप में अपनाना होगा। इसके लिए सबसे पहले वर्षा जल संचयन को घर, निजी एवं सरकारी भवन, स्कूल, कार्यालय और सार्वजनिक संस्थानों की अनिवार्य व्यवस्था बनाने की जरूरत है।

देशबंधु चितरंजन-त्याग, स्वराज और राष्ट्रसेवा की अमर विरासत

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास केवल उन नेताओं की कहानी नहीं है, जिन्होंने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राजनीतिक संघर्ष किया। यह उन व्यक्तित्वों की गाथा भी है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रतिष्ठा, संपत्ति और निजी सुख-सुविधाओं को देश के व्यापक हितों के लिए समर्पित कर दिया। देशबंधु चितरंजन दास ऐसे ही विरल व्यक्तित्व थे। वे सफल वकील, कुशल राजनीतिज्ञ, विचारक, साहित्यकार और राष्ट्रवादी नेता थे। उनके जीवन में त्याग केवल भाषण का विषय नहीं, बल्कि व्यवहार का हिस्सा था। पांच नवंबर 1870 को जन्मे चितरंजन दास की जयंती हमें यह विचार करने का अवसर देती है कि राजनीति का वास्तविक उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना है या समाज और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाना। चितरंजन दास का जन्म कलकत्ता में एक शिक्षित और प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। उनके पिता भुवन मोहन दास वकालत से जुड़े थे। प्रारंभिक शिक्षा के बाद उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज में अध्ययन किया और आगे की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए। उन्होंने भारतीय सिविल सेवा की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने का प्रयास किया, लेकिन इस दिशा में आगे नहीं बढ़ सके। बाद में उन्होंने कानून की पढ़ाई पूरी की और भारत लौटकर कलकत्ता उच्च न्यायालय में वकालत शुरू की। अपनी प्रतिभा, मेहनत और कानूनी समझ के बल पर वे शीघ्र ही प्रतिष्ठित बैरिस्टर बन गए। उनकी आय और सामाजिक प्रतिष्ठा लगातार बढ़ रही थी। उनके सामने एक सुरक्षित और सुविधाजनक जीवन का रास्ता खुला था, लेकिन देश की राजनीतिक परिस्थितियों ने उनके जीवन की दिशा बदल दी। बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों में बंगाल विभाजन और स्वदेशी आंदोलन ने राष्ट्रीय चेतना को नई ऊर्जा दी। चितरंजन दास इस आंदोलन से गहराई से जुड़े। उन्होंने अपनी वकालत के साथ-साथ राष्ट्रीय आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध उन्होंने निर्भीक आवाज उठाई। 1908 के अलीपुर बम कांड में अरविंद घोष का बचाव उनकी कानूनी प्रतिभा और राष्ट्रवादी प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने इस मुकदमे में प्रभावशाली पैरवी की और अरविंद घोष को दोषमुक्त कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह मुकदमा उनके सार्वजनिक जीवन का निर्णायक पड़ाव साबित हुआ। महात्मा गांधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन शुरू होने पर चितरंजन दास ने अपनी सफल वकालत छोड़ने का निर्णय लिया। यह सामान्य राजनीतिक फैसला नहीं था। उस समय उनकी कानूनी आय काफी अच्छी थी और बैरिस्टर के रूप में उनका भविष्य उज्ज्वल था। इसके बावजूद उन्होंने पेशे से मिलने वाली आर्थिक सुरक्षा का त्याग कर स्वतंत्रता आंदोलन को अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके इस निर्णय ने अनेक लोगों को प्रभावित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय स्वतंत्रता के लिए केवल राजनीतिक नारे पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि व्यक्तिगत जीवन में भी त्याग और प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है। उनके परिवार ने भी इस संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पत्नी बासंती देवी स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय हुईं। उन्होंने महिलाओं को सार्वजनिक जीवन और राष्ट्रीय संघर्ष से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। अंग्रेजी शासन के विरुद्ध आंदोलन में उनकी गिरफ्तारी ने बंगाल की महिलाओं में नई राजनीतिक चेतना पैदा की। चितरंजन दास के लिए स्वतंत्रता संघर्ष केवल पुरुषों की राजनीतिक गतिविधि नहीं था। वे चाहते थे कि महिलाएं भी राष्ट्रीय जीवन में समान भागीदारी निभाएं। उनके परिवार का सार्वजनिक जीवन में योगदान उनके विचारों की व्यावहारिक अभिव्यक्ति था। चितरंजन दास के त्याग की चर्चा करते समय उनके निजी संसाधनों के सार्वजनिक उपयोग का उल्लेख भी आवश्यक है। उन्होंने अपनी संपत्ति और साधनों को केवल परिवार की सुख-सुविधाओं तक सीमित नहीं रखा। कलकत्ता स्थित उनका रसा रोड का आवास सार्वजनिक उद्देश्य के लिए ट्रस्ट को सौंपा गया। यह निर्णय उनके सामाजिक सरोकार और सार्वजनिक जीवन के प्रति समर्पण को दर्शाता है। उनके निधन के बाद महात्मा गांधी ने देशबंधु स्मारक कोष के लिए अपील की, ताकि उनके अधूरे सार्वजनिक कार्यों और आदर्शों को आगे बढ़ाया जा सके। हालांकि उनके अंतिम दिनों की आर्थिक स्थिति को लेकर अनेक भावनात्मक किस्से प्रचलित हैं, लेकिन बिना प्रमाण के यह कहना उचित नहीं होगा कि उनके परिवार के पास अंतिम संस्कार के लिए कपड़ा या भोजन तक नहीं था। उनके जीवन का वास्तविक महत्व प्रमाणित तथ्यों में दिखाई देने वाले त्याग और सार्वजनिक प्रतिबद्धता में है। चितरंजन दास का राजनीतिक चिंतन केवल अंग्रेजी शासन का विरोध करने तक सीमित नहीं था। वे समझते थे कि स्वतंत्रता के लिए संघर्ष के साथ-साथ भारतीयों को शासन व्यवस्था में अपनी भूमिका भी सुनिश्चित करनी होगी। असहयोग आंदोलन के बाद कांग्रेस के भीतर इस प्रश्न पर मतभेद उभरा कि विधान परिषदों का बहिष्कार जारी रखा जाए या उनके भीतर प्रवेश करके औपनिवेशिक शासन को चुनौती दी जाए। चितरंजन दास परिषदों में प्रवेश के पक्षधर थे। उनका तर्क था कि अंग्रेजी शासन की संस्थाओं के भीतर जाकर भी उसके कामकाज को बाधित किया जा सकता है और जनता के प्रश्नों को प्रभावी ढंग से उठाया जा सकता है। 1922 के गया कांग्रेस अधिवेशन में इस मुद्दे पर तीखी बहस हुई। परिषद् प्रवेश के पक्ष में पर्याप्त समर्थन नहीं मिलने पर चितरंजन दास ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद 1923 में उन्होंने पंडित मोतीलाल नेहरू के साथ स्वराज पार्टी की स्थापना की। स्वराज पार्टी का उद्देश्य विधान परिषदों में प्रवेश करके औपनिवेशिक शासन की नीतियों का विरोध करना और स्वशासन की मांग को मजबूत करना था। पार्टी ने चुनावों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की और परिषदों के भीतर सरकार को लगातार चुनौती दी। यह चितरंजन दास की राजनीतिक दूरदृष्टि का प्रमाण था कि वे स्वतंत्रता संघर्ष के लिए एक से अधिक रणनीतियों की आवश्यकता समझते थे। उनकी राजनीति का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक सद्भाव और सांप्रदायिक एकता था। 1923 में प्रस्तुत बंगाल पैक्ट इसी सोच का परिणाम था। इसका उद्देश्य बंगाल में हिंदू और मुस्लिम समुदायों के बीच राजनीतिक प्रतिनिधित्व तथा अन्य विवादित प्रश्नों पर सहमति कायम करना था। उस दौर में सांप्रदायिक तनाव बढ़ रहे थे। चितरंजन दास समझते थे कि भारत की स्वतंत्रता तभी सार्थक होगी, जब विभिन्न समुदाय परस्पर विश्वास और सहयोग के साथ आगे बढ़ेंगे। उनके लिए राष्ट्रवाद का अर्थ किसी एक समुदाय का वर्चस्व नहीं, बल्कि सभी भारतीयों की साझी राजनीतिक आकांक्षा था। बंगाल पैक्ट पर मतभेद भी हुए, लेकिन इससे उनके सद्भाव संबंधी प्रयासों का महत्व कम नहीं होता। चितरंजन दास का दृष्टिकोण सामाजिक और आर्थिक प्रश्नों तक भी विस्तृत था। वे शिक्षा, ग्रामीण विकास, स्वदेशी उद्योग और स्थानीय स्वशासन की राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के आवश्यक आधार मानते थे। उनका विश्वास था कि राजनीतिक स्वतंत्रता का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब गांवों की स्थिति सुधरेगी और आम लोगों को आर्थिक अवसर प्राप्त होंगे। वे चाहते थे कि भारतीय समाज अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आत्मनिर्भर बने। स्वदेशी उनके लिए केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का नारा नहीं था, बल्कि देश की उत्पादन क्षमता, स्थानीय कौशल और आर्थिक आत्मसम्मान को मजबूत करने का माध्यम था। वे साहित्य और पत्रकारिता से भी जुड़े रहे। उनकी साहित्यिक अभिरुचि ने उनके व्यक्तित्व को व्यापक बनाया। राजनीतिक संघर्ष के बीच भी वे लेखन और विचार-विमर्श को महत्व देते थे। उनके लेखन में राष्ट्रीय चेतना, मानवीय संवेदना और सामाजिक जीवन की जटिलताओं की झलक मिलती है। उनके लिए साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं था, बल्कि समाज को जागरूक करने और विचारों को दिशा देने का माध्यम भी था। 1924 में चितरंजन दास कलकत्ता नगर निगम के महापौर बने। नगर प्रशासन को भारतीयों के हाथों में अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने की उनकी कोशिश स्वशासन की अवधारणा का स्थानीय स्तर पर विस्तार थी। उन्होंने सुभाषचंद्र बोस को नगर निगम का मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया। इस निर्णय ने युवा सुभाष को प्रशासनिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर दिया। दोनों के बीच राजनीतिक और वैचारिक संबंधों ने बंगाल के राष्ट्रीय आंदोलन को नई दिशा दी। चितरंजन दास सुभाषचंद्र बोस के राजनीतिक जीवन के महत्वपूर्ण मार्गदर्शकों में थे। सुभाष ने भी उन्हें गहरे सम्मान और श्रद्धा के साथ याद किया। देशबंधु का जीवन बहुत लंबा नहीं रहा। लगातार राजनीतिक गतिविधियों और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के बीच 16 जून 1925 को दार्जिलिंग में उनका निधन हो गया। उस समय उनकी आयु केवल 55 वर्ष थी। उनके निधन से राष्ट्रीय आंदोलन ने एक ऐसे नेता को खो दिया, जो संघर्ष, संगठन, वैचारिक बहस और सामाजिक सद्भाव को एक साथ लेकर चलने की क्षमता रखता था। महात्मा गांधी सहित अनेक राष्ट्रीय नेताओं ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्हें 'देशबंधु' की उपाधि केवल सम्मान के तौर पर नहीं मिली थी; यह उनके प्रति जनता के विश्वास और आत्मीयता का प्रतीक थी। आज जब राजनीति में सार्वजनिक जीवन की नैतिकता, व्यक्तिगत स्वार्थ, सत्ता की आकांक्षा और सामाजिक विभाजन को लेकर गंभीर सवाल उठते हैं, तब चितरंजन दास का जीवन प्रासंगिक हो उठता है। उन्होंने दिखाया कि राजनीति का नैतिक आधार निजी त्याग, सार्वजनिक उत्तरदायित्व और जनता के प्रति संवेदनशीलता में निहित होता है। वे विचारों से असहमत लोगों के साथ भी संवाद और राजनीतिक सहयोग को संभावना तलाशते थे। उनका जीवन यह भी सिखाता है कि लोकतंत्र में रणनीति को लेकर मतभेद हो सकते हैं, लेकिन राष्ट्र और समाज के व्यापक हित को सर्वोपरि रखना आवश्यक है। देशबंधु चितरंजन दास की विरासत को केवल जयंती समारोहों और श्रद्धांजलियों तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए। उनके विचारों की आज की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों के संदर्भ में समझने की जरूरत है। स्वतंत्रता का अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं, बल्कि नागरिकों को सम्मान, समान अवसर, न्याय और आत्मनिर्भरता उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने अपने जीवन से यह संदेश दिया कि सार्वजनिक जीवन की विश्वसनीयता पद और प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि व्यक्ति के आचरण और समाज के प्रति उसके योगदान से बनती है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

दान की महिमा जीवन को महान बनाने का सबसे पवित्र मार्ग है

मनुष्य के जीवन की वास्तविक सार्थकता केवल धन कमाने और सुख-सुविधाओं का संग्रह करने में नहीं, बल्कि अपने अर्जित संसाधनों से दूसरों के जीवन में खुशियां लाने में है। भारतीय संस्कृति और धर्म परंपरा में दान को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। दान केवल धन या वस्तु देने का नाम नहीं, बल्कि करुणा, उदारता, परोपकार और मानवीय संवेदनाओं की अभिव्यक्ति है। एक प्रसिद्ध लोकोक्ति है- भीख में से भीख दे, तीन लोक जीत ले। इसका भाव यही है कि जिसके पास स्वयं बहुत कम है, वह भी अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की सहायता कर सकता है। दान का मूल्य वस्तु की कीमत से नहीं, बल्कि देने वाले की भावना से निर्धारित होता है।

संतों और महापुरुषों ने कहा है कि धन की तीन गतियां होती हैं- दान, भोग और नाश। जो धन दूसरों के काम आता है, वही धन सार्थक होता है। जो व्यक्ति न स्वयं उसका सदुपयोग करता है और न किसी जरूरतमंद को देता है, उसका धन अंततः नष्ट हो जाता है। इसलिए जीवन में संयम के साथ सदुपयोग और परोपकार का भाव भी आवश्यक है। अनुभव बताता है कि केवल संग्रह करने से मनुष्य को स्थायी संतोष नहीं मिलता, जबकि दूसरों के साथ बांटने से आत्मिक आनंद और समाज में सम्मान प्राप्त होता है। यही कारण है कि भारतीय चिंतन में कहा गया है कि कमाई अपने हाथों से करो और दान हजार हाथों से करो।

प्रकृति भी हमें देने का संदेश देती है। सूर्य बिना किसी भेदभाव के प्रकाश देता है, वायु सभी को जीवन प्रदान करती है और नदियां अपना जल दूसरों के लिए बहाती हैं। वृक्ष स्वयं धूप और वर्षा सहन करके दूसरों को फल, छाया और प्राणवायु देते हैं। प्रकृति का प्रत्येक तत्व हमें सिखाता है कि जीवन का उद्देश्य केवल लेना नहीं, बल्कि देना भी है। मनुष्य प्रकृति से जीवनभर अनेक उपहार प्राप्त करता है। इसलिए उसके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक मार्ग परोपकार और दान भी है। जैसे किसान खेत में बीज डालता है और कुछ समय बाद वही बीज अनेक गुना होकर लौटता है, वैसे ही निस्वार्थ भाव से किया गया दान भी जीवन में सद्भाव और पुण्य का आधार बनता है।

दान करते समय भावना की पवित्रता सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। दान का उद्देश्य



किसी पर उपकार जताना, अपना नाम चमकाना अथवा प्रसिद्धि प्राप्त करना नहीं होना चाहिए। वास्तविक दानी वही है जो बिना किसी अपेक्षा के जरूरतमंद की सहायता करे। दान लेने वाले के प्रति सम्मान और विनम्रता का भाव रखना चाहिए। किसी की मजबूरी का प्रदर्शन करना या दान देकर उसका अपमान करना दान की मूल भावना के विपरीत है। सेवा का सच्चा आनंद तभी मिलता है जब देने वाले के मन में अहंकार नहीं, बल्कि करुणा और आत्मीयता हो।

दान के अनेक स्वरूप हैं। ज्ञानदान, अभयदान, वस्त्रदान, औषधदान, आवासदान और आहारदान सभी का अपना महत्व है। इनमें आहारदान को विशेष रूप से महादान माना गया है, क्योंकि भोजन जीवन का आधार है। भूखे व्यक्ति को भोजन कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसे जीवन जीने की शक्ति देना है। धन, वस्त्र और अन्य सुविधाएं बाद में भी प्राप्त हो सकती हैं, लेकिन भूख की पीड़ा तत्काल भोजन मांगती है। इसलिए किसी जरूरतमंद को भोजन कराना मानवीय सेवा का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है।

गौतम बुद्ध से जुड़ा एक प्रसंग दान की भावना को सुंदर ढंग से समझाता है। एक दिन कुछ बालक खेल रहे थे। बुद्ध वहां से गुजरे तो एक बालक ने उनसे कहा कि बाबा, दान लो। बुद्ध ने अपनी झोली फैला दी और बालक ने उसमें रेत डाल दी। शिष्य ने आश्चर्य से पूछा कि आपने रेत क्यों स्वीकार की? बुद्ध ने समझाया कि रेत का कोई विशेष मूल्य नहीं, लेकिन बालक के मन में दान करने की भावना जागी है। यदि मैं उसका दान अस्वीकार कर देता तो उसकी उदारता का भाव कमजोर हो सकता था। आज वह रेत दे रहा है, संभव है कि कल अपनी सामर्थ्य के अनुसार भोजन भी दान करे। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि दान की शुरुआत छोटी भावना से होती है, लेकिन उसका प्रभाव बहुत व्यापक हो सकता है।

जैन धर्म में आहारदान का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। श्रावक के बारह व्रतों में अतिथि संविभाग व्रत भी शामिल है। इसका आशय है कि गृहस्थ अपने भोजन में से साधु-संतों और सुपात्रों के लिए भी हिस्सा निकाले। जैन परंपरा में मुनियों को विधिपूर्वक आहारदान देना पुण्यकारी माना गया है। मान्यता है कि सुपात्रदान से कर्मों की निर्जरा होती है और आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान महावीर की शिक्षाओं में त्याग, संयम, अहिंसा और जीवमात्र के प्रति करुणा का जो संदेश मिलता है, उसमें दान की भावना भी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

अन्य धर्मों में भी भोजन बांटने की परंपरा रही है। ऋग्वेद में अकेले भोजन करने की प्रवृत्ति को उचित नहीं माना गया है। गीता में भी दूसरों को भोजन कराए बिना केवल अपने लिए भोजन करने वालों के प्रति चेतावनी दी गई है। इससे स्पष्ट होता है कि भोजन बांटना किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता का साझा आदर्श है।

आज के समय में जब समाज में आर्थिक असमानता और जरूरतमंदों की समस्याएं दिखाई देती हैं, तब दान की महत्ता और बढ़ जाती है। प्रत्येक परिवार अपनी सामर्थ्य के अनुसार किसी भूखे को भोजन करा सकता है, किसी जरूरतमंद विद्यार्थी की सहायता कर सकता है अथवा किसी असहाय व्यक्ति के लिए उपयोगी वस्तुएं उपलब्ध करा सकता है। दान के लिए धनवान होना आवश्यक नहीं, उदार हृदय होना आवश्यक है।

अंततः जीवन में धन का वास्तविक महत्व उसके संग्रह में नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग में है। जो भोजन हम अकेले खा सकते हैं, उसमें से किसी भूखे का हिस्सा निकालना ही सच्ची मानवता है। दान मनुष्य को विनम्र बनाता है, समाज में प्रेम बढ़ाता है और आत्मा को संतोष प्रदान करता है। इसलिए अपनी आय, सामर्थ्य और परिस्थिति के अनुसार दान को जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। विशेषकर आहारदान के माध्यम से किसी की भूख मिटाना सबसे सहज और पुण्यकारी सेवा है। दान से हाथ खाली नहीं होते, बल्कि हृदय समृद्ध होता है। यही दान की महिमा है और यही मानव जीवन का सच्चा कल्याण मार्ग है।

-कांतिलाल मांडोत

सादा जीवन उच्च विचार सहज,सरल जीवन की कुंजी है

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

कुदरत द्वारा रचित सृष्टि की 84 लाख योनियों में सबसे अनमोल बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना धारे मानवीय योनिं में सृष्टि में अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता का प्रयोग कर इस सृष्टि को कहां से कहां पहुंचा दिया है। सूर्य, चंद्रमा, अग्नि, बारिश जैसे प्राकृतिक और कुदरती रचनाओं की भी आर्टिफिशियल बना दिया है,हलना ही नहीं एक आर्टिफिशियल रोबोट मानव भी बना दिया है बस अब एक कमीं रह गई है जो मानवीय मूत शरीर में जान फुकना और आर्टिफिशियल प्राकृतिक बच्चे



प्रौद्योगिकी की तकनीकी पर बनाकर उसमें जान फुककर जन्म देना रह गया है,मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ऐसा मानता हूं कि मानवीय जीव यह कभी नहीं कर सकेगा।धन, माया, नाम शोहरत की खातिर मानव ने अपने चौबीस घंटे उसमें लगा दिए हैं जिसमें अपने जीवन को भारी तनावग्रस्त के समंदर में झोंक दिया है परंतु संतुष्टि फिर भी नहीं मिलेगी क्योंकि यह मार्ग ऐसा है कि इस पथ पर फिसलता ही चला जाता है और अंतिम लम्हों में सादा और सहज जीवन जीने की याद आती है तबतक सब कुछ निकल चुका होता है।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीव की अभूतपूर्व प्रगति की करें तो इस विचारधारा ने अनेक सुख सुविधाओं के साथ दुख, तकलीफों को भी जन्म दिया है जिसका जीता जागता उदाहरण है वर्तमान जलवायु परिवर्तन से होने वाली विनाशकारी तबाही,जिसके पीढ़ति मानव के हृदय में यही बात आती है कि हमने प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया है अब प्रकृति हमारे साथ खिलवाड़ कर रही है,और मानसिक विचारधारा सादा जीवन उच्च विचार की ओर लौटने की सोच को रेखांकित करती है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो यह सहज सरल जीवन की कुंजी है। सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता, चेतना आती है। दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं। मानव में दयालुता, सुविचार, मानवता, नम्रता झलकती है ऐसे मानवके समीप विकार जैसे द्वेष,अभिमान अहम्, अहंकार जैसे अनेक विकारों को भी आने से डर लगता है क्योंकि यह रेखांकित करने वाली बात है कि जहां सादा जीवन रहेगा वहीं उच्च विचारों, गुणवत्ता, चेतना, संतुष्टि का निवास हो जाता है और जीवन सहज, सरलता खुशियों से लबालब हो जाता है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार के अर्थ को समझने की करें तो,सादा जीवन का अर्थहै अपनी सीमित आवश्यकताओं के अनुसार, न कि अपने असीमित लालच के अनुसार। सारा तनाव और तनाव इस सूत्र का पालन न करने का परिणाम है। आध्यात्मिक जीवन सादा जीवन उच्च विचार के अलावा और कुछ नहीं है। भगवत गीता कहती है कि सादा जीवन और उच्च विचार ही आर्थिक समस्याओं का समाधान है।जो व्यक्ति सादा जीवन जीने में विश्वास रखता है, वह न तो अपने लिए और न ही दूसरों के लिए समस्याएँ खड़ी करता है। जो व्यक्ति उच्च विचारों में लीन रहता है, वह वास्तव में निस्वार्थ व्यक्ति बन जाता है।

साथियों बात अगर हम सहज, सरल जीवन की करें तो बड़े -बुजुर्गों के मुंह से सुनते आए हैं- जीवन में शांति चाहिए तो और शांति से रहना अपने हाथ में है। शांति तभी मिल सकती है, जब जीवन सरल हो। कन्फ्यूशियस का कथन है- जीवन बेहद सरल है लेकिन हम उसे जटिल बनाने पर आमादा रहते हैं। भारतीय संस्कृति में तो वैसे भी हमेशा से सादा जीवन उच्च विचारों को अहमियत दी गई है। यूं भी कोई अस्त-व्यस्त, भ्रमित, दुविधाग्रस्त और दबाव में नहीं रहना चाहता। भीड़ चाहे लोगों की हो या वस्तुओं की, इच्छाओं की हो या अपेक्षाओं की, व्यक्ति की एकाग्रता को भंग करती है और उसे जीवन के अधिक महत्वपूर्ण कार्यों के प्रति उदासीन बनाती है। भीड़ में खुद को गुम होने से बचाने का प्रयास ही सहज-सरल जीवन की कुंजी है। साथियों बात अगर हम सादगी की करें तो, सादगी का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता आती है। जैसे ही उसके भीतर यह चेतना आती है कि जीवन में क्या और क्यों महत्वपूर्ण है, वह इच्छाओं का सही प्रबंधन करने लगता है। इससे दुविधाएं कम होती हैं और दृष्टिकोण में स्पष्टता आती है। समय-समय पर अपनी जरूरतों और इच्छाओं का आकलन करना जरूरी है। कई बार ऐसा भी होता है कि जिस चीज से आज सुविधा महसूस होती है, वही भविष्य में असुविधा का कारण बन जाती है। हो सकता है, बड़ा घर लेना आज किसी की ख्वाहिश हो मगर उम बढ़ते के साथ यही घर असुविधाजनक हो सकता है क्योंकि वह इसका रखरखाव अच्छी तरह करने में असमर्थ होता है।

साथियों बात अगर हम सादा जीवन उच्च विचार की करें तो, यह कहावत हमें सिखाती है कि हम अपने जीवन को और भी मूल्यवान बना सकते हैं सिर्फ व्यर्थ के धन और सामान आदि चीजों को नजरंदाज करके। ये हमें सच्ची खुशी और आतरिक संतुष्टि प्रदान करता है।ये यह भी बताता है कि सच्ची खुशी हमारे विचारों में ही होती है ना कि किसी और चीजों में। ये हमें प्रेरित करती है कि हम अपनी जड़ों को पहचाने और किसी भी तरह के सम्पूर्ण पने वाले कार्य को नजर अंदाज करें। जीवन का सही मूल्य हमारे भौतिकवादी अधिग्रहण में नहीं है, बल्कि यह वह है जिसमें हम सोचते हैं, करते हैं, और प्रतिदिन हम कितने जीवन को छूते हैं।सादा जीवन उच्च विचार यह कहावत हमें इस बात के लिए प्रोत्साहित करती है कि हम अपने जीवन को समृद्ध के बजाय अधिक सार्थक बनायें। यहीं जीने के साधारण तरीके से मतलब है जीवन जीने का एक सरल और गैर-मांग मानक। हमें केवल सिर्फ उन चीजों के लिए ही चिंता करनी चाहिए जो हमारे जीवन के लिए बेहद आवश्यक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सादा जीवन उच्च विचार भारतीय संस्कृति की हमेशा से ही नींव रही है।सादा जीवन उच्च विचार सहज सरल जीवन की कुंजी है।सादगी से व्यक्ति के कार्यों में गुणवत्ता,चेतना आती है।दृष्टिकोण में स्पष्टता, इच्छाओं का सही प्रबंधन कर संतुष्टि से खुशियों के द्वार खुलते हैं।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। सामान्य कारोबार के बीच बुधवार को अनाज मंडी में चना मजबूती पर रहा। उड़द-मूंग में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में भी बाजार विशेष का अभाव रहा। तिलहनों में सोयाबीन 7000 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। किराना जिंसों में शक्कर बनी रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने सहित अन्य दलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चना 7500-7550 रू. प्रति क्विंटल पर बढ़त पर रहा। उड़द व मूंग में भाव बने रहे। खाद्य तेलों में फुटकर ग्राहकी देखी गयी। तिलहनों में सोयाबीन बाजार मजबूती के रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर में सुर्खी कायम रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5450-5650, खोपरा गोला 340-430, खोपरा बूरा 3250-5850 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 225-250, सांगली 315-325, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 790-800, गारबल्ड 770-775, मटरदाना 850-870, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडियम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्स्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1100-1200, सिंगापुरी 980-1050, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारोली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 750-890, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1770-1790, मुम्बई 1840, राजकोट तेलिया 2760, सोया साल्वेंट 1355-1360, सोया रिफाइंड 1420-1425, कपास्या 1460, धूलिया 1465, कड़ी 1465,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1750, मुम्बई पाम 1485, मुम्बई सोया 1460,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2490, देवास-उज्जैन 2490, खंडवा-बुरहानपुर 2475, अकोला 3350 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8800, रायडा 8000-8200, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7500-7550, विशाल 7400-7450, काबूली चना डॉलर 7200-8500, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट 8100-8300, मूंग पुराना बोल्ड 8400-8500, तुअर निमाड़ी बेस्ट 8900-9000, एवरेज 8700-8800, हल्की 8500-8600, महाराष्ट्र सफेद 9800-10000, महाराष्ट्र लाल 10000-10100, उड़द बेस्ट 9600-9800, उड़द गर्मी 9200-9600, ग्रेविटी क्लीन 10100-10200, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोबेश बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 188500, चाँदी (99) 188400, टंच 187600, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 144200,

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को 14 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.61 पर बंद हुआ। आज सुबह शुरुआती कारोबार में भी रुपया 13 पैसे मजबूत होकर 94.60 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और विदेशी पूंजी प्रवाह से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में खरीदारी के रुझान से भी भारतीय मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.61 प्रति डॉलर पर खुला और बढ़कर 94.50 तक पहुंच गया। हालांकि, बाद में कुछ बढ़त गंवाकर 94.61 प्रति डॉलर पर कारोबार करने लगा जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे अधिक है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.75 पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.54 फीसदी नीचे आकर फिसलकर 101.17 पर आ गया।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी के साथ बंद हुए। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान बीईएल, टाइटन, इंडिगो, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, अडाणी पोर्ट्स, बजाज फिनसर्व के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर, टीसीएस, एचसीएल टेक, इन्फोसिस के शेयर गिरे। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 383.55 अंकों की बढ़त के साथ ही 77,301.40 अंकों पर बंद हुआ। जबकि 50 शेयरों वाला, एनएसई निफ्टी 149.75 अंकों से उछलकर 23,960.60 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 19 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि शेष 9 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 50 में से 36 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए और बाकी की 14 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल सरकारी डिफेंस कंपनी बीईएल के शेयर आज सबसे ज्यादा बढ़त के साथ बंद हुए। जबकि टीसीएस के शेयर आज सबसे ज्यादा टूटे। सेंसेक्स के अन्य शेयरों में आज टाइटन, इंडिगो 2, बजाज फाइनेंस, आईटीसी , अडाणी पोर्ट्स तेजी के साथ बंद हुए जबकि आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल के शेयरों में बदलाव नहीं आया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की धीमी शुरुआत हुई। सेंसेक्स 65 अंक टूटकर 76,853.11 के स्तर पर लगभग सपाट स्तर पर खुला। वहीं निफ्टी 50 भी 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ 23742.25 के स्तर पर शुरु हुआ।



आरबीआई ने सेवा निर्यात-आयात के नियमों में ढील दी, फ्रीलांसरों को राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सर्विस एक्सपोर्ट और इंपोर्ट से जुड़े विदेशी मुद्रा नियमों में महत्वपूर्ण ढील दी है, जिससे विदेशी क्लाइंट्स से कमाई करने वाले फ्रीलांसरों, कंपनियों और आयातकों को बड़ी राहत मिली है। इन बदलावों का उद्देश्य छोटे ट्रांजेक्शन और सेवा भुगतानों की प्रक्रिया को सरल बनाना है, जिससे कागजी कार्रवाई और लगने वाले समय में कमी आएगी। नए नियमों के तहत भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति को अब विदेश में सेवा देने के बदले भुगतान मिलने पर अलग से एक्सपोर्ट डिक्लेरेशन फार्म (ईडीएफ) जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें केवल अपने बैंक को भुगतान खाते में जमा करने के लिए आवश्यक जानकारी देनी होगी।



यह कदम विशेष रूप से डिजिटल सेवाओं और फ्रीलांसिंग के बढ़ते क्षेत्र को बढ़ावा देगा, जहां अक्सर छोटे भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त होते हैं। जो निर्यातक भारत में रहने वाले व्यक्ति नहीं हैं, उन्हें भी इस सुविधा का लाभ मिलेगा। ऐसे निर्यातकों के लिए विदेश से आने वाली सर्विस पेमेंट 10 लाख रुपये तक होने पर सिर्फ बैंक को जरूरी जानकारी देनी होगी; इससे अधिक राशि पर पहले के डिक्लेरेशन की शर्तें ही लागू होंगी। आरबीआई ने सर्विस इंपोर्ट के मामले में भी रिपोर्टिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब बैंकों को इम्पोर्ट डाटा प्रोसेसिंग एंड मानिटरिंग सिस्टम (आईडीपीएमएस) में सर्विस इंपोर्ट की जानकारी तभी दर्ज करनी होगी, जब सेवा खरीदने वाला भारत का निवासी न हो और इनवॉयस 10 लाख रुपये से अधिक हो। इन बदलावों से विदेशी व्यापार से जुड़े लेन-देन की प्रक्रिया में लगने वाले समय और कागजी कार्रवाई में कमी आएगी, जिससे भारत में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा।

भारतीयों की बदलती आय रणनीति, नौकरी से हटकर नए स्रोत अपना रहे लोग

नई दिल्ली। एजेंसी। बढ़ती महंगाई और बदलती आर्थिक परिस्थितियों के बीच भारतीय अब केवल पारंपरिक नौकरी या वेतन पर निर्भर नहीं हैं। एक रिपोर्ट ने यह खुलासा किया है कि देश के करदाताओं का एक बड़ा हिस्सा अब शेयर बाजार में निवेश, ट्रेडिंग, फ्रीलांसिंग और विभिन्न व्यवसायों जैसे आय के कई अतिरिक्त स्रोत अपना रहा है, जिससे उनकी वित्तीय स्वतंत्रता बढ़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार असेसमेंट ईयर 2026-27 में लगभग 47.3 फीसदी करदाताओं ने अपनी आय का कम से कम एक दूसरा जरिया बताया, जो चार साल पहले असेसमेंट ईयर 2022-23 में सिर्फ 9.5 फीसदी था। यह आंकड़ा भारतीय करदाताओं के वित्तीय व्यवहार में एक क्रांतिकारी बदलाव को दर्शाता है। रिपोर्ट यह भी बताती है कि अब अधिक लोग जटिल वित्तीय गतिविधियों में संलग्न हो रहे हैं। 62 फीसदी टैक्स रिटर्न सामान्य आईटीआर-1 की जगह अन्य फॉर्म में भरे गए, जबकि साल 2024-25 में यह आंकड़ा 40 फीसदी था। पूंजीगत लाभ, जैसे शेयर, म्यूचुअल फंड या अन्य निवेश से हुए मुनाफे की जानकारी 41.7 फीसदी लोगों ने दी, जो दो साल पहले 25.5 फीसदी थी। दिलचस्प बात यह है कि निवेश और ट्रेडिंग में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। 25 साल से कम उम्र के 75 फीसदी युवाओं ने जटिल आईटीआर फाइल किए, जो पिछले साल 60 फीसदी थे। वहीं, 30.5 फीसदी महिलाओं ने पूंजीगत लाभ की जानकारी दी, जो पिछले साल 26.1 फीसदी था। सेवानिवृत्ति के बाद भी निवेश से कमाई का रुझान दिख रहा है, क्योंकि 60 साल से अधिक उम्र के करीब 40 फीसदी करदाताओं ने भी पूंजीगत लाभ दर्ज कराया है। सालाना 5 से 10 लाख रुपये कमाने वाले 49.6 फीसदी लोगों ने भी जटिल आईटीआर फाइल किए हैं। यह रिपोर्ट स्पष्ट रूप से बताती है कि भारतीय अब सिर्फ एक आय स्रोत पर निर्भर रहने के बजाय अपनी कमाई के तरीकों में विविधता लाकर आर्थिक रूप से अधिक सशक्त हो रहे हैं।

आज का राशिफल



मेष- आज आपका आत्मविश्वास और मेहनत आपको आगे बढ़ने की ताकत देंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास करने होंगे, लेकिन ध्यान रखें कि हर काम जल्दबाजी में करना जरूरी नहीं है। मेहनत के साथ सही रणनीति अपनाएंगे, तो कम समय में बेहतर परिणाम हासिल कर सकते हैं। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें और उधार के लेनदेन से दूरी बनाए रखें। पुराने समझौतों और जिम्मेदारियों को ईमानदारी से निभाना आपके हित में रहेगा।

वृषभ- आज दोस्तों और करीबियों के साथ समय बिताने के कई अच्छे मौके मिल सकते हैं। उनकी संगति से मन प्रसन्न रहेगा और आप रोजमर्रा की व्यस्तता से कुछ राहत महसूस करेंगे। हालांकि, आर्थिक मोर्चे पर कोई चुनौती सामने आ सकती है, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। आपकी व्यावहारिक सोच और समझदारी आपको सही रास्ता दिखाएगी। कार्यक्षेत्र में समय का सदुपयोग करना बेहद जरूरी होगा, क्योंकि समय पर पूरे किए गए काम आपकी सफलता में अहम भूमिका निभाएंगे।

मिथुन- आज आपका मन घर-परिवार और सुख-सुविधाओं से जुड़ी बातों में अधिक लगेगा। अपनों के साथ समय बिताने से मन को सुकून मिलेगा और परिवार के लिए कुछ अच्छा करने की इच्छा भी प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, इसलिए अपने कामकाज को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाना जरूरी होगा।

कर्क- आज नए लोगों से जुड़ना और अपने संपर्कों का दायरा बढ़ाना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा और कार्यक्षेत्र के विस्तार के नए रास्ते भी खुल सकते हैं। भाई-बहनों और करीबी लोगों का सहयोग मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सिंह- आज घर में किसी खास मेहमान या सम्मानित व्यक्ति के आगमन से रौनक बढ़ सकती है। परिवार के साथ अच्छे पल बिताने का अवसर मिलेगा और अपनों का सहयोग आपके कई काम आसान बना देगा। पिछले दिनों की गई मेहनत का सकारात्मक परिणाम सामने आने की संभावना है।

कन्या- आज आपकी रचनात्मक सोच और नए विचार आपको दूसरों से अलग पहचान दिला सकते हैं। किसी नई योजना पर काम शुरू करने या अपनी प्रतिभा को सामने लाने का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण मामलों में तेजी आने से कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है।

तुला- आज करियर, कारोबार और आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत है। किसी जल्दबाजी भरे फैसले या बिना पूरी जानकारी के किए गए निवेश से परेशानी हो सकती है, इसलिए हर निर्णय लेने से पहले उसके फायदे और नुकसान पर विचार करें। कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है और कुछ लोग आपकी योजनाओं को चुनौती देने की कोशिश कर सकते हैं। ऐसे में अपनी रणनीति हर किसी के सामने उजागर करने से बचें।

वृश्चिक- आज आपका ध्यान आर्थिक लाभ, करियर में तरक्की और नए अवसरों पर केंद्रित रहेगा। पेशेवर क्षेत्र में कोई आकर्षक प्रस्ताव सामने आ सकता है, इसलिए अवसरों को पहचानने और उनका सही समय पर लाभ उठाने के लिए तैयार रहें। आपकी व्यावसायिक समझ और दूरदर्शिता महत्वपूर्ण फैसलों में मदद करेगी। प्रबंधन से जुड़े काम व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ सकते हैं और काम का दबाव भी पहले की तुलना में कम महसूस होगा।

धनु- आज करियर और कारोबार के मामलों में आपकी स्थिति मजबूत रह सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलने से काम करने का उत्साह बढ़ेगा और किसी नए प्रस्ताव पर विचार करने का अवसर भी मिल सकता है। प्रशासन और प्रबंधन से जुड़े कार्यों को आप अपनी सूझबूझ के दम पर अच्छी तरह संभाल पाएंगे।

मकर- आज भाग्य का साथ मिलने से आपके कई रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का अपेक्षा से बेहतर परिणाम मिलने की संभावना है। नई तकनीक, आधुनिक तरीकों और नए विचारों को अपनाने की आपकी कोशिश कार्यक्षेत्र में लाभ दिला सकती है। नौकरीपेशा लोगों का प्रदर्शन प्रभावशाली रहेगा, जबकि कारोबार करने वालों को अपने काम का विस्तार करने के नए अवसर मिल सकते हैं।

कुंभ- आज का दिन कुछ मामलों में अनुकूल तो कुछ में अतिरिक्त सावधानी बरतने का संकेत दे रहा है। स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें और मौसम में बदलाव के कारण होने वाली छोटी-मोटी परेशानियों को नजरअंदाज न करें। कार्यक्षेत्र में नियमितता और धैर्य बनाए रखना आपके लिए महत्वपूर्ण होगा। आपने जिन लोगों से कोई वादा किया है, उसे पूरा करने का पूरा प्रयास करें, क्योंकि आपकी विश्वसनीयता ही आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

मीन- आज टीमवर्क और आपसी सहयोग आपके लिए सफलता के नए रास्ते खोल सकते हैं। आप लोगों को साथ लेकर चलने में सफल रहेंगे और सामूहिक प्रयासों से कामकाज में अच्छे परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने और वित्तीय स्थिति को मजबूत बनाने के अवसर मिलने के संकेत हैं। यदि आप किसी नए व्यापार या काम की शुरुआत करने के बारे में सोच रहे हैं, तो उससे जुड़ी संभावनाओं का आकलन करने के लिए दिन अच्छा रह सकता है।

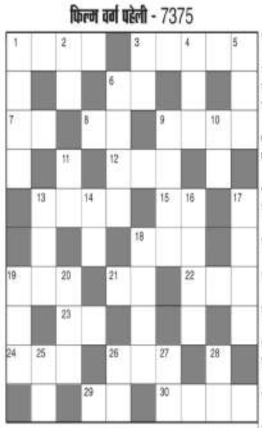
शब्दजाल- 8441



शब्दजाल - 8440 का हल



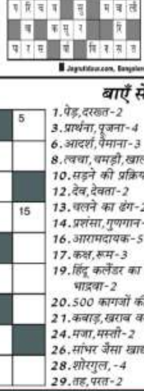
फिल्म वर्ग पहेली - 7375



ऊपर से नीचे:-

बायें से दायें:-

फिल्म वर्ग पहेली - 7374



दैनिक पंचांग

5 नवम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



गुरुवार 2026 वर्ष का 309 वा दिन। दिशाशूल दक्षिण ऋतु शरद। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948। मास कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) पक्ष कृष्ण। तिथि एकादशी 10.36 बजे को समाप्त। नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी 03.56 बजे रात...

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः पुरानी नाक

एक गरीब मनुष्य ने देवता से वर प्राप्त किया था। देवता संतुष्ट हो कर बोले तुम ये पासा लो। इस पाँसे को जिन किन्हीं तीन कामनाओं से तीन बार फेंकोगे वे तीनों पूरी हो जाएँगी। वह आनंदोल्लासित हो घर जाकर अपनी स्त्री के साथ परामर्श करने लगा क्या वर माँगना चाहिए। स्त्री ने कहा धन दौलत माँगो किंतु पति ने कहा देखो हम दोनों की नाक चपटी है उसे देख कर लोग हमारी बड़ी हँसी करते हैं। अतः प्रथम बार पाँसा फेंक कर सुंदर नाक की प्रार्थना करनी चाहिए। किंतु स्त्री का मत वैसा नहीं था। अंत में दोनों में खूब तर्क प्रारंभ हुआ। आखिरि पति ने क्रोध में आकर यह कह कर पाँसा फेंक दिया - हमें सुंदर नाक मिले, सुंदर नाक मिले, सुंदर नाक मिले। आश्चर्य जैसे ही उसने पासा फेंका वैसे ही उसके शरीर में तीन नाकें उत्पन्न हो गईं। तब उसने देखा यह तो विपत्ति आ पड़ी। फिर उसने दूसरी बार पासा फेंक कर कहा नाक चली जाएँ। इस बार सभी नाकें चली गईं। साथ ही अपनी नाक भी चली गई। अब शेष रहा एक वर, तब उन्होंने सोचा यदि इस बार पासा फेंक कर चपटी नाक के बदले में सुंदर नाक प्राप्त करें तो लोग अवश्य ही चपटी नाक के स्थान पर अच्छी नाक देख कर उसके बारे में पूछताछ करेंगे। फिर तो हमें सभी बातें बतानी पड़ेगी। तब वे हमें मूर्ख समझ कर हमारी और भी हँसी उड़ाएँगे। कहेंगे कि ये लोग ऐसे तीन वरों को प्राप्त कर के भी अपनी अवस्था की उन्नति नहीं कर सके। यह सोच कर उन्होंने पासा फेंक कर अपनी पुरानी चपटी नाक ही माँग ली। ठीक ही है समझबूझ कर काम न करने वाले लोग अवसरों को अपने हाथ से यों ही गँवा देते हैं। उनका लाभ नहीं उठा पाते।

सूडोकु नवताल- 7684

★ ☆ ☆ ☆ ☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

सूडोकू नवताल -7683 का हल



- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

शब्द पहेली - 8899



बाएँ से दाएँ

1. पेड़,दरख्त-2
3. प्रार्थना,पूजना-4
6. आदर्श,पैमाना-3
8. त्वचा,चमड़ी,खाल-2
10. सड़ने की प्रक्रिया,गलन-3
12. देव,देवता-2
13. चलने का ढंग-2
14. प्रशंसा,गुणगान-3
16. आरामदायक-5
17. कक्ष,रूम-3
19. हिंदू कैलेंडर का एक महीना, भादवा-2
20. 500 कागजों की गड्डी-2
21. कबाड़,खराब वस्तु-3
24. मजा,मस्ती-2
26. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28. शोरगुल, -4
29. तह,परत-2

ऊपर से नीचे

2. माफी-2
3. झूठी शान,घमंड-3
4. गर्दन से नीचे का शरीर,देह-2
5. अपराध,गुनाह-2
7. रग,नाड़ी-2
8. सूत कातने का यंत्र-3
9. एकाएक-4
11. शीश झुकाए हुए-5
12. भोर,प्रातः-3
15. नन्द का पति-4
16. विश्राम,राहत-3
18. रोगी,बीमार-3
22. उच्चतम-3
23. गरबा,नृत्य-2
24. मृत्यु-2
25. रास्ता,मार्ग-2
27. आनंदित,मौजी-2

शब्द पहेली -8898 का हल



■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एसडीएम ने नगर के बाजार का किया निरीक्षण

सड़क तक दुकानें फैलाने वाले व्यापारियों को दी हिदायत, निर्धारित दायरे में रहकर कारोबार करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली का त्योहार खुशियों, रोशनी और उत्साह का पर्व है, लेकिन त्योहार की रौनक के बीच आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो और बाजारों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे, इसके लिए प्रशासन ने भी कमर कस ली है। इसी उद्देश्य से मंगलवार 3 नवंबर की देर शाम लांजी एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी स्वयं नगर की सड़कों और बाजारों में व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने नगर के प्रमुख बाजारों, चौक-चौराहों और व्यस्त मार्गों का निरीक्षण कर फुटकर व्यापारियों से सीधा संवाद किया। एसडीएम ने व्यापारियों से यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील करते हुए सड़क से निर्धारित दूरी पर रहकर व्यापार करने को समझाइश दी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम तिवारी ने स्पष्ट किया कि त्योहार सभी का है और बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले प्रत्येक नागरिक को सुगम आवागमन की सुविधा मिलना जरूरी है। उन्होंने उन दुकानदारों को भी हिदायत दी, जिन्होंने अपनी दुकानों का सामान और व्यापारिक गतिविधियां सड़क तक फैला रखी हैं। ऐसे व्यापारियों को अपने निर्धारित दायरे में रहकर व्यवसाय करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि सड़क पर दुकानें फैलाने से यातायात बाधित होता है और आम नागरिकों के साथ-साथ अन्य व्यापारियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। समझाइश के बावजूद निर्देशों का



उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेकर, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि ताराचंद कालबेले, राजस्व निरीक्षक (आरआई) भूपेंद्र अहिरवार, सीएमओ मयूर वाहने सहित प्रशासनिक एवं नगर परिषद का अमला मौजूद रहा।

व्यापार भी चले और यातायात भी रहे सुचारू

एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी ने कहा कि दीपावली पर्व के दौरान नगर में खरीदारी के लिए आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। इसके चलते बाजारों और प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ जाता है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी जाम और अव्यवस्था का कारण बन सकती है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि छोटे हों या बड़े, सभी व्यापारी शासन-प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से अपना व्यवसाय करें। प्रशासन का उद्देश्य किसी के व्यापार को प्रभावित करना नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था बनाना है, जिसमें व्यापारियों को भी सुविधा मिले और ग्राहकों को भी परेशानी न हो।

प्रशासन और व्यापारियों के समन्वय से बनेगा बेहतर माहौल

एसडीएम तिवारी ने नगरवासियों और व्यापारियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि दीपावली रोशनी और विजय का पर्व है। इसे आपसी सौहार्द, अनुशासन और खुशियों के साथ मनाया जाना चाहिए। प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए मैदान में है, लेकिन नगर की व्यवस्था को बेहतर बनाने में नागरिकों और व्यापारियों की सहभागिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। निश्चित रूप से प्रशासन और आमजन के बीच बेहतर समन्वय से ही त्योहार के दौरान लांजी को जाम और अव्यवस्था से मुक्त रखते हुए एक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बाजार व्यवस्था बनाई जा सकती है।

अधिकारियों के साथ बनाई व्यवस्था की रूपरेखा

दीपावली के दौरान यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के उद्देश्य से एसडीएम तिवारी ने नगर निरीक्षक, तहसीलदार एवं नगर परिषद सीएमओ के साथ चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। प्रशासनिक एवं नगर परिषद अमले को बाजारों में यातायात की स्थिति पर नजर रखने तथा सड़क पर अनावश्यक अतिक्रमण रोकने के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुभाष चौक, सालेटेकरी रोड सहित नगर के अन्य प्रमुख चौक-चौराहों का जायजा लिया और मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

घंसा में कल से टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता, विजेता को मिलेंगे 12 हजार 1 रुपये

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली एवं गोवर्धन पूजा के पावन पर्व के अवसर पर खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण क्षेत्र में क्रिकेट के प्रति उत्साह बढ़ाने के उद्देश्य से बहाबस्ती स्टार क्रिकेट क्लब घंसा द्वारा टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता का शुभारंभ 6 नवंबर 2026 से होगा, जो 11 नवंबर तक चलेगी। प्रतियोगिता के सभी मुकाबले अंबेडकर चौक निमटोला ग्राउंड घंसा (टेकापार रोड) में आयोजित किए जाएंगे। आयोजन को लेकर क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रतियोगिता में विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार के रूप में 12 हजार 1 रुपये तथा द्वितीय पुरस्कार के रूप में 6 हजार 1 रुपये प्रदान किए जाएंगे। प्रथम पुरस्कार स्वर्गीय सुखचंद लिल्हारे, सेवानिवृत्त शिक्षक एवं उनके माता-पिता की स्मृति में रखा गया है। प्रतियोगिता में शामिल होने वाली टीमों के लिए प्रवेश शुल्क 551 रुपये निर्धारित किया गया है। आयोजन के प्रायोजक जय भोले पानीपुरी वाले एवं पुनम साउंड सर्विस हैं।

उद्घाटन और समापन समारोह में शामिल होंगे अतिथि

प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में जनपद पंचायत लांजी अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सरपंच वारी ऋषि पटेल दशरिया, पूर्व जनपद सदस्य राजू मेहरे, घंसा सरपंच लालमदास लिल्हारे, लिखेंद्र उपराड़े, अनिल गिरिया, श्रीमती लता बसोने, साहेबदास पगरवार सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं समापन समारोह में लांजी विधायक राजकुमार कोरे, जनपद सदस्य श्रीमती मीरा किशोरीलाल लिल्हारे, पूर्व सरपंच उमाद्दास लिल्हारे, सेवानिवृत्त शिक्षक के.डी. गिरिया, जनपद सदस्य योगेश कुराहे, काषीदास गिरिया, अरूण गिरिया, जितेंद्र बंबूरे, संजय फाये, सुखचंद लिल्हारे, ओमप्रकाष लिल्हारे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रहेगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रेमलाल लिल्हारे, उपाध्यक्ष अभिषेक गिरिया, सचिव डेविड



दमाहे, सह-सचिव राकेश नागपुरे एवं कोषाध्यक्ष देवेंद्र गिरिया सहित समस्त सदस्य प्रतियोगिता की तैयारियों में जुटे हुए हैं। समिति ने क्षेत्र की सभी क्रिकेट टीमों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित किया है। आयोजकों का उद्देश्य खेल भावना को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण युवाओं को अपनी क्रिकेट प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करना है।

सिंघाड़ा तालाब के किनारे थैले में मिली नवजात बालिका

नवजात बालिका को उच्च उपचार के लिए किया बालाघाट रेफर

पद्मेश न्यूज। लांजी। रात का अंधेरा, सड़क किनारे पड़ा एक झोला और उसके भीतर जिंदगी की पहली सांसों के साथ संघर्ष करती एक नन्ही सी मासूम... उसे शायद यह भी नहीं पता था कि दुनिया में आते ही उसे



इस तरह अकेला छोड़ दिया जाएगा। लेकिन उसकी रोने की आवाज एक महिला के कानों तक पहुंची और यही आवाज उसके जीवन की उम्मीद बन गई। नगर के वार्ड क्रमांक 10 में मंगलवार रात करीब 8:16 बजे झोले में मिली नवजात बालिका को 35 वर्षीय कविता उर्फ गीता सोनवाने की संवेदनशीलता और तत्परता से समय रहते सुरक्षित अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, रेस्टोरेंट में काम करने वाली कविता उर्फ गीता सोनवाने अपने काम पर जा रही थीं। इसी दौरान उन्हें बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आसपास तलाश करने पर एक झोले में नवजात बालिका दिखाई दी। उन्होंने अपनी सहयोगी महिला के साथ बच्ची को घर ले जाकर साफ-सफाई की और उसे दूध पिलाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल बच्ची को सिविल अस्पताल लांजी पहुंचाया, जहां उसे मेटरनिटी कक्ष में भर्ती कर चिकित्सकों की निगरानी में रखा गया है।मामले की जानकारी मिलते ही नगर निरीक्षक घनश्याम बैरागी पुलिस स्टाफ के साथ सक्रिय हुए और बच्ची को तत्काल चिकित्सकीय देखरेख उपलब्ध कराई गई। चिकित्सकों के अनुसार बालिका पूरी तरह स्वस्थ है और उसका वजन 2 किलो 400 ग्राम है। दूसरे दिन 4 नवंबर को नवजात मासूम बालिका उच्च उपचार के लिए बालाघाट रेफर किया गया।

एसडीएम ने लिया संज्ञान, स्वास्थ्य और पुलिस विभाग को दिए निर्देश

बीएमओ डॉ. अक्षय उपराडे द्वारा एसडीएम आदित्य नारायण तिवारी को पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम ने तत्काल संज्ञान लेते हुए नगर निरीक्षक लांजी एवं अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बच्ची की सुरक्षा, समुचित चिकित्सकीय देखरेख, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्ची की देखभाल में किसी प्रकार की लापरवाही न हो तथा उसकी सुरक्षा और संरक्षण के लिए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाए, इस पर विशेष ध्यान देने को कहा। बीएमओ डॉ. अक्षय उपराडे ने भी पुलिस थाने में इस संबंध में लिखित तहरीर पहुंचाई है।

किसने छोड़ा मासूम को, बना हुआ है सवाल

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस नवजात बालिका को झोले में किसने और किन परिस्थितियों में छोड़ा? उसके माता-पिता अथवा परिजनों के संबंध में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इसके पीछे क्या मजबूरी रही या किसने मासूम को इस हाल में छोड़ा, यह पुलिस जांच का विषय है। जिस उम्र में एक बच्चे को मां की गोद और परिवार का स्नेह मिलना चाहिए, उस उम्र में इस मासूम को झोले में अकेला छोड़ दिया गया। हालांकि एक अनजान महिला की इंसानियत, पुलिस की तत्परता, स्वास्थ्य विभाग की देखरेख और प्रशासनिक संवेदनशीलता ने उसे सुरक्षित भविष्य की एक उम्मीद जरूर दी है।

धनतेरस से पहले गुलजार होने लगे लांजी के बाजार

घर लौटने लगे परदेसी, व्यापारियों को अच्छे कारोबार की उम्मीद





पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली पर्व की आहट के साथ ही अब बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। दो दिन बाद 6 नवंबर को धनतेरस का पर्व मनाया जाएगा। इससे पहले पुष्य नक्षत्र के शुभ अवसर पर भी लोगों ने खरीदारी को प्राथमिकता दी। अब धनतेरस और दीपावली की तैयारियों के बीच बाजार गुलजार होने लगे हैं। खास बात यह है कि रोजगार और कामकाज के सिलसिले में परदेस में रहने वाले लोग भी त्योहार मनाने अपने घरों को लौटने लगे हैं। घर वापसी के बाद ये लोग परिवार के साथ बाजारों का रुख कर रहे हैं और दीपावली की खरीदारी में जुट गए हैं। दीपावली पर घरों की सजावट, नए कपड़े, मिठाइयां, पूजन सामग्री, बर्तन और अन्य जरूरी सामान खरीदने का सिलसिला शुरू हो गया है। बाजारों में कपड़ा, सराफा, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक और सजावटी सामान की दुकानों पर ग्राहकों की चहल-पहल दिखाई देने लगी है। त्योहार के मद्देनजर दुकानदारों ने भी अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया है। व्यापारियों को उम्मीद है कि धनतेरस और दीपावली के नजदीक आते ही ग्राहकों की संख्या में और इजाफा होगा।

पुष्य नक्षत्र में खरीदारी का विशेष महत्व

हिंदू धर्म और ज्योतिष शास्त्र में पुष्य नक्षत्र को अत्यंत शुभ एवं मंगलकारी माना गया है। मान्यता है कि इस नक्षत्र में सोना, चांदी, वाहन, भूमि, मकान और घरेलू उपयोग की वस्तुएं खरीदना शुभ फलदायी होता है। इसी मान्यता के चलते धनतेरस से पहले 1 नवंबर को आए पुष्य नक्षत्र के अवसर पर भी लोगों में खरीदारी को लेकर उत्साह देखा गया। अब 6 नवंबर को धनतेरस के पर्व पर एक बार फिर बाजारों में अच्छी ग्राहकी की उम्मीद है। धनतेरस का पर्व खरीदारी के लिहाज से विशेष महत्व रखता है। इस दिन सोने-चांदी के आभूषण, सिक्के, पीतल, तांबे और स्टील के बर्तन खरीदने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसी कारण धनतेरस को धन्वंतरि जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा कर अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की जाती है। वहीं शाम के समय मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा-अर्चना कर घर में सुख-समृद्धि की प्रार्थना की जाती है।

त्योहार ने बढ़ाई बाजारों की उम्मीदें

धनतेरस और दीपावली को लेकर स्थानीय व्यापारियों में भी उत्साह है। परदेस से घर लौटे लोगों के साथ ही स्थानीय परिवार भी त्योहार की खरीदारी में जुट रहे हैं। बाजारों में बढ़ती चहल-पहल से कारोबारियों को अच्छे व्यापार की उम्मीद बंधी है। आने वाले दिनों में ग्राहकों की भीड़ बढ़ने की संभावना है। कुल मिलाकर दीपावली की खुशियों के बीच बाजारों में त्योहार का रंग चढ़ने लगा है और धनतेरस के साथ खरीदारी अपने चरम पर पहुंचने की उम्मीद है। मान्यता है कि इस दिन घर में नई वस्तु लाने से मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है और परिवार में सुख-समृद्धि आती है। बदलते समय के साथ अब लोग इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की अन्य वस्तुओं की खरीदारी भी धनतेरस पर करना पसंद करते हैं।

बड़गांव में टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ कल

सुपर बॉयज क्रिकेट क्लब द्वारा 20 वर्षों से लगातार किया जा रहा आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। दीपावली के अवसर पर क्रिकेट प्रेमियों के उत्साह को देखते हुए सुपर बॉयज क्रिकेट क्लब बड़गांव के तत्वावधान में भव्य टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट पंचायत का आयोजन किया जा रहा है। क्लब द्वारा पिछले 20 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही इस प्रतियोगिता का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी स्टेडियम बड़गांव में 6 नवंबर को होगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ सरपंच माही भगत डोंडूलाल लिल्हारे, जे.एल. कलवारिया, रामेश्वर लिल्हारे, सूरेंद्र चिखले, धर्मेंद्र फूलमारे, संदीप पारधी, गगनसिंह बैस एवं धर्मेंद्रसिंह बैस के आतिथ्य में होगा। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 25 हजार रुपये एवं शील्ड, द्वितीय पुरस्कार 12 हजार 500 रुपये एवं शील्ड तथा तृतीय पुरस्कार 5 हजार रुपये एवं शील्ड निर्धारित किया गया है। इसके अलावा मैन ऑफ द सीरीज, मैन ऑफ द मैच, बेस्ट बल्लेबाज एवं बेस्ट गेंदबाज को शील्ड प्रदान की जाएगी। प्रत्येक मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच मेडल से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता का समापन 15 नवंबर को लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार कोरे के मुख्यातिथ्य, पूर्व विधायक हिना कावरे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, पूर्व सरपंच चिचोली विजय मस्करे, थाना प्रभारी बहेला एवं विधायक



प्रतिनिधि गौरव बैस सहित अन्य अतिथियों के आतिथ्य में होगा।

इन्होंने की अपील

प्रतियोगिता में पहुंचने की समिति के अध्यक्ष राज कलपुरे, उपाध्यक्ष गजेंद्र बेतवार, सचिव रंजीत रमेश लिल्हारे, सहसचिव शुभम भरतलाल लिल्हारे, कोषाध्यक्ष सागर साठजस्कार, कप्तान शुभम गगन लिल्हारे एवं उपकप्तान रंजीत पुष्पा लिल्हारे, लिल्हेश्वर कलवारिया, विजय लिल्हारे, कमल लिल्हारे, सिद्धार्थ फूलमारे, दौलत साउजस्कार, टेकचंद लिल्हारे, शरद लिल्हारे, जैनेन्द्र कलपुरे, शिव कलवारिया एवं संदीप फूलमारे ने अपील किए हैं।

श्रीमती रूखमाबाई रामटेककर पंचतत्व में विलीन



पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर के वार्ड क्रमांक 13 सुन्दरटोला निवासी पुरणलाल रामटेककर की धर्मपत्नी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, खंड लांजी के खंड संघचालक विजय रामटेककर की माताजी श्रीमती रूखमाबाई रामटेककर का 3 नवंबर की रात्रि 10:45 बजे 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से परिवार, रिश्तेदारों एवं परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्वर्गीय श्रीमती रूखमाबाई रामटेककर का अंतिम संस्कार 4 नवंबर को दोपहर 1 बजे कोटेश्वर मोक्षधाम में किया गया। वे अपने पीछे तीन पुत्र विजय रामटेककर, महेंद्र रामटेककर एवं रमेश रामटेककर तथा एक पुत्री रेखा मुरकटे सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनकी अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में परिजनों, इष्ट मित्रों, नाते-रिश्तेदारों एवं नगरवासियों ने शामिल होकर नम आंखों से अंतिम विदाई दी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

नपं जनरल मीटिंग से 8 कांग्रेस पार्षदों का बहिष्कार

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। दीपावली से पूर्व 4 नवंबर को गोरेगांव नगर पंचायत में आयोजित जनरल मीटिंग उस समय चर्चा का विषय बन गई, जब कांग्रेस के 8 पार्षद बैठक में एक साथ अनुपस्थित थे. एक साथ बड़ी संख्या में पार्षदों की गैरहाजिरी को लेकर नगर पंचायत की राजनीति में हलचल तेज हो गई है.

4 नवंबर को नगर पंचायत द्वारा पार्षदों व कर्मचारियों को महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी. बैठक में सत्ताधारी पक्ष कांग्रेस की ओर से नगराध्यक्ष तेजराम बिसने, उपाध्यक्ष महेशराम येरोला, निर्माण सभापति पवन रहांगडाले तथा पार्षद सुरेश रहांगडाले ही उपस्थित थे, जबकि गोरेगांव नगर पंचायत में कांग्रेस के 12 पार्षद हैं जिनमें 4 पार्षद उपस्थित थे अन्य



8 पार्षद बैठक में नजर नहीं आए. नगर पंचायत की महत्वपूर्ण जनरल मीटिंग में एक ही दल के आठ पार्षदों का एक साथ अनुपस्थित रहना राजनीतिक गलियारों में सवाल खड़े कर रहा है. क्या यह महज संयोग था या फिर नगर पंचायत के कामकाज को लेकर पार्षदों की नाराजगी का संकेत? इसको लेकर शहर में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं. फिलहाल अनुपस्थित पार्षदों ने इस विषय पर अपनी चुप्पी साधी हुई है.

कामकाज को लेकर नाराजगी की चर्चा

सूत्रों के हवाले से चर्चा है कि अनुपस्थित कांग्रेस पार्षद नगर पंचायत के कामकाज व विकास कार्यों को लेकर असंतुष्ट बताए जा रहे हैं. लेकिन, इस नाराजगी को लेकर संबंधित पार्षदों की ओर से फिलहाल कोई स्पष्ट आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. यदि पार्षदों के बीच चल रही नाराजगी वास्तव में गंभीर है, तो आने वाले दिनों में इसका असर नगर पंचायत की निर्णय प्रक्रिया और शहर के विकास कार्यों पर पड़ सकता है. खासकर तब, जब जनप्रतिनिधियों के बीच आपसी समन्वय नगर विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है.

अब आगे क्या?

जनरल मीटिंग से कांग्रेस पार्षदों की सामूहिक अनुपस्थिति ने गोरेगांव की स्थानीय राजनीति में नई चर्चा को जन्म दे दिया है. अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अनुपस्थित पार्षद अपनी गैरहाजिरी को क्या कारण बताते हैं और क्या आगामी बैठकों में यह नाराजगी खुलकर सामने आती है. फिलहाल, 8 पार्षदों की एक साथ गैरहाजिरी ने यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि गोरेगांव नगर पंचायत में सब कुछ सामान्य है या अंदरखाने किसी बड़े राजनीतिक असंतोष की आहट है. इस संबंध में नगराध्यक्ष तेजराम बिसने ने कहा कि बैठक की जानकारी सभी पार्षदों को दी गई थी. लेकिन दीपावली में व्यस्त होने से पार्षदों की अनुपस्थिति हो सकती है. इस विषय पर विस्तृत रूप से पार्षदों से चर्चा की जाएगी.

पुराने विवाद के चलते की मारपीट

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत शंभुटोला निवासी फिर्यादी विक्रांत दिनेश मेंढे (29) अपने मित्र अमित चंदन डहारे (21), हितेश न्यानिराम शिवनकर (32) के साथ अंकुश मोबाइल दुकान कामठा चौक, आमगांव में मोबाइल खरीदी करने गया था. इसी बीच आरोपी मृदुल मेंढे (24), अशोक मेंढे (45) व मोहित मेंढे (19) ने पुराने विवाद के चलते उसके साथ गालीगलौज की, साथ ही लात-घूसों से मारपीट कर धमकी दी. फिर्यादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बर्वे कर रहे हैं.

कार ने बाइक को मारी भीषण टक्कर

दो युवक गंभीर घायल - ग्रामणी खड़की की घटना



पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। सड़क अर्जुनी के तहसील के ब्राम्हणी खड़की स्थित मुख्य टी-पॉइंट के पास मंगलवार, 3 नवंबर की शाम करीब 6 बजे टोयोटा हाइराइडर कार व मोटरसाइकिल के बीच भीषण भिड़ंत हो गई. हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, इनमें से एक युवक का पैर टूटने की जानकारी है. दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल क्र. एमएच 35 - बीडी 7432 भारत व इंडियन पेट्रोल पंप की ओर से ब्राम्हणी खड़की की दिशा में जा रही थी, इसी दौरान टोयोटा कंपनी की नई हाइराइडर कार ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों का नाम सलंगटोला, राजगुड्डा निवासी महेंद्र युवराज पंधरे (35) व रिंकू परतेकी (18) बताया गया है. दुर्घटना के बाद दोनों को 108 एंबुलेंस की मदद से सड़क अर्जुनी ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया गया. प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें आगे के उपचार के लिए गोंदिया के केटीएस अस्पताल रेफर किया गया. घटना की जानकारी मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग पुलिस केंद्र डुग्गीपार तथा डुग्गीपार थाने के बीट जमादार विजय कौटांगले, गणेश पवार व गुणवंत कठाणे घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को जब्त कर डुग्गीपार थाने पहुंचाया. जांच बीट जमादार विजय कोटांगले कर रहे हैं. वहीं, दुर्घटना की सूचना मिलते ही हाईवे पेट्रोलिंग टीम 1033 ने मौके पर पहुंचकर यातायात सुचारु कराया. बताया जा रहा है कि कार चालक अहमदाबाद (गुजरात) निवासी शैलेंद्रकुमार वलदि दुर्घटना के बाद वाहन छोड़कर फरार हो गया.

बंद घर से 1.06 लाख का माल चोरी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। तहसील के गोवारीटोला में अज्ञात चोर ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया और 1 लाख 6 हजार 401 रु. का माल चोरी कर लिया. जानकारी के अनुसार, गोवारीटोला फिर्यादी चैतराम डुडेश्वर तिल्लारे (38) का पैतृक मकान गोवारीटोला में है, वह परिवार के साथ गोंदिया में रहते हैं और समय-समय पर अपने पैतृक गांव स्थित मकान पर आते-जाते रहते हैं. इसी दौरान अज्ञात चोर ने मौका देखकर बंद मकान के दरवाजे का ताला तोड़ दिया और भीतर प्रवेश कर 1,06,401 रु. का सामान चोरी कर लिया. शिकायत के आधार पर सालेकसा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. जांच सहायक पुलिस उपनिरीक्षक डोंगरे कर रहे हैं.

दिवाली पर्व पर यातायात व पार्किंग व्यवस्था सुगम की जाए

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। प्रकाश पर्व दिवाली पर्व पर आमगांव शहर के मुख्य बाजार में खरीदारी के लिए नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ती है. इस दौरान मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही अत्यधिक बढ़ने से यातायात जाम की समस्या उत्पन्न हो जाती है. इस समस्या को ध्यान में रखते हुए बाजार की यातायात और पार्किंग व्यवस्था को और अधिक सुगम और नियोजित किया जाए, ऐसी मांग अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, शाखा आमगांव की ओर से की गई है. इसी संदर्भ में ग्राहक पंचायत के पदाधिकारियों ने 3 नवंबर को आमगांव थाने में ज्ञापन सौंपा.

दिवाली की खरीदारी के लिए आए ग्राहकों द्वारा अपने दोपहिया और चारपहिया वाहन मुख्य सड़क पर ही अव्यवस्थित तरीके से खड़े कर दिए जाते हैं, इससे सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और यातायात में गंभीर बाधा उत्पन्न होती है. इसका सबसे अधिक असर पैदल चलने वाले नागरिकों, स्कूली बच्चों, महिलाओं तथा बुजुर्ग और वरिष्ठ नागरिकों पर पड़ता है. कई बार इस अव्यवस्थित पार्किंग के कारण दुर्घटनाएं होने की आशंका भी बनी



रहती है. शहर के आंबेडकर चौक से कामठा चौक और आंबेडकर चौक से गोंदिया रोड स्थित दीवानी न्यायालय तक के मुख्य मार्ग पर दिवाली अवधि के लिए विशेष पार्किंग व्यवस्था बनाई जाए, वाहनों की खड़ी करने के लिए अलग स्थान निर्धारित कर यातायात पुलिस या कर्मचारी तैनात किया जाए, ताकि यातायात सुचारू बना रहे और किसी भी नागरिक को परेशानी का सामना न करना पड़े, ऐसी ठोस मांग इस ज्ञापन के माध्यम से की गई है. ज्ञापन सौंपते समय ग्राहक पंचायत के अध्यक्ष ची. डी. मेश्राम, संगठन मार्गदर्शक जगदीश शर्मा, सचिव लक्ष्मण खंडाईत, सदस्य जी. एम. येडे, रमेश लिल्हारे, प्रदीप बिसेन आदि मान्यवर उपस्थित थे.

ग्राप कर्मचारियों को दिवाली से पहले सानुग्रह अनुदान और बकाया वेतन देने की मांग

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। गोरेगांव के तहसील गोरेगांव की विभिन्न ग्राम पंचायतों में कार्यरत कर्मचारियों को दिवाली त्योहार से पहले एक माह के वेतन के बराबर, न्यूनतम 15 हजार रु. सानुग्रह अनुदान दिया जाए, साथ ही लंबित कोरोना भत्ता, ग्राम पंचायत की ओर से मिलने वाला वेतन हिस्सा, भविष्य निर्वाह निधि (पीएफ) तथा संशोधित जीवन निर्वाह भत्ता तत्काल प्रदान किया जाए, यह मांग महाराष्ट्र राज्य ग्राम पंचायत कर्मचारी यूनियन, एनजीपी 4511 की गोरेगांव तहसील शाखा की ओर से की गई है. इस संबंध में पंचायत समिति सभागार, गोरेगांव में खंड विकास अधिकारी सारिपुत्र धोटे की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम पंचायत कर्मचारी शिकायत निवारण सभा में ज्ञापन सौंपकर विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई. इस समय यूनियन के जिलाध्यक्ष माधव एम. सेकतकर, जिला सचिव व तहसील सचिव छगनलाल डी. अग्रेल, संजय शिवणकर, विनोद राहुलकर, लक्ष्मीकांत कावले, पृथ्वीराज कालसर्पे सहित ग्राम पंचायतों के कर्मचारी उपस्थित थे.

बोरवेल से केबल चोरी करते हुए तीन आरोपियों पकड़ा

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। डुग्गीपार थाने के तहत शिवनटोला खेत परिसर से बोरवेल में लगा केबल चुराते हुए तीन आरोपियों को पकड़ा गया. वहीं एक आरोपी फरार हो गया. जानकारी के अनुसार, शिवनटोला पांढरी निवासी फिर्यादी रामराव सदाराम पटले (60) के खेत में लगे बोरवेल से 2 जार 500 रु. कीमत का 55 फुट केबल, तुकाराम ठाकरे के खेत से 3 हजार रु. किमत का 60 फुट केबल तार चोरी करते हुए पांढरी रेगेपार निवासी आरोपी प्रफुल बडोले (30), नवेगांवबांध निवासी हेमकृष्ण गायकवाड़ (29) व तिनीन राऊत को पकड़ा गया, वहीं इस दौरान एक आरोपी फरार हो गया, फिर्यादी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार शातझाडे कर रहे हैं.

अवैध रेत ले जाते हुए ट्रैक्टर को पकड़ा

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। दवनीवाडा थाने के तहत ग्राम सालइटोला में वैनगंगा नदी के देवरी रेती घाट से अवैध रेत ले जाते हुए एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया. इस कार्रवाई में 6 लाख रु. कीमत को ट्रैक्टर□-ट्रॉली व 6 हजार रु. कीमत का एक ब्रास रेत ऐसा कुल 6 लाख 6 हजार रु. का माल जब्त किया गया. फिर्यादी सहायक पुलिस निरीक्षक प्रशांत भुते (44) की शिकायत पर देवरी तहसील के सुंदरटोली निवासी आरोपी परमेश्वर नागपुरे (23) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. जांच धर्मपाल भुरे कर रहे हैं.

पुलिस अधिकारी बनकर 12.50 लाख की ठगी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। साइबर ठगों ने पुलिस अधिकारी होने का झांसा देकर 66 वर्षीय बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अपना शिकार बनाया. ठगों ने बुजुर्ग को डरा कर कैनेरा बैंक और एक्सिस बैंक खातों में कुल 12 लाख 50 हजार 23 रु. 60 पैसे ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया.

जानकारी के अनुसार, गोरेगांव के वर्धमान कॉलोनी निवासी फिर्यादी दिनेश यादुलाल बघेले (66) अपने घर पर थे, इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने उनसे संपर्क किया और खुद को पुलिस अधिकारी बताकर बातचीत शुरू की. आरोपी ने डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर उन्हें अपने जाल में फंसा लिया. इसके बाद ठगों ने फिर्यादी से बैंक ऑफ इंडिया के खाते में 9 लाख रु. तथा एक्सिस बैंक के खाते में 3 लाख 50 हजार 23 रु. 60 पैसे ऐसे कुल 12 लाख 50 हजार 23 रु. 60 पैसे ट्रांसफर करवा लिए. ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने अनिलहार साइबर शिकायत दर्ज कराई. शिकायत के आधार पर गोरेगांव थाने को ई-जीरो एफआईआर प्राप्त हुई. इसके बाद फिर्यादी की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया. जांच पुलिस निरीक्षक वैशाली ढाले कर रही हैं.

खेत मजदूर युनियन का जिलाधिकारी कार्यालय पर मोर्चा

25 हजार रु. अकाल राहत देने की मांग

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। महाराष्ट्र राज्य लाल बावटा खेत मजदूर युनियन के राज्यव्यापी आंदोलन के तहत 4 नवंबर को जिला खेत मजदूर युनियन की ओर से गोंदिया जिलाधिकारी कार्यालय पर मोर्चा निकालकर प्रदर्शन किया गया. इस दौरान खेत मजदूरों को अकाल राहत



के रूप में 25 हजार रु. की आर्थिक सहायता देने की प्रमुख मांग उठाई गई.

प्रदर्शन के माध्यम से मांग की गई कि अकाल राहत के तहत मनरेगा के काम तत्काल शुरू किए जाएं तथा मजदूरों को 700 रु. प्रतिदिन मजदूरी दी जाए, इसके अलावा वन भूमि पर खेती करने वालों को मालिकाना हक के पट्टे देने, ई-पीक पंजीयन के आधार पर किसान कार्ड बनाने तथा आवास योजना के तहत 5 लाख रु. मंजूर करने की मांग की गई. वहीं वृद्धावस्था, श्रावणबाल व दिव्यांग आर्थिक सहायता योजनाओं के तहत 6 हजार रु. प्रतिमाह सहायता लागू करने की भी मांग रखी गई. मोर्चे का नेतृत्व युनियन के राज्य उपाध्यक्ष हीसलाल रहांगडाले, राज्य सचिव कल्पना डोंगरे, जिला सचिव प्रल्हाद उके, जितेंद्र गजभिये, दुलीचंद कावड़े, गुणवंतराव नाईक, बाबूराव राऊत सहित प्रमुख पदाधिकारियों ने किया. प्रदर्शन में खेत मजदूरों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सरकार और प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया गया.

खेल प्रतिभाओं ने दिखाया दमखम

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। के. पी. असाटी पब्लिक स्कूल, तिरोड़ा का वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव 'हल्ला-ए 2ध26 ङ्क ङ्घढ्ढङ्घड्डङ्घ ङ्घढ्ढ ढढ्ढङ्घड्डढ्ढङ्घष्ट्ठ' उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ. विद्यार्थियों में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करने तथा अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित इस महोत्सव में नर्सरी से कक्षा दसवीं तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की.

अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे व तिरोड़ा के पुलिस निरीक्षक अमित वानखेड़े ने की, प्रमुख अतिथि के रूप में लष्ट्ठष्ट्र बैंक के संचालक डा. अविनाश जैस्वाल, गोंदिया जिला बिजनेस फेडरेशन के महासचिव अपूर्व अग्रवाल, नगर परिषद तिरोड़ा के शिक्षा विभाग सभापति देवेंद्र तिवारी, उद्धमी श्याम बचवानी तथा पूज्य सिंधी पंचायत तिरोड़ा के अध्यक्ष प्रकाश ज्ञानचंदानी उपस्थित थे. महोत्सव का शुभारंभ विद्यार्थियों के आकर्षक व अनुशासित मार्च पास्ट से हुआ. एकरूपता और आत्मविश्वास के साथ कदमताल करते विद्यार्थियों ने



अनुशासन व एकता का परिचय दिया. इस दौरान 100 व 200 मीटर दौड़, रिले रेस, लंबी कूद, गोला फेंक, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, शतरंज, क्रिकेट, सैक रेस तथा चम्मच-नींबू दौड़ सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. बालिकाओं की कबड्डी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण रही. सत्यम, शिवम, सुंदरम और मधुरम हाउस के बीच हुई रोमांचक प्रतिस्पर्धा में सत्यम हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया. पुलिस अधीक्षक भामरे ने कहा कि शिक्षा के साथ खेलों का भी जीवन में समान महत्व है. खेलों से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ अनुशासन, सहयोग, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास विकसित होता है. जीत से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना और निरंतर प्रयास है. आज के विद्यार्थी ही कल के चैंपियन हैं. इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन दिलीप असाटी, संस्थापक सचिव बंसी असाटी, संचालक अर्पित असाटी व संस्कार असाटी उपस्थित थे. कार्यक्रम का नियोजन प्राचार्य सुरेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में किया गया. संचालन क्रीड़ा शिक्षक आकाश शहारे ने किया व मंच संचालन राजकुमार दमाहे ने किया.

फुलचूर के सारस चौक की समस्या पर प्राधिकरण ने लिया संज्ञान

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। शहर से सटे फुलचूर स्थित सारस चौक पर लगातार बढ़ रहे सड़क हादसों को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मामले को गंभीरता से लिया है. हादसों पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय करने के निर्देश दिए गए हैं. उल्लेखनीय है कि 1 नवंबर को इस चौक पर हुए हादसे में तीन लोग घायल हो गए थे, इसके बाद 2 नवंबर को स्थानीय ग्रामीणों ने पहल करते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी अवस्थर्ये व उनकी टीम तथा निर्माण कंपनी के अभियंता जाधव को घटनास्थल पर बुलाकर समस्या से अवगत कराया.

फुलचूर का सारस चौक जिला परिषद, जिलाधिकारी कार्यालय, पुलिस अधीक्षक कार्यालय के साथ ही गोरेगांव-आमगांव-गोंदिया बायपास मार्ग को जोड़ता है. इस कारण यहां 24 घंटे वाहनों की आवाजाही बनी रहती है. पिछले कई महीनों से इस मार्ग पर निर्माण कार्य जारी है, लेकिन पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. साथ ही दुर्घटनाओं की संख्या में भी वृद्धि हो रही है. ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष चौक के चारों मार्गों पर स्पीड ब्रेकर व स्पीडोमीटर लगाने, डिवाइडर की लंबाई कम करने तथा मोड़ को चौड़ा करने की मांग रखी. अधिकारियों व निर्माण कंपनी की टीम ने इन सुझावों को गंभीरता से लेते हुए चौक की व्यवस्थित बनाने और आवश्यक सुरक्षा सुधार करने का आश्वासन दिया. इस दौरान मिलन रामटेके, पप्पू गौतम, इरशाद शेख, संजय चौधरी, संजय गौतम, मनोज लिल्हारे, मानपुरे, पाटिल, कृणाल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक व ग्रामीण उपस्थित थे.

न्यायालयीन कर्मचारी 5 नवंबर को सामूहिक अवकाश पर

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। उच्च न्यायालय के कर्मचारियों के समान वेतनमान राज्य के अधीनस्थ न्यायालयों के कर्मचारियों को भी लागू करने की मांग को लेकर प्रदेशभर के न्यायालयीन कर्मचारी आंदोलन की राह पर हैं. पिछले 22 महीनों से शासन के पास लंबित प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिलने से कर्मचारियों में नाराजगी है. इसी के विरोध में 5 नवंबर को राज्य के सभी अधीनस्थ न्यायालयों के कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहकर कामबंद आंदोलन करेंगे. मांगें पूरी नहीं होने पर 17 नवंबर से राज्य के 34 हजार न्यायालयीन कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी राज्य न्यायालयीन कर्मचारी महासंघ ने दी है.

उच्च न्यायालय और उसके खंडपीठ के कर्मचारियों की तर्ज पर अधीनस्थ न्यायालयों के कर्मचारियों को भी संशोधित वेतनमान देने की मांग लंबे समय से की जा रही है. इस संबंध में अब तक शासन निर्णय जारी नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष है. कर्मचारियों का कहना है कि समान काम के लिए समान वेतन मिलना चाहिए. न्यायालय में सभी को समान न्याय देने की व्यवस्था है, लेकिन कर्मचारियों के वेतनमान में भेदभाव किया जा रहा है. इस मांग को लेकर गोंदिया जिला व तहसील न्यायालयों के कर्मचारियों ने 16 सितंबर तथा 16 और 17 अक्टूबर को काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण ढंग से कामकाज किया था. वहीं, 17 अक्टूबर को सेवानिवृत्त न्यायालयीन कर्मचारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय के सामने एक दिवसीय आंदोलन कर शासन के प्रति नाराजगी जताई थी. आंदोलन के अगले चरण में 5 नवंबर को गोंदिया जिले के सभी न्यायालयों के कर्मचारी सामूहिक अवकाश लेकर कामबंद आंदोलन करेंगे. इसी दिन सेवानिवृत्त न्यायालयीन कर्मचारी गोंदिया जिलाधिकारी कार्यालय के सामने एक दिवसीय श्रृंखलाबद्ध अनशन कर विरोध दर्ज कराएंगे. महासंघ ने चेतावनी दी है कि 17 नवंबर तक संशोधित वेतनमान लागू करने संबंधी शासन निर्णय जारी नहीं हुआ तो राज्य के 34 हजार न्यायालयीन कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे.

रेलटोली में दुकान के सामने स्टील की रेलिंग लगाकर अतिक्रमण

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। नगर परिषद क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रेलटोली परिसर स्थित गुजराती स्कूल के सामने एक दुकान मालिक द्वारा सड़क पर स्टील की रेलिंग लगाकर सीधे प्रशासन को चुनौती देने का मामला सामने आया है. इस मार्ग पर अन्य कई लोगों द्वारा भी इसी तरह अतिक्रमण किए जाने की बात सामने आ रही है. इस अवैध निर्माण के खिलाफ स्थानीय पार्षद ने आक्रामक रुख अपनाते हुए आज सड़क पर उतरकर आंदोलन शुरू कर दिया. बाद में नगराध्यक्ष की मध्यस्थता और व्यापारी संगठन की सहमति के बाद दिवाली के बाद अतिक्रमण हटाने के आश्वासन पर आंदोलन वापस लिया गया.

जानकारी के अनुसार, गुजराती स्कूल के सामने स्थित वैशाली राजपुरोहित के दुकान मालिक ने मुख्य मार्ग पर स्टील की रेलिंग खड़ी कर दी है, जिससे आने-जाने वालों को भारी परेशानी हो रही है. इस पर कड़ा ऐतराज जताते हुए क्षेत्र के पार्षद चंद्रकुमार चुटे ने बुधवार, 4 नवंबर को इस अतिक्रमण को तुरंत हटाने की मांग को लेकर मौके पर ही आंदोलन शुरू कर दिया. आंदोलन की खबर मिलते ही पार्षद लोकेश



यादव मौके पर पहुंचे, उन्होंने दुकानदार का पक्ष लेते हुए व्यापारी संगठन के साथ मिलकर आंदोलक पार्षद चंद्रकुमार चुटे से बात की. मामला बढ़ता देख नगराध्यक्ष सचिन शेंडे भी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने स्थिति का जायजा लेते हुए वैशाली राजपुरोहित के दुकान मालिक को सड़क से अतिक्रमण तुरंत हटाने के स्पष्ट निर्देश दिए. इस दौरान व्यापारी संगठन के पदाधिकारियों ने त्योहार के मौसम का हवाला देते हुए कुछ समय देने की मांग की, व्यापारी संगठन के अध्यक्ष संजय जैन व पूर्व पार्षद सुनील तिवारी की उपस्थिति में हुई बातचीत के बाद, दिवाली के बाद अतिक्रमण खुद से हटाने पर सहमति बनी. इस आश्वासन के बाद पार्षद चंद्रकुमार चुटे ने अपना आंदोलन फिलहाल के लिए वापस ले लिया. लेकिन, सड़क पर इस तरह के खुलेआम अतिक्रमण को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश बना हुआ है.

विराट की आक्रामक पारी से भारतीय टीम ने पहले एकदिवसीय में न्यूजीलैंड को हराया

ऑकलैंड। विराट कोहली की अर्धशतकीय पारी (74) रनों से भारतीय टीम ने वर्षा बाधित पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड टीम को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर मेजबान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। कीवी टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 185 रनों पर ही सिमट गयी। भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक चार विकेट अर्शदीप सिंह ने लिए। इसके बाद भारतीय टीम को जीत के लिए 186 रनों का लक्ष्य मिला। भारतीय टीम की बल्लेबाजी के दौरान बारिश होने से टीम को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला जिसे भारतीय टीम ने 22.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।



इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा शून्य पर ही आउट हो गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और विराट कोहली ने पारी संभाली। शुभमन और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी बनायी। शुभमन 56 गेंद में पांच चौके लगाकर 37 रन बनाकर आउट हुए। वहीं विराट ने 51 गेंद में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 74 रन बनाये। लगाया। अक्षर खाता फिर असफल रहे और शून्य पर ही आउट हो गये। श्रेयस अय्यर भी 15 रन ही बना सके। केएल राहुल ने तीन रन बनाये नमन धीर पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

वहीं इससे पहले टॉस हारने के बाद बल्लेबाजी के लिए बुलाये जाने पर मेजबान टीम 40.2 ओवर में 185 रन ही बना पायी। उसके पांच बल्लेबाज ही दो अंकों तक पहुंच पाये। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने एक के बाद एक विकेट खो दिये। सलामी बल्लेबाज विल यंग 9 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद लगातार विकेट गिरते रहे।

विकेटकीपर बल्लेबाज टिम सिफर्ट ने सबसे अधिक 38 रन बनाए। इसके अलावा डेरिल मिचेल ने 28 और ग्लेन फिलिप्स ने 30 रन बनाये। कोई भी कीवी बल्लेबाज लंबी पारी नहीं खेल पाया।

कीवी टीम ने 146 रनों पर 9 विकेट खो दिये। एक समय लग रहा था कि टीम 150 रनों तक भी नहीं पहुंच पायेगी पर अंतिम स्थान पर उतरे क्लेयर टिकनर केवल 23 गेंदों पर तेजी से 34 रन बनाए बनाकर टीम को एक सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। इस दौरान डफी ने नाबाद 15 रन बनाकर उनका अच्छा साथ दिया। न दोनों के बीच आखिरी विकेट के लिए 39 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई, जिसके दम पर न्यूजीलैंड की टीम 40.2 ओवर में 185 रनों पर ऑल आउट हुई।

वहीं भारत की तरफ से युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 70 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं अंशुल कंबोज ने 10 ओवर में 2 मेडन के साथ ही 22 रन देकर 2 विकेट लिए। इसके अलावा रन्नर बरार ने भी 9.2 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए। इस तरह भारतीय गेंदबाजों ने मेजबान टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।

राफिन्हा और यामल के गोलों से बार्सिलोना ने एस्टन विला को 3-0 से हराया

बार्सिलोना। राफिन्हा और यामल के गोलों से बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग फुटबॉल में एस्टन विला को 3-0 से हरा दिया। बार्सिलोना की ओर से अनुभवी फॉरवर्ड राफिन्हा ने दो गोल जबकि यामल ने एक गोल किया। मैच की शुरुआत में ही बार्सिलोना ने जोआओ गोम्स की गलती का पूरा लाभ उठाया। बॉक्स के अंदर गलत जगह पर गिरी गेंद सीधे यामल के पास पहुंची, जिन्होंने बिना कोई गलती किए टीम की ओर से पहला गोल किया। वह यामल का चैंपियंस लीग में 14वां गोल था और इससे वह एम्बाप्पे को पीछे छोड़ते हुए लीग में सबसे कम उम्र में इतने अधिक गोल दागने वाले खिलाड़ी बन गए।



इसके बाद एस्टन विला टीम ने भी प्रयास शुरू कर दिये। मैटी कैश और विक्टर लिंडेलोफ ने उसकी ओर से लगातार आक्रमक किये। इसके अलावा जोहान मंजाबी और गोम्स भी भी गोल दागने के करीब पहुंच गये पर बार्सिलोना के गोलकीपर जोआन गार्सिया और रक्षा पंक्ति ने उन्हें विफल कर दिया।

इसके बाद दूसरे हाफ में बार्सिलोना ने आक्रामक रुख अपनाया और 52वें मिनट में ही अपनी बढ़त बढ़ा दी। 64वें मिनट में, जोआओ कैंसेलो ने लेफ्ट फ्लैंक से एक बेहतरीन डिलीवरी की, जिस पर राफिन्हा ने अपना दूसरा गोल किया। इन दो गोलों के साथ राफिन्हा ने इस सत्र में सिर्फ 13 मैचों में अपने गोलों की संख्या 19 तक पहुंचा दी, जो उनकी जबरदस्त फॉर्म का प्रमाण है। वहीं विला ने लगातार गोल करने के प्रयास किए, पर बार्सिलोना की मजबूत रक्षापंक्ति को वह भेद नहीं पाये। इस बड़ी जीत के साथ ही बार्सिलोना लीग-स्तर मे नौ अंकों के साथ इंग्लिश टीम को बराबरी पर आ गया।

विराट, रोहित और शुभमन को महान रग्बी स्टार मीलामू ने भेंट की ऑल ब्लैक्स जर्सी

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड और भारत के बीच पहले वनडे मुकाबले से ठीक पहले, भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी कप्तान शुभमन गिल, विराट कोहली और रोहित शर्मा को एक खास सम्मान मिला। उन्हें न्यूजीलैंड के पूर्व महान रग्बी खिलाड़ी केविन मीलामू ने व्यक्तिगत ऑल ब्लैक्स जर्सी भेंट की। यह कार्यक्रम ऑकलैंड के प्रतिष्ठित ईडन पार्क में आयोजित किया गया, जो दोनों देशों के बीच सौ साल पुराने खेल संबंधों के जश्न का एक हिस्सा है।

ईडन पार्क में आयोजित एक विशेष बातचीत के दौरान, मीलामू ने तीनों भारतीय क्रिकेटरों का ऑल ब्लैक्स परिवार में गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने प्रत्येक खिलाड़ी को उनके क्रिकेट नंबरों वाली काली जर्सी उपहार में दी। शुभमन गिल को 77, विराट कोहली को 18 और रोहित शर्मा को 45 नंबर की जर्सी दी गई। इसने दो प्रमुख खेलों के बीच एक अद्वितीय क्रॉसओवर का अवसर प्रदान किया।

गौरतलब है कि मीलामू स्वयं न्यूजीलैंड रग्बी के सबसे सम्मानित खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, जिन्होंने 132 टेस्ट मैचों में देश का प्रतिनिधित्व किया है। वह 2011 और 2015 में रग्बी विश्व कप जीतने वाली टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य भी रहे हैं। इस आयोजन का स्थल, ऑकलैंड का ईडन पार्क, न्यूजीलैंड के खेल इतिहास में एक खास जगह रखता है। यह देश के सबसे प्रसिद्ध रग्बी स्टेडियमों में से एक है और ऑल ब्लैक्स के 1994 से शुरू हुए 54 मैचों के शानदार अजेय घरेलू रिकॉर्ड से जुड़ा हुआ है।

वहीं भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस खास मुलाकात को तीन भारतीय सितारों और न्यूजीलैंड रग्बी के एक महान खिलाड़ी से जुड़ा एक अविस्मरणीय पल बताया और इसकी तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कीं। यह मुलाकात दो खेलों से आगे बढ़कर, भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेल संबंधों के सौ साल पूरे होने के जश्न के दौरान हुई। इस ऐतिहासिक रिश्ते की शुरुआत 1926 में हुई थी, जब हॉकी के महान जादूगर ध्यानचंद को मौजूदगी में इंडियन आर्मी की हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड का ऐतिहासिक दौरा किया था। वर्तमान में चल रहा भारतीय क्रिकेट टीम का न्यूजीलैंड दौरा भी दोनों देशों के बीच खेल के सौ साल पूरे होने के इस जश्न का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

टीम में जगह नहीं मिलने से निराश हैं सरफराज

नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद भी राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिलने से बल्लेबाज सरफराज खान निराश हैं। सरफराज का कहना है उन्हें लगातार मेहनत के बाद भी उसका फल नहीं मिल रहा। जिससे अब उन्हें लगता है कि वह इतनी मेहनत ही क्यों कर रहे हैं। फरवरी 2024 में भारतीय टेस्ट टीम में पदार्पण के बाद सरफराज ने अपना आखिरी टेस्ट अक्टूबर 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला था। उसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था और तभी से वह अपनी वो राह देख रहे हैं। सरफराज ने कहा कि अब वह अधिक सोचते नहीं हैं, लेकिन हर सुबह उठकर उनके मन में यही सवाल आता है, आखिर मुझे इतनी मेहनत क्यों करनी चाहिए? उन्होंने आगे कहा कि सुबह पांच बजे उठने के साथ वही पुरानी दिनचर्या शुरू हो जाती है। सरफराज ने माना हैं न्यूजीलैंड के खिलाफ 2024 में पुणे और मुंबई में खेले गए पिछले चार टेस्ट पारियों में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, जहां उन्होंने वह 11, 9, 0 और 1 रन बनाए थे। इसी के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। हालांकि, इस मुश्किल दौर में उनके पिता नौशाद खान ही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा बने हुए हैं। सरफराज ने बताया कि जब कभी निराशा उन्हें घेरती है और मेहनत जारी रखने पर सवाल उठता है, तो पिता से ही उन्हें और बेहतर खेलने की प्रेरणा मिलती है। फरवरी 2024 में अपना डेब्यू करने वाले सरफराज ने अपने करियर के अब तक के सभी छह टेस्ट मैच घरेलू मैदानों पर ही खेले हैं। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम के साथ था, तो मैंने यही सुना कि वे मुझे भारतीय परिस्थितियों में खेलने के लिए ज्यादा अभ्यस्त देख रहे हैं। किसी चयनकर्ता ने हालांकि मुझसे सीधे तौर पर ऐसा नहीं कहा है। वहीं उन्होंने दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में अभ्यास मैचों में बनाए गए शतकों का हवाला देते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि मैंने भारत के बाहर रन नहीं बनाए हैं।

डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित करने की योजना बना रहा टीएनटीए

चेन्नई। तमिलनाडु टेनिस संघ (टीएनटीए) अगले साल से देश में तीन से चार डब्ल्यूटीए 125 टेनिस टूर्नामेंट आयोजित कर सकता है। दिग्गज टेनिस स्टार विजय अमृतराज भी टीएनटीए के इस कदम का समर्थन कर रहे हैं। उनका कहना है कि चेन्नई ओपन जैसे डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट की मेजबानी खोने के बाद किसी न किसी मुकाबले की सख्त जरूरत है। जिससे कि उभरती हुई प्रतिभाओं को कोई मंच मिल सके।

अमृतराज का कहना है कि चेन्नई ओपन को भारत में ही बनाये रखे जाने की जरूरत थी पर डब्ल्यूटीए इसके लिए तैयार नहीं था। इसके पीछे उसने खराब मौसम और फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा इला के उभरने को बताया। एलेक्जेंड्रा के विजेता बनने के कारण नियमों के तहत टूर्नामेंट की मेजबानी फिलीपींस को दे दी गयी। अमृतराज ने ये भी माना है कि मौसम ठीक नहीं होने के कारण भारत में चेन्नई ओपन में बेहतर रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी नहीं आ रहे थे। इससे भी फिलीपींस का पलड़ा भारी पड़ गया। इला, महिला रैंकिंग में शीर्ष 20 खिलाड़ियों में शामिल हैं और विंबलडन में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद से ही एक स्टार के रुप में उभरी हैं। उनके कारण भी टूर्नामेंट फिलीपींस चला गया। अमृतराज ने कहा कि हम 2027 के लिए फिलहाल डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट श्रृंखला भारतीय खिलाड़ियों को आयोजित करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं पर डब्ल्यूटीए 125 और 125 प्लस एक श्रेणी के कुछ और टूर्नामेंट आयोजित कराने की दिशा में हमारी तैयारी अच्छी चल रही है। हम जनवरी-फरवरी 2028 में तीन या चार टूर्नामेंट कराने की उम्मीद कर रहे हैं। इसका मुख्य लक्ष्य भारतीय खिलाड़ियों, खासकर महिला खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर दिलाना है। अभी महिला खिलाड़ियों के पास केवल एक ही अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है जो पर्याप्त नहीं है। अमृतराज ने कहा, इससे वैष्णवी, सहजा और अन्य भारतीय लड़कियों को लगातार कई टूर्नामेंट खेलने का मौका मिलेगा। उन्हें सिर्फ एक डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

अमृतराज का मानना है कि डब्ल्यूटीए 125 टूर्नामेंटों की यह श्रृंखला भारतीय खिलाड़ियों को रैंकिंग अंक जुटाने और पेशेवर टेनिस में आगे बढ़ने का बेहतर अवसर दे सकती है। साथ ही कहा कि अगर आप अच्छा खेलने में सक्षम हैं तो डब्ल्यूटीए 250 टूर्नामेंट में दो मैच जीतने पर निश्चित रूप से ज्यादा अंक मिलते हैं।

11वें नंबर पर उतरे टिकनर भारत के खिलाफ 4 छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बने

ऑकलैंड। यहां भारत और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच यहां खेले गये पहले एकदिवसीय में मेजबान टीम के शीर्ष बल्लेबाज जहां आसानी से आऊट हो गये। वहीं 11 के बल्लेबाज क्लेयर टिकनर, जो मुख्य रूप से एक तेज गेंदबाज हैं, ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय गेंदबाजों को हैरान कर दिया। दिए। टिकनर ने एक ही पारी में चार छक्के लगाकर एक ऐसा अनूठा रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही टिकनर भारत के खिलाफ 11वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में एक पारी में सर्वाधिक चार छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गये है। यह रिकॉर्ड इसलिए भी विशेष है क्योंकि भारत के खिलाफ इससे पहले किसी भी 11वें नंबर के बल्लेबाज ने एकदिवसीय मैच की एक पारी में चार छक्के नहीं लगाये थे। विश्व क्रिकेट में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय की एक पारी में 11वें नंबर पर उतरकर चार छक्के लगाने वाले वह तीसरे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले यह कारनामा पाकिस्तान के मोहम्मद आमिर ने साल 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ और नसीम शाह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ किया था। टिकनर को यह धमाकेदार पारी तब आई जब न्यूजीलैंड की टीम संघर्ष कर रही थी। उन्होंने भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर न देते हुए जमकर पीटा। खासकर उन्होंने युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को निशाना बनाया, जिनके एक ही ओवर में उन्होंने एक के बाद एक लगातार तीन छक्के लगाय।

पंजाब किंग्स ने सीएसके से यांनसन के ट्रेड डील की संभावनाओं को खारिज किया

चेन्नई । आईपीएल फ्रैंचाइजी पंजाब किंग्स ने कहा है कि वह दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर मार्को यानसन को लेकर चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) या किसी अन्य टीम के साथ किसी प्रकार की ट्रेड डील पर बात नहीं कर रही है। इससे पहले कहा जा रहा था कि पंजाब किंग्स यानसन को ट्रेड डील के जरिये सीएसके को दे सकती है। वहीं अब पंजाब फ्रैंचाइजी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल उन्हें रिलीज या ट्रेड करने का उनका कोई इरादा नहीं है, जिससे यानसन के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है।

यानसन के लिए आईपीएल 2026 का सत्र अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने पंजाब किंग्स के लिए 12 मैचों में केवल 9 विकेट लिए, जहां उनका गेंदबाजी औसत 53.66 और इकॉनमी रेट 10.20 रहा, जो टीम के लिए काफी महंगा साबित हुआ। वहीं बल्लेबाजी में भी वे पांच पारियों में सिर्फ 51 रन ही बना पाए



जबकि 2025 की नीलामी में पंजाब ने उन्हें 7 करोड़ रुपये खर्च करके अपनी टीम में शामिल किया था पर आईपीएल में उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा था। ऐसे में माना जा रहा था कि पंजाब उन्हें छोड़ सकती है। वहीं आईपीएल के खराब प्रदर्शन के बावजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मार्को यानसन का बेहतरीन प्रदर्शन जारी रहा। दक्षिण अफ्रीका के लिए उन्होंने इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी की है। माना जा रहा है कि उनकी इसी बेहतरीन फॉर्म को देखते हुए पंजाब किंग्स उन्हें अपनी टीम में बनाए रखना चाहती है, जिससे वे आगामी सीज़न में अपनी ऑलराउंड क्षमता का पूरा प्रदर्शन कर सकें और टीम को मजबूती प्रदान कर सकें।

वहीं दूसरी ओर सीएसके का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा। इसलिए वह इस बार टीम में बदलाव चाहती है। इसी कारण फ्रैंचाइजी प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा दोनों को रिलीज़ किया जाता है, तो टीम के पास अतिरिक्त 28.40 करोड़ रुपये आ जाएंगे। इस तरह, अन्य संभावित बदलावों से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के पास कुल लगभग 35.80 करोड़ रुपये का एक मजबूत पर्स हो सकता है। यह बड़ा पर्स सीएसके को नीलामी में अपनी पसंद के बड़े खिलाड़ियों पर दांव लगाने और अपनी टीम को और भी मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करेगा।

पहले एकदिवसीय में कुलदीप और सिराज को जगह नहीं मिलने से प्रशंसक हुए हैरान

ऑकलैंड । भारत और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच बुधवार से एकदिवसीय सीरीज शुरू हुई। इसमें भारतीय टीम प्रबंधन ने युवा तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दी। इसी कारण मोहम्मद सिराज और स्पिनर कुलदीप यादव को बेंच पर ही बैठना पड़ा। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टीम को अंतिम एग्यारह में कुलदीप और सिराज को शामिल नहीं किया गया जिससे प्रशंसक हैरान रह गये। शुभमन ने टॉस के समय बताया कि टीम चार तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतर रही है पर सिराज उसमें शामिल नहीं थे। इसके अलावा अनुभवी स्पिनर कुलदीप को भी टीम में जगह नहीं मिली।

घरेलू क्रिकेट से ही होगी हार्दिक की भारतीय टीम में वापसी - शुभमन

ऑकलैंड । भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल का कहना है कि लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की राष्ट्रीय टीम में वापसी तभी होगी जब वह घरेलू क्रिकेट में अपनी फिटनेस साबित करेंगे। शुभमन के अनुसार हार्दिक को पहले मुश्ताक अली ट्रॉफी या विजय हजारे ट्रॉफी में खेलकर अपनी लय हासिल करनी होगी। पंड्या चोटिल होने के कारण पिछले काफी समय से टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह न्यूजीलैंड दौरे में भी शामिल नहीं किये गये। शुभमन ने माना है कि हार्दिक जैसे ऑलराउंडर की टीम को जरुरत है पर कहा कि उनकी वापसी में जल्द बाजी कर जोखिम नहीं लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन विश्व कप के लिए हार्दिक की वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। कप्तान के अनुसार, हार्दिक एक असाधारण ऑल-राउंडर हैं, उनकी जैसी क्षमता दुनिया के बहुत कम खिलाड़ियों के पास है। उन्होंने हार्दिक की गेंदबाजी कौशल की भी सराहना की, यह बताते हुए कि उन्हें एक गेंदबाज के तौर पर खेल के अलग-अलग हिस्सों में, चाहे वह नई गेंद हो या पुरानी, इस्तेमाल किया जा सकता है साथ ही कहा कि उनकी हार्दिक से कई बार बात हुई है और वह अपनी चोटों को लेकर बदकिस्मत रहे हैं। गिल ने कहा, हार्दिक आईपीएल के बाद से



ही नहीं खेले हैं। उम्मीद है, वह जल्द ही वापस आएंगे। वह कुछ घरेलू क्रिकेट खेलेंगे। उम्मीद है कि हम उन्हें जल्द ही टीम में वापसी करते देखेंगे। शुभमन के इस बयान से यह साफ है कि सिर्फ फिटनेस ही नहीं, बल्कि मैच प्रैक्टिस भी हार्दिक की वापसी के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है।गौरतलब है कि पंड्या अंतिम बार 24 मई 2026 को आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए देखे गए थे। चोट के कारण वह इसके बाद से ही लगातार क्रिकेट से दूर हैं। वर्तमान में, वह अपनी चोट से उबरने और पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद, बालाघाट जिला बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष/फैक्स क्रमांक 07632-241377 एवं ईमेल cmobalaghat@mpurban.gov.in

क्रमांक/एफ-/लोनिवि/2026/10502 बालाघाट,दिनांक 29/10/2026

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बालाघाट, जिला बालाघाट क्षेत्र अंतर्गत बुडी, बालाघाट में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 49. EWS आवासों का आवंटन हितग्राहियों को किया जाना है। हितग्राहियों की सूची अवलोकन हेतु कार्यालय नगर पालिका परिषद बालाघाट के सूचना पटल पर अवलोकन हेतु उपलब्ध है।

किसी भी प्रकार की आपत्ति या दावा सात दिवस के भीतर कार्यालयीन समय पर प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में उपस्थित होकर लिखित में प्रस्तुत किया जा सकता है।

वास्ते सार्वजनिक सूचना जारी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बालाघाट
जिला बालाघाट(म.प्र.)

कार्यालय प्राथमिक मत्स्योद्योग (मछुआ) सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट

पंक्र.198 सूचना दिनांक 04.11.2026

विशेष आम सभा की सूचना

प्रति,

श्रीमान उपायुक्त महोदय सहकारी संस्थायें, जिला बालाघाट (म.प्र.)

आपको सूचित किया जाता है कि, प्राथमिक मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट, पंजीयन क्र. 198 की वार्षिक आमसभा दिनांक 26.11.2026 दिन गुरुवार को दिन में दोपहर 12:00 बजे स्थान प्राथमिक मत्स्योद्योग सहकारी समिति मर्यादित बालाघाट के कार्यालय भवन में आयोजित की गई है। निर्धारित समय पर गणपूर्ति के अभाव मे स्थगित की जाकर बैठक उसी दिनांक एवं जगह पर आधा घंटा पश्चात पुनः प्रारंभ की जावेगी। जिसमें गणपूर्ति आवश्यक नहीं होगी। अतः आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है।

विषय सूची

1. सोसायटी के कियाकलापों का जो कि संचालक मंडल द्वारा आगामी वर्ष के लिये तैयार किया गया हो अनुमोदन करने के लिये।
2. संपरीक्षा रिपोर्ट यदि प्राप्त हो तथा वार्षिक रिपोर्ट पर विचार करने के लिये।
3. शुद्ध लाभ /हानि के व्ययन के लिये।
4. किसी अन्य विषय पर जो कि गतिविधियों के अनुसार लाया जावे विचार करने।
5. आगामी सहकारी वर्ष के लिये बजट प्रस्तुत करने के लिये।
6. वित्तीय वर्ष के कार्य संचालन के कारण हुये हानि के कारणो का परीक्षण करना।
7. रिक्त अध्यक्ष पद के निर्वाचन प्रक्रिया पर विचार हेतु।
8. वर्ष 2026 एवं 2027 के लेखाओं की संपरीक्षा करने के लिये संपरीक्षक की नियुक्ति करना।

भवदीय
कार्यवाहक अध्यक्ष
प्राथ.मत्स्योद्योग सहकारी समिति
मर्यादित बालाघाट प.क्र.198

जीतने पर खुद को होशियार और हारने पर चुनाव आयोग को बताते हैं बेईमान

भोपाल। भाजपा की ओर से बुधवार को राजधानी भोपाल में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा का आयोजन किया गया। इसमें भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल शामिल हुए। नेताओं ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखे हमले करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस चुनाव में हार मिलने पर संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव आयोग पर सवाल उठाकर देश में भ्रम और अराजकता फैलाने का प्रयास कर रही है। पदयात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए उन्हें 'अबोध बालक' बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को राजनीति कॉलेज के उस विद्यार्थी जैसी है, जो परीक्षा में पास होने पर खुद को होशियार बताता है और फेल होने पर शिक्षक को बेईमान ठहराता है। राहुल गांधी के साथ भी यही हो रहा है। चुनाव जीतते हैं तो चुनाव निष्पक्ष लगता है, लेकिन हारने पर चुनाव आयोग पर सवाल खड़े करने लगते हैं। उन्हें आत्मचिंतन करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट का अपमान करने और चुनाव आयोग को अपनी जेब की पुडिया समझने वालों को जनता माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जब-जब न्यायालय ने कांग्रेस के खिलाफ फैसला दिया, पार्टी ने न्यायाधीशों और न्यायालय का अपमान किया। आपातकाल इसका गवाह है।



अटल पथ पर सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस किस मुंह से लोकतंत्र की रक्षा की बात करती है। 90 बार चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त किया गया। इमरजेंसी का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि मैं खुद इसका भुक्तभोगी हूं। उन्होंने कहा कांग्रेस और ईडी गठबंधन देश की अस्थिर करना चाहते हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कांग्रेस समझ चुकी है कि जनता उसे आने वाले 20-30 साल तक सत्ता में आने का मौका नहीं देने वाली। इसलिए वह चुनाव में हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ रही है। नड्डा ने राहुल गांधी की राजनीति को हिट एंड रन बताते हुए कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में वोट चोरी के आरोप लगाए गए, लेकिन जब चुनाव आयोग ने हलफनामे के साथ सबूत मांगे तो कांग्रेस पीछे हट गई। नड्डा ने ईवीएम पर सवाल उठाने को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने ईवीएम हैक करने की चुनौती दी थी, लेकिन कांग्रेस का कोई नेता सामने नहीं आया। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि ईवीएम और बैलेट पेपर पर सवाल उठाने के बजाय आत्मचिंतन करें।

कांग्रेस को अगले 20-30 साल तक राजनीतिक जगह नहीं मिलेगी

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस को अब जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है। आने वाले 20 से 30 साल तक कांग्रेस को राजनीतिक रूप से जगह नहीं मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष गैरजिम्मेदाराना व्यवहार कर रहा है और देश के विश्वास को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस जाली वोटों के जरिए चुनाव जीतना चाहती थी, लेकिन चुनाव आयोग ने एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के माध्यम से मतदाता सूची को शुद्ध करने का काम किया है। इसमें गलत तरीके से मतदाताओं के नाम नहीं काटे गए हैं। नड्डा ने कांग्रेस के शासनकाल में लगी इमरजेंसी का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौरान करीब 1.30 लाख लोगों को जेल में डाला गया था। उन्होंने दावा किया कि अंग्रेजों से भी ज्यादा समय तक कांग्रेस ने लोगों को जेल में रखा। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि उन्हें भी कॉलेज के दिनों में क्लासरूम से उठाकर ले जाया गया था। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस की राजनीति का तरीका पत्थर मारकर भागने जैसा है।

मोदी को गालियां देकर सत्ता में नहीं आएगी कांग्रेस

नड्डा ने कहा कि कांग्रेस बौखलाहट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल कर रही है। नाली का कीड़ा और बिच्छू जैसे शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है। जनता कांग्रेस को इसके लिए कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के सपने देख रही कांग्रेस को जनता चुनाव में जवाब देगी। नड्डा ने चुनौती देते हुए कहा कि 2027 में उत्तर प्रदेश और 2028 में मध्यप्रदेश में चुनावी मैदान में दो-दो हाथ कर लेना, तब पता चल जाएगा कि सरकार किसकी बनती है।

कांग्रेस लोकतंत्र का मजाक उड़ा रही- सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर लोकतंत्र का मजाक उड़ाने और न्यायालय का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता हासिल करने के लिए देश में अराजकता फैलाने का प्रयास कर रही है। राहुल गांधी राजनीतिक रोटियां सेंकने में लगे हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहीं नहीं जाने वाले हैं। मोदी जनता के नेता हैं और जनता का विश्वास उनके साथ है। मुख्यमंत्री के संबोधन के दौरान राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

विदेशी ताकतों से सहयोग ले रही कांग्रेस- खंडेलवाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि कांग्रेस देश में अराजकता फैलाने का काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि देश में अब तक हुए 12 एसआईआर में से 10 कांग्रेस की सरकारों के कार्यकाल में हुए हैं। इसके बावजूद कांग्रेस आज एसआईआर को लेकर सवाल उठा रही है। खंडेलवाल ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी राजनीति में आरोप लगाकर भागने की रणनीति अपना रहे हैं और विदेशी ताकतों से सहयोग लेकर भारत को अस्थिर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को बचाने और अराजकता को हटाने के लिए संघर्ष करती रहेगी।

भाजपा की लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ 20 मिनट की पदयात्रा में पांच किमी तक जाम

नाचते रहे नेता, फंसे रहे स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और मरीज

भोपाल। राजधानी में भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओ' पदयात्रा भले ही महज 20 मिनट में पूरी हो गई, लेकिन इसकी ट्रैफिक व्यवस्था का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ा। अटल पथ से रोशनपुरा तक निकली इस पदयात्रा के कारण करीब पांच किलोमीटर के दायरे में यातायात प्रभावित रहा। सड़कें बैरिकेडिंग से बंद रहीं, वाहनों की कतारें लगी रहीं और लोग रास्ता तलाशते रहे। इस अव्यवस्था के बीच एक मां अपने छह महीने के बीमार बच्चे को गोद में लेकर अस्पताल जाने के लिए परेशान होती रही। बच्चा बुखार से तप रहा था और तेज धूप में बिलख रहा था। मां कभी उसे आंचल से ढंकती तो कभी पेड़ की छांव में खड़ी होकर रास्ता खुलने का इंतजार करती। दूसरी तरफ पदयात्रा में शामिल भाजपा नेता ढोल-नगाड़ों की धुन पर नाचते रहे।

स्कूल की छुट्टी के बाद बच्चों को लेकर लौट रहे ऑटो चालक भी जाम में फंसे रहे। कोई बुजुर्ग अपने पोते को लेने जाते समय आधे घंटे तक रास्ते में अटका रहा, तो कोई जरूरी काम से निकला व्यक्ति बैरिकेडिंग के बीच रास्ता खोजता रहा। बुधवार दोपहर 12:50 बजे शुरू हुई पदयात्रा 1:10 बजे रोशनपुरा चौराहे पर खत्म हो गई, लेकिन यातायात सामान्य होने में इसके बाद भी करीब आधे घंटे का समय लगा। कार्यक्रम के लिए 700 पुलिसकर्मियों की तैनाती और करीब एक हजार बसों के शहर में पहुंचने के बावजूद वैकल्पिक यातायात व्यवस्था सवालों के घेरे में रहीं।

बीमार बच्चे को लेकर मां की बेबसी

रातीबड़ निवासी महिला अपने छह महीने के बच्चे को डॉक्टर को दिखाने जेपी अस्पताल जा रही थी। बच्चे को जुकाम और बुखार था। रास्ते में अचानक पुलिस की बैरिकेडिंग मिली और आगे बढ़ने का रास्ता बंद हो गया। महिला के मुताबिक, वह काफी देर तक वहीं फंसी रही। बच्चा गर्मी और बीमारी से परेशान था। ऊपर से ढोल-नगाड़ों की तेज आवाज से वह और डर रहा था। महिला के सामने मुश्किल यह थी कि न आगे जाने का रास्ता था और न पीछे लौटने का। वह कभी बच्चे को धूप से बचाती तो कभी छांव में खड़े होकर रास्ता खुलने का इंतजार करती रही।

बच्चे ऑटो में बैठे इंतजार करते रहे

यातायात व्यवस्था का असर स्कूली बच्चों पर भी पड़ा। जहांगीराबाद के एक निजी स्कूल में बच्चों को लाने-ले जाने वाले ऑटो चालक नईम करीब एक घंटे तक बैरिकेडिंग के कारण फंसे रहे। स्कूल की छुट्टी हो चुकी थी और उन्हें बच्चों को लेकर वापस जाना था, लेकिन रास्ता बंद होने से ऑटो आगे नहीं बढ़ पा रहा था। नईम के मुताबिक, उन्हें डिपो चौराहे की ओर से आने दिया गया था, लेकिन बाद में रोशनपुरा चौराहे पर रोक दिया गया। ड्रायवर्जन की जानकारी भी नहीं थी। ऐसे में ऑटो में बैठे बच्चों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

पोते को लेने निकले दादा भी जाम में फंसे

अब्दुल मुस्तफा अपने पोते को लेने नेहरू नगर स्थित स्कूल जा रहे थे। अचानक रास्ता बंद होने से वह करीब आधे घंटे तक जाम में फंसे रहे। सड़क पर वाहनों की कतारें थीं और बैरिकेडिंग के कारण आगे बढ़ने का रास्ता नहीं मिल रहा था। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि स्कूल तक पहुंचने के लिए कौन सा रास्ता अपनाएं।

20 मिनट की यात्रा, पांच किमी तक असर

पदयात्रा अटल पथ से दोपहर 12:50 बजे शुरू हुई और 1:10 बजे रोशनपुरा चौराहे पर समाप्त हो गई। इसके बावजूद रोशनपुरा, न्यू मार्केट, जहांगीराबाद, डिपो चौराहा और कमला पार्क की ओर यातायात प्रभावित रहा। यात्रा में शामिल होने आई बसों की कतारें ने आसपास की सड़कों पर वाहनों का दबाव और बढ़ा दिया। कांग्रेस कार्यालय से न्यू मार्केट आने-जाने वाला मार्ग, न्यू मार्केट से मैनिट चौराहे की ओर जाने वाली सड़क और डिपो चौराहे से मैनिट की तरफ जाने वाले रास्ते पर भी आवाजाही प्रभावित रही।

700 पुलिसकर्मी तैनात, फिर भी नहीं संभला ट्रैफिक

कार्यक्रम की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए कुल 700 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। इनमें 250 यातायात पुलिसकर्मी और 450 जिला पुलिस बल के जवान शामिल थे। कार्यक्रम में करीब एक हजार बसें भी पहुंची थीं। इतनी बड़ी पुलिस व्यवस्था के बावजूद आम लोगों को जाम से राहत नहीं मिली। सबसे बड़ा सवाल यही रहा कि जब राजनीतिक कार्यक्रम को अधिक महज 20 मिनट थी, तो उसके लिए शहर के बड़े हिस्से की आवाजाही क्यों प्रभावित हुई? क्या ट्रैफिक ड्रायवर्जन और वैकल्पिक रास्तों की जानकारी पहले से लोगों तक नहीं पहुंचाई जा सकती थी? राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के बीच आम नागरिकों की परेशानी पे व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े कर दिए। नेताओं की पदयात्रा 20 मिनट में पूरी हो गई, लेकिन उसकी कीमत किसी मां को बीमार बच्चे के साथ सड़क पर इंतजार करके चुकानी पड़ी तो किसी स्कूली बच्चे को जाम में फंसकर।

6000 करोड़ से बनेगा टाइगर टूरिज्म सर्किट

भोपाल। मध्य प्रदेश में वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए करीब 5500 से 6000 करोड़ रुपए की लागत से सेंट्रल इंडिया टाइगर टूरिज्म कॉरिडोर विकसित किया जा रहा है। करीब 625 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के पहले चरण में कान्हा, पेंच और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व को जबलपुर से बेहतर सड़क नेटवर्क के जरिए जोड़ा जाएगा। इससे पर्यटकों को तीनों प्रमुख टाइगर रिजर्व तक पहुंचने में कम समय लगेगा। साथ ही वन्यजीवों की सुरक्षित आवाजाही के लिए विशेष ओवरपास, अंडरपास और एआइ आधारित निगरानी सिस्टम विकसित किए जाएंगे।

परियोजना पर मध्य प्रदेश का लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) मिलकर काम कर रहे हैं। सरकार का लक्ष्य सितंबर 2028 से पहले इसके महत्वपूर्ण हिस्सों को आकार देना है, ताकि उन्हें आने वाले पर्यटक धार्मिक पर्यटन के साथ प्रदेश के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों का भी भ्रमण कर सकें।

तीनों टाइगर रिजर्व की दूरी होगी कम

कॉरिडोर बनने से जबलपुर से कान्हा, पेंच और बांधवगढ़ की सड़क दूरी घटेगी। प्रस्तावित कनेक्टिविटी के अनुसार बांधवगढ़ की दूरी 180 से घटकर 155 किलोमीटर, पेंच की 123 से 104 किलोमीटर और कान्हा की 148 से 118 किलोमीटर रह जाएगी। जबलपुर की एयर और रेल कनेक्टिविटी के कारण यह शहर तीनों टाइगर रिजर्व के लिए प्रमुख प्रवेश द्वार बन सकेगा। देशी और विदेशी पर्यटक यहां पहुंचकर सड़क मार्ग से अलग-अलग टाइगर रिजर्व की यात्रा कर सकेंगे।

पहले चरण में 758 करोड़ का सड़क प्रोजेक्ट

टाइगर कॉरिडोर का निर्माण अलग-अलग चरणों में होगा। पहले चरण में जबलपुर को तीनों टाइगर रिजर्व से जोड़ने के लिए सड़क नेटवर्क विकसित किया जा रहा है। इसके तहत राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर इटारसी और बैतूल के बीच 22 किलोमीटर हिस्से को फोरलेन करने के लिए 758 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। पूरे प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 5500 से 6000 करोड़ रुपए है। फिलहाल एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी डीपीआर तथा सर्वे रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं। अगले चरण में पन्ना सहित प्रदेश के अन्य टाइगर रिजर्व और राष्ट्रीय उद्यानों को भी इस नेटवर्क से जोड़ने की योजना है। जबलपुर के नजदीक स्थित नीरादेही टाइगर रिजर्व को भी इस विस्तार का लाभ मिलेगा।

वन्यजीवों के लिए बनेंगे ओवरपास और अंडरपास

परियोजना में सड़क कनेक्टिविटी के साथ वन्यजीवों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जंगलों के बीच से गुजरने वाले मार्गों पर वन्यजीवों को आवाजाही बाधित न हो, इसके लिए विशेष ओवरपास, अंडरपास और ईको फ्रेंडली फ्लाईओवर बनाए जाएंगे। संवेदनशील क्षेत्रों में स्ली ट्रैफिक जोन भी विकसित होंगे। इसके अलावा एआई आधारित वाइल्डलाइफ ट्रैफिक सिस्टम लगाने की योजना है। इससे सड़क के आसपास वन्यजीवों की मौजूदगी पर नजर रखी जा सकेगी और जरूरत के अनुसार वाहनों की गति नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में वन्यजीवों के मारे जाने की आशंका कम करना है।

आदिवासी अंचलों में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

टाइगर टूरिज्म सर्किट का फायदा सिवनी, बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जैसे जिलों को भी मिलेगा। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल, रिसॉर्ट, होम स्टे, टूर एंड ट्रैवल्स और स्थानीय गाइड की मांग बढ़ सकती है। इसके साथ ही स्थानीय हस्तशिल्प, खानपान और पारंपरिक उत्पादों को भी नया बाजार मिलने की उम्मीद है। इससे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में पर्यटन आधारित रोजगार के अवसर तैयार हो सकते हैं। स्थानीय युवाओं और ग्रामीण परिवारों को पर्यटन गतिविधियों से जोड़ने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

सिंहस्थ 2028 से पहले विकसित करने की तैयारी

सरकार की कोशिश है कि सिंहस्थ 2028 से पहले कॉरिडोर के महत्वपूर्ण हिस्से तैयार हो जाएं। सिंहस्थ में बड़ी संख्या में देशी-विदेशी श्रद्धालुओं और पर्यटकों के उज्जैन आने की संभावना है। ऐसे में धार्मिक पर्यटन के साथ कान्हा, पेंच और बांधवगढ़ जैसे वन्यजीव पर्यटन स्थलों को भी आकर्षण का केंद्र बनाने की योजना है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह के मुताबिक, सेंट्रल इंडिया टाइगर टूरिज्म कॉरिडोर देश का पहला राज्य रास्तीय बहु-राष्ट्रीय उद्यान बाघ गलियारा होगा। केंद्र सरकार से परियोजना को सैद्धांतिक सहमति मिल चुकी है। एनएचएआई और पीडब्ल्यूडी इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा करेंगे।

आईपीएस के कार्यभार बदले

वरुण कपूर को डीजीपी के पीएसओ पद से हटाया, अब अवधेश गोस्वामी को मिला प्रभार

भोपाल । मध्यप्रदेश में पुलिस मुख्यालय में पदस्थ 8 आईपीएस अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। डीआईजी विनीत कपूर को इलाके के ख़ास पद से हटाकर साइबर और सामुदायिक पुलिसिंग की जिम्मेदारी दी गई है। उनके स्थान पर डीआईजी अवधेश कुमार गोस्वामी को इलाके का नया ख़ास बनाया गया है। इसके साथ ही अवधेश कुमार गोस्वामी को नारकोटिक्स का प्रभार भी सौंपा गया है।पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक नई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

नवीन कार्यभार में संतोष सिंह गौर उपपुलिस महानिरीक्षक भोपाल से उप पुलिस महानिरीक्षक पीटीआरआई पुलिस मुख्यालय, अवधेश कुमार गोस्वामी उपपुलिस महानिरीक्षक कल्याण एवं लेखा पुलिस मुख्यालय से उपपुलिस महानिरीक्षक पीएसओ टू डीजीपी पुलिस मुख्यालय, तुषारकांत उपपुलिस महानिरीक्षक पीटीआरआई पुमु भोपाल से उपपुलिस महानिरीक्षक विसबल मुख्यालय पुमु, विनीत कपूर उपपुलिस महानिरीक्षक पीएसओ टू डीजीपी पुमु भोपाल से उपपुलिस महानिरीक्षक साईबर पुमु, रघुवंश कुमार सिंह उपपुलिस महानिरीक्षक पुमु भोपाल से उपपुलिस महानिरीक्षक कल्याण एवं लेखा पुमु भोपाल, सांईकृष्ण थोटा सहायक पुलिस महा निरी. पुमु भोपाल से सहायक पुलिस महानिरीक्षक साइबर पुमु भोपाल, पुनीत गहलोदि सहायक पुलिस महा निरी, पुमु भोपाल से सहायक पुलिस महा निरी. प्रशासन पुमु भोपाल, शशांक सहायक पुलिस महा निरी. पुमु भोपाल से सहायक पुलिस महा निरीक्षक (जी) विशेष शाखा पुमु भोपाल को नवीन कार्य आवंटित किये गये।

2009 बैच के डीआईजी अवधेश कुमार गोस्वामी को कल्याण एवं लेखा विभाग से हटाकर इलाक का ख़ास बनाया गया है। उन्हें नारकोटिक्स की जिम्मेदारी भी दी गई है। वहीं, 2010 बैच के डीआईजी विनीत कपूर अब साइबर और सामुदायिक पुलिसिंग का काम देखेंगे।

विसबल और कल्याण विभाग में भी बदलाव

2009 बैच के डीआईजी संतोष सिंह गौर को अजाक से पीटीआरआई भेजा गया है। इसी बैच के डीआईजी तुषार कांत विद्यार्थी को पीटीआरआई से विसबल मुख्यालय की जिम्मेदारी दी गई है। 2012 बैच के डीआईजी रघुवंश कुमार सिंह अब कल्याण एवं लेखा विभाग का काम देखेंगे। इससे पहले वे पुलिस मुख्यालय में पदस्थ थे।

आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक के बाद होसबाले ने कहा

मुद्दे उठाना जेन-जी का अधिकार, उन्हें देश विरोधी न समझे

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपने एजेंडे में जेन-जी के मुद्दों, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, नक्सलवाद सहित अन्य विषयों को शामिल किया है और इन्हें लेकर अपना रुख भी स्पष्ट किया है। इंदौर में हुई अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में इन मुद्दों पर मंथन हुआ। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि मुद्दे उठाना और अपनी बात रखना युवा पीढ़ी का अधिकार है। युवाओं को देशविरोधी नहीं समझा जाना चाहिए, लेकिन अराजक शक्तियों द्वारा उन्हें भड़काकर अशांति और हिंसा फैलाना गलत है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी में व्यवस्था के प्रति विरोध का भाव रहता है, लेकिन इसका राजनीतिक इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। युवाओं से सकारात्मक संवाद होना चाहिए और उनके मुद्दों का समाधान किया जाना चाहिए।



होसबाले ने कहा कि कानून के जरिए, सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकना आसान नहीं है। देश में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाया गया था, लेकिन इस तरह की रोक प्रभावी साबित नहीं हुई। कई देशों में सोशल मीडिया को लेकर नियम बनाए जा रहे हैं। भारत में भी इसकी मांग उठ रही है, लेकिन संघ का मानना है कि पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के जरिए ही इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है। आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि इसे राजनीति से नहीं जोड़ना चाहिए। जिन वर्गों को आरक्षण की जरूरत है, उन्हें इसका लाभ मिलना चाहिए। यह एक व्यवस्था है।

88 संभाग बनेंगे

आरएसएस ने संगठन के संचालन की क्षेत्रीय व्यवस्था समाप्त कर दी है। देशभर में अब 47 प्रांतों के स्थान पर 88 संभाग बनाए जाएंगे। संभाग स्तर पर ही पदों पर नियुक्तियां होंगी। होसबाले ने बताया कि संघ एक लाख नए स्थानों पर शाखाएं शुरू करेगा। इनका स्वरूप दैनिक के बजाय साप्ताहिक या पाक्षिक हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष देशभर में 99 हजार 423 दैनिक शाखाएं संचालित हो रही हैं। वहीं, साप्ताहिक मिलनों की संख्या 34 हजार और मासिक मिलनों की संख्या 14 हजार से अधिक है। देशभर में एक लाख तीन हजार से अधिक स्थानों पर संघ की शाखाएं और मिलन आयोजित किए जा रहे हैं।

भारत की सीमा में ही काम करेगा संघ

होसबाले ने कहा कि विश्व के कई देशों में संघ के स्वयंसेवक हैं, लेकिन संघ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने संगठन का विस्तार नहीं करेगा। संघ का कार्यक्षेत्र भारत की भौगोलिक सीमा तक ही सीमित रहेगा।

लगातार बढ़ रही है पुलिस पर हमले की घटनाएं

भोपाल। प्रदेश में अपराधियों को पकड़ने वाली पुलिस टीमों पर बेखौफ अपराधियों द्वारा की जा रही हमले की बढ़ती घटनाएं चिंता पैदा करने वाली है। ऐसे में रसूखदार अपराधियों पर अंकुश लगाना भी पुलिसकर्मियों के लिए चुनौती बनता जा रहा है। पुलिस सूत्रों की मानी जाये तो जनवरी 2024 से जून 2025 के बीच प्रदेश भर में पुलिस जवानों पर हमले की 461 घटनाएं दर्ज की गईं। इन वारदातों में पांच पुलिस कर्मियों ने अपनी जान गंवा दी वहीं 612 जवान घायल हुए। आंकड़ों पर नजर डाली जाये तो इस तरह की घटनाओं में प्रदेश की राजधानी भोपाल पहले नंबर पर है, यहां 28 घटनाएं हुईं, जिनमें 30 पुलिसकर्मी घायल हुए। इसके बाद राजगढ़ में 26 घटनाएं हुईं और 40 पुलिसकर्मी घायल हुए। इंदौर में पुलिस पर हमले की 23 घटनाएं सामने आईं। ग्वालियर और श्योपुर में 19-19, टीकमगढ़ में 17, गुना और सिंगरौली में 15-15 तथा उज्जैन और जबलपुर में 14-14 घटनाएं दर्ज की गईं। गुना में हमलों की संख्या 15 रही, लेकिन यहां 40 पुलिसकर्मी घायल हुए। राजगढ़ और गुना में पुलिस टीमों पर हमलों के दौरान बड़ी संख्या में जवानों के घायल होने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

- 5 जवानों की गई जान

पुलिस पर हमलों के दौरान छिंदवाड़ा, शहडोल, सतना, मऊगंज और सिवनी में एक-एक पुलिसकर्मी की मौत हुई। वहीं प्रदेशभर में 612 पुलिसकर्मी घायल हुए।

रिटायर्ड आईएएस अधिकारी का हत्यारा 7 दिन के रिमांड पर

भोपाल। राजधानी भोपाल के रातीबड़ थाना इलाके में रहने वाले रिटायर्ड आईएएस अधिकारी राकेश अग्रवाल के हत्यारे केसरटेकर वरुण को पुलिस ने सात दिन के रिमांड पर लिया है। इसके साथ ही पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का केस भी दर्ज करते हुए सब इंस्पेक्टर को केसरटी पिस्टल को भी जप्त कर लिया है। जिसकी झुमाझटकी में उसे गोली लगी थी। शार्ट एनकाउंटर के बाद फिलहाल आरोपी युवक अस्पताल में भर्ती है, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस के मुताबिक सूरज नगर में रहने वाले रिटायर्ड आईएएस राकेश अग्रवाल को उनके केयरटेकर वरुण कुमार ने 30 सितंबर को गला रेतकर हत्या कर दी थी। मंगलवार को पुलिस ने उसे शार्ट एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया था। बाद में मजिस्ट्रेट इमीदिया अस्पताल पहुंचे, जहां कोर्ट ने सात दिन का रिमांड स्वीकृत किया। साथ ही पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ सब इंस्पेक्टर ओपी रघुवंशी की शिकायत पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया। गौरतलब है कि पुलिस गिरफ्त से फरार होने का प्रयास करतेह हुए आरोपी ने सब इंस्पेक्टर की सरकारी पिस्टल छीनने की कोशिश की थी, उसे पकड़ने और पिस्टल छीनने की कोशिश को नाकाम करने के दौरान वरुण के पैर में गोली लग गई। इसके बाद में पुलिस ने सरकारी पिस्टल को जब्त भी कर लिया है। अफसरों के मुताबिक फिलहाल आरोपी के घायल हालत में होने के कारण उससे पूछताछ नहीं की जा सकी है, जिससे हत्या का सही कारण साफ नहीं हो सका है। उसे रिमांड पर लिया गया है, पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है, कि उसने हत्या क्यों की और फरारी के दौरान उसकी किन-किन लोगों ने मदद की है। आरोपी से पूछताछ के आधार पर पुलिस आगे की कार्यवाही करेगी, फिलहाल पुलिस अन्य साक्ष्य जुटाने में लगी है।

50 लाख रजिस्ट्रियों का लक्ष्य, अब नेताओं के भरोसे रफ्तार

भोपाल। ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का पक्का मालिकाना हक दिलाने के लिए शुरू की गई स्वामित्व योजना अब सियासी और प्रशासनिक सक्रियता के सहारे आगे बढ़ेगी। सरकारी अमले की धीमी रफ्तार ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। 50 लाख से ज्यादा संपत्तियों की निशुल्क रजिस्ट्री का लक्ष्य तय होने के बावजूद अब तक महज 12.87 लाख रजिस्ट्रियां ही हो पाई हैं। यानी लक्ष्य के मुकाबले एक चौथाई काम भी पूरा नहीं हुआ है।

अब सरकार ने इस अभियान को गति देने के लिए जनप्रतिनिधियों को सीधे जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी की है। 6 नवंबर को धनतेरस से मंत्री, सांसद और विधायक गांवों में पहुंचकर अपने सामने पात्र हितग्राहियों की रजिस्ट्रियां करवाएंगे। जनप्रतिनिधि अपने पैतृक गांव या पसंद के किसी गांव को चुन सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उच्च स्तरीय बैठक में योजना की समीक्षा कर इस संबंध में निर्देश दिए।

15 दिन में सवा सात लाख रजिस्ट्रियों का लक्ष्य

सरकार के सामने फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती 15 नवंबर तक रजिस्ट्रियों का आंकड़ा 20 लाख तक पहुंचाने की है। 1 नवंबर तक प्रदेश में 12 लाख 87 हजार 252 रजिस्ट्रियां पूरी हुई हैं। इस लिहाज से अगले 15 दिनों में करीब 7.13 लाख अतिरिक्त रजिस्ट्रियां करनी होंगी। इसके लिए अगले दो सप्ताह तक गांवों में जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कलेक्टरों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रभारी मंत्रियों, स्थानीय मंत्रियों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय बनाकर अभियान चलाएं। जिन गांवों में शत-प्रतिशत रजिस्ट्रियां पूरी हो जाएंगी, वहां जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में सरकारी कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

3800 करोड़ खर्च, फिर भी रफ्तार धीमी

स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की करीब 50 लाख निजी संपत्तियों की निशुल्क पक्की रजिस्ट्री कराने का लक्ष्य है। इसके लिए 2 जून 2026 को कैबिनेट ने 3800 करोड़ रुपए खर्च करने वाली स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 को मंजूरी दी थी। योजना के तहत प्रदेश में कुल 68.11 लाख अधिकार अभिलेख तैयार किए गए हैं। इनमें 48.32 लाख निजी संपत्तियों से संबंधित हैं।

बालाघाट
गुरुवार 05 नवम्बर 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

बालाघाट एक्सप्रेस
शहर । समाज । गांव

12
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

भटेरा चौकी फाटक हमेशा के लिए बंद, शहर की यातायात व्यवस्था चरमराई

अचानक हुई बेरिकेडिंग से मचा हड़कंप, जगह-जगह लगा जाम, वैकल्पिक मार्गों की हालत भी ठीक नहीं 31 मार्च 2027 तक बंद रहेगा भटेरा मार्ग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भटेरा चौकी रेलवे फाटक पर बुधवार की देर शाम अचानक की गई मजबूत बेरिकेडिंग ने शहर की यातायात व्यवस्था को पूरी तरह से झकझोर दिया। फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण के चलते रेलवे फाटक को स्थायी रूप से बंद किए जाने के बाद लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। देखते ही देखते जगह-जगह वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पैदल राहगीरों के लिए भी फाटक पार करने का रास्ता बंद कर दिया गया, जिससे रोजाना इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों में नाराजगी देखने को मिली। त्योहारों के सीजन में अचानक रास्ता बंद होने से व्यापारियों की भी चिंता बढ़ गई है। लोगों ने प्रशासन से वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

रेलवे ब्रिज निर्माण के चलते बंद किया गया मार्ग

ज्ञात हो कि, बालाघाट-नैनपुर सड़क मार्ग पर भटेरा रेलवे क्रॉसिंग में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य किया जा रहा है। निर्माण के दौरान वाहनों के जाम और दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए, प्रशासन ने 1 नवंबर से आगामी 31 मार्च 2027 तक लगभग 5 महीने के लिए भटेरा मार्ग को बंद करने का आदेश जारी किया था। आदेश के तहत इस मार्ग से गुजरने वाले दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं। हालांकि, 4 नवंबर को दिनभर रेलवे फाटक से आवागमन जारी रहा। देर शाम अचानक रेलवे द्वारा क्रॉसिंग पर मजबूत बेरिकेडिंग कर दिए जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। घर लौटने के दौरान जब लोगों ने फाटक बंद देखा तो दोनों ओर आवागमन करने वालों की भीड़ जमा हो गई। लोगों का कहना था कि यदि फाटक बंद करने की कार्रवाई दिन में ही कर दी जाती तो वे अपने आवागमन की व्यवस्था पहले से कर सकते थे। अचानक रास्ता बंद होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

त्योहार के सीजन में बढ़ी चिंता

बताया गया कि भटेरा मार्ग केवल आवागमन का प्रमुख रास्ता ही नहीं, बल्कि व्यावसायिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। दीपावली के त्योहार को देखते हुए क्षेत्र के दुकानदारों ने बड़ी मात्रा में त्योहार उपयोगी सामग्री मंगाई है। ऐसे समय में रेलवे फाटक बंद होने से ग्राहकों की आवाजाही और व्यापार प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं राहगिरों के साथ साथ स्थानीय लोगो की भी परेशानी बढ़ गई है। अचानक फाटक बंद किए जाने के बाद जिस तरह लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा, उससे वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।



जगह-जगह जाम, यातायात व्यवस्था हुई प्रभावित

उधर भटेरा रेलवे फाटक बंद होने के बाद शहर के अन्य मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ने लगा है। वैकल्पिक मार्गों से वाहनों का आवागमन होने के कारण कई स्थानों पर जाम की स्थिति निर्मित हुई। रोजाना इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ा।सबसे अधिक परेशानी उन लोगों को हुई, जो पैदल फाटक पार कर अपने कामकाज के लिए जाते थे। रेलवे द्वारा बेरिकेडिंग किए जाने के बाद पैदल आवागमन पर भी रोक लग गई है। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा जरूरी है, लेकिन आमजन की सुविधा के लिए बेहतर वैकल्पिक व्यवस्था भी की जानी चाहिए।

31 मार्च 2027 तक बंद रहेगा मार्ग

जानकारी के अनुसार भटेरा रेलवे ओवरब्रिज निर्माण कार्य के चलते प्रशासन ने 31 मार्च 2027 तक यातायात बंद रखने का निर्णय लिया है।निर्माण कार्य के दौरान दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए वाहनों के आवागमन के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए हैं।हालांकि रेलवे ओवर ब्रिज का काम जिस सुस्त गती से चल रहा है।उसे देखते हुए यह मार्ग 31 मार्च के बाद भी शुरू नही होने की बात स्थानीय लोगो द्वारा कही जा रही है।

त्योहार के ठीक पहले रास्ता बंद कर करना ठीक नही, वैकल्पिक मार्ग भी खराब- अनिल सोनी

भटेरा रेलवे फाटक स्थाई रूप से बंद होने से स्थानीय लोगो के साथ साथ अन्य राहगीरों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।आमजन और व्यापारियों की परेशानी बढ़ गई है।

पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष अनिल सोनी ने भी रेलवे विभाग की इस कार्रवाई पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि दीपावली तक लोगों को राहत मिलने की उम्मीद थी, लेकिन त्योहार के ठीक पहले रास्ता बंद कर दिए जाने से आमजन और व्यापारियों की परेशानी बढ़ गई है। जिस मार्ग को प्रशासन ने वैकल्पिक रास्ते के रूप में निर्धारित किया है, उसकी हालत भी ठीक नहीं है। ऐसे में लोगों को अब खराब रास्तों से होकर सफर करना पड़ेगा।उन्हें वैकल्पिक मार्गों की दुरुस्त किए जाने की भी मांग की है।

भटेरा चौकी रेलवे फाटक स्थायी रूप से बंद, आज से बदलेगा यातायात का रास्ता

समनापुर-नैनपुर जाने वाले भारी वाहनों को लालबर्रा-मगरदर्रा मार्ग से गुजरना होगा, महर्षि विद्यालय के सामने बना अस्थायी बस स्टैंड, यातायात पुलिस ने जारी की एडवाईजरी



पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बुधवार शाम से भटेरा चौकी रेलवे फाटक से आवागमन करने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है।जहाँ फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण कार्य के चलते भटेरा चौकी स्थित पुराना रेलवे फाटक 4 नवंबर से स्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। रेलवे प्रशासन द्वारा फाटक को स्थानांतरित कर गड्ढा मोहल्ला में डॉ. शिशिर खरे के निवास के सामने नए रेलवे फाटक का निर्माण किया गया है। ऐसे में अब खैरी,कुम्हारी, समनापुर एवं नैनपुर की ओर जाने वाले वाहन चालकों को निर्धारित वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करना होगा।यातायात थाना बालाघाट द्वारा जारी एडवाइजरी के अनुसार, दो पहिया एवं चार पहिया वाहन अवंतीबाई चौक से बैहर रोड होते हुए गड्ढा मोहल्ला स्थित डॉ. शिशिर खरे के निवास के सामने वाले मार्ग से नए रेलवे फाटक तक पहुंच सकेंगे। इसी मार्ग से संबंधित क्षेत्रों की ओर आवागमन किया जा सकेगा।

भारी वाहनों के लिए लालबर्रा-मगरदर्रा मार्ग निर्धारित

बालाघाट से समनापुर एवं नैनपुर की ओर जाने वाले सभी भारी वाहनों के लिए अलग मार्ग निर्धारित किया गया है। भारी वाहन अब लालबर्रा-मगरदर्रा मार्ग से आवागमन करेंगे। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। वाहन चालकों से निर्धारित मार्ग का पालन करने की अपील की गई है।

महर्षि विद्यालय के सामने बनेगा अस्थायी बस स्टैंड

रेलवे फाटक बंद होने के बाद समनापुर एवं नैनपुर की ओर जाने वाली यात्री बसों के संचालन के लिए महर्षि विद्यालय के सामने अस्थायी बस स्टैंड निर्धारित किया गया है। संबंधित मार्गों की सभी यात्री बसों का संचालन इसी निर्धारित बस स्टैंड से किया जाएगा। ताकि यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो और किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

एक नजर में यातायात व्यवस्था

- पुराना भटेरा चौकी रेलवे फाटक 4 नवंबर 2026 से स्थायी रूप से बंद।
- दो पहिया एवं चार पहिया वाहनों के लिए अवंतीबाई चौक-बैहर रोड-गड्ढा मोहल्ला-नया रेलवे फाटक मार्ग।
- भारी वाहनों के लिए लालबर्रा-मगरदर्रा मार्ग।
- समनापुर एवं नैनपुर जाने वाली बसों का अस्थायी स्टैंड महर्षि विद्यालय के सामने।
- यातायात थाना बालाघाट ने जारी की एडवाइजरी।

शिकायत जांच के बाद 8.50 लाख की चोरी का मामला दर्ज

लोरा गांव में सूने मकान को चोरों ने बनाया था निशाना, सोने-चांदी के जेवरात और नगदी ले उड़े अज्ञात चोर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम लोरा में सूने मकान से करीब 8 लाख 50 हजार रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नगदी चोरी होने के मामले में पुलिस ने शिकायत की जांच उपरांत अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस मामले की विवेचना कर अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मोहगांव निवासी अविनाश गोयल 34 अपने पिता के साथ साइकिल स्टोर में काम करते हैं। उनका ग्राम लोरा में भी एक मकान है जहां उनके माता-पिता रहते हैं।9 अक्टूबर को बालाघाट में उनकी बहन के घर बारसे का कार्यक्रम होने के कारण अविनाश के माता-पिता सुबह करीब 11 बजे मकान में ताला लगाकर चाबी पड़ोसी को सौंपकर बालाघाट चले गए थे।इसी दिन शाम करीब 4 बजे अविनाश अपनी पत्नी के साथ बालाघाट जाने के लिए मोहगांव से निकले। रास्ते में ग्राम लोरा स्थित अपने पुराने मकान पहुंचकर पड़ोसी से चाबी ली और अलमारी में रखे अपने तथा पत्नी के जेवर निकालकर पहन लिए। इसके बाद मकान में ताला लगाकर चाबी अपने साथ लेकर बालाघाट चले गए। रात में वे वापस मोहगांव आ गए।10 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे उनके माता-पिता घर पहुंचे और दरवाजा खोलकर अंदर देखा तो घर का सामान बिखरा हुआ था तथा अलमारियों के दरवाजे खुले थे। सूचना मिलने पर अविनाश भी मौके पर पहुंचे। जांच करने पर मकान के पीछे की खिड़की की सलाखें निकली हुई मिलीं।अलमारियों की जांच करने पर चांदी की 7 जोड़ी पायल, 4 जोड़ी बिछिया, 3 खोजना, सोने के 4 नग झुमके, सोने की 10 नग मनी, एक विंदिया, 2 लॉकेट, 2 जोड़ी कंठड़ी सहित दुकान की नगदी 35 हजार रुपये, एक लॉकर में रखे 7 लाख रुपये और दूसरी अलमारी में रखे 30 हजार रुपये गायब मिले। चोरी गए जेवरात और नगदी की कुल कीमत करीब 8 लाख 50 हजार रुपये बताई गई है।अविनाश गोयल की शिकायत पर मलाजखंड पुलिस ने पहले मामले को जांच में रखा था। शिकायत की जांच उपरांत अब अज्ञात आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) एवं 305(ए) के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।





स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट